ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

दलित-विरोधी कांग्रेस सरकार को सबक सिखाने की जरूरत: विजयेंद्र. @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 06 मार्च, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-64

मोदी कैबिनेट ने लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय

सोनप्रयाग से केदारनाथ तक बनेगा रोप-वे

- 9 घंटे का थकाऊ सफर महज 36 मिनट में होगा पूरा
- 16 किमी की कठिन चढ़ाई से लोगों को मिलेगी राहत
- गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब के लिए भी बनेगा रोप-वे
- पशुओं के लिए सस्ती जेनरिक दवाओं की भी मंजूरी दी

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में राष्ट्रीय रोप-वे विकास कार्यक्रम की पर्वतमाला परियोजना के तहत उत्तराखंड में सोनप्रयाग से केदारनाथ तक 12.9 किलोमीटर की रोप-वे परियोजना को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब के बीच भी 12.4 किमी लंबा रोप-वे बनेगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए कहा, रोप-वे परियोजना से यात्रा में 8-9 घंटे का समय बचेगा। रोप-वे से यात्रा 36 मिनट की हो जाएगी।

सोनप्रयाग से केदारनाथ तक जाने वाले रोप-वे की परियोजना पर करीब 4,081 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। इस रोप-वे को डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण (डीबीएफओटी) मोड पर विकसित किया जाएगा। रोप-वे को सार्वजनिक-निजी भागीदारी में विकसित करने की योजना है और यह सबसे उन्नत ट्राई-केबल डिटैचेबल गोंडोला (3एस) तकनीक पर आधारित है। जिसकी डिजाइन क्षमता 1,800 यात्री प्रति घंटे प्रति दिशा (पीपीएचपीडी) होगी और यह प्रतिदिन 18,000 यात्रियों को ले जाएगा। रोप-वे परियोजना निर्माण और संचालन के दौरान और साथ ही पूरे वर्ष आतिथ्य, यात्रा, खाद्य और पेय (एफएंडबी) और पर्यटन जैसे संबद्ध पर्यटन उद्योगों में पर्याप्त रोजगार के अवसर पैदा करेगी।

रोप-वे परियोजना का विकास संतुलित सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, पहाड़ी क्षेत्रों में अंतिम मील संपर्क को बढ़ाने और तेजी से आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केदारनाथ मंदिर की यात्रा गौरीकुंड से 16 किलोमीटर की चुनौतीपूर्ण चढ़ाई है और वर्तमान में पैदल या टट्टू, पालकी और हेलीकॉप्टर द्वारा तय की जाती है। केदारनाथ उत्तराखंड राज्य के रुद्रप्रयाग जिले में 3,583 मीटर (11968 फीट) की ऊंचाई पर स्थित 12 पवित्र ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह मंदिर अक्षय तृतीया (अप्रैल-मई) से दिवाली (अक्टूबर-नवंबर) तक साल में लगभग 6 से 7 महीने तीर्थयात्रियों के लिए खुला रहता है और इस मौसम में सालाना लगभग 20 लाख तीर्थयात्री यहां आते हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सरकार ने बुधवार को उत्तराखंड में दो रोप-वे परियोजनाओं को मंजूरी दी। इनमें सोनप्रयाग से केदारनाथ (12.9 किलोमीटर) और गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब (12.4 किमी) रोप-वे परियोजनाएं शामिल हैं, जिनपर कुल 6,811 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इन दो महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के निर्माण की समयसीमा चार से छह वर्ष निर्धारित की गई है। वैष्णव ने बताया कि गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक 12.4 किमी लंबी रोप-वे परियोजना को भी डीबीएफओटी प्रारूप पर विकसित किया जाएगा, जिस पर कुल लागत 2,730.13 करोड़ रुपए आएगी।

वर्तमान में हेमकुंड साहिब की यात्रा गोविंदघाट से 21 किमी की चुनौतीपूर्ण चढ़ाई है और इसे पैदल या टट्टुओं या पालकियों द्वारा पूरा किया जाता है। प्रस्तावित रोप-वे की योजना हेमकुंड साहिब के दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों और फूलों की घाटी में आने वाले पर्यटकों को सुविधा प्रदान करने के लिए बनाई गई है, और यह गोविंदघाट तथा हेमकुंड साहिब जी के बीच सभी मौसम में कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा।

इसके साथ ही केंद्र सरकार ने पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी) के तहत सस्ती जेनरिक पशु दवाओं की आपूर्ति को भी मंजूरी दे दी है। पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी) पशुओं में होने वाले रोगों की रोकथाम और इलाज के लिए संचालित केंद्र सरकार की ▶10 पर

औरंगजेब की प्रशंसा करने का मसला तूल पकड़ रहा

सपा विधायक अबू आजमी विधानसभा सत्र से निलंबित

औरंगजेब को आदर्श मानने वाले को यूपी भेजिए इलाज करेंगे : योगी

मैंने अपना बयान वापस ले लिया, फिर भी विवाद क्यों : अबू आजमी

मुंबई, 05 मार्च (एजेंसियां)। औरंगजेब की प्रशंसा करने का मसला तूल पकड़ता जा रहा है। औरंगजेब की प्रशंसा के गीत गाने वाले समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा के मौजूदा सत्र से निलंबित कर दिया गया है। दूसरी तरफ, उत्तर प्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि औरंगजेब को आदर्श मानने वालों को यूपी भेज दीजिए, यहां ऐसे लोगों का बेहतर इलाज कर दिया जाएगा। महाराष्ट्र विधानसभा के मौजूदा सत्र से समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी को निलंबित करने के पूर्व उनके खिलाफ महाराष्ट्र के संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने सदन में प्रस्ताव पेश किया था। इस प्रस्ताव को सदन ने पारित कर दिया।

निलंबन के बाद सपा विधायक ने कहा कि सदन चलता रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए मैंने अपना बयान वापस लेने की बात कही थी। मैंने कुछ भी गलत नहीं कहा। फिर भी विवाद हो रहा है और सदन की कार्यवाही बाधित हो रही है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सदन चलता रहे और बजट सत्र के दौरान कुछ काम हो जाए। मैंने सदन में नहीं, बल्कि विधानसभा के बाहर दिया गया अपना बयान वापस लिया। फिर भी मुझे निलंबित कर दिया गया है।

इससे पहले अबू आसिम आजमी के मुगल बादशाह औरंगजेब की तारीफ वाले बयान का मुद्दा मंगलवार को महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों में छाया रहा था। सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति के सदस्यों ने आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा से निलंबित करने और उनके खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग की, जिसके बाद वह अपने बयान से पलट गए थे। ▶10 पर

औरंगजेब को आदर्श मानने वाले को यूपी भेजिए

लखनऊ, 05 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद को संबोधित करते हुए सपा पर जमकर हमले किए और कहा कि हमारे के लिए महाकुंभ गर्व का विषय है जबकि सपा के लोग औरंगजेब को नायक मानते हैं। सीएम योगी ने कहा कि जो लोग औरंगजेब को अपना आदर्श मानते हैं, उन्हें यूपी भेजिए, यहां उनका इलाज कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सपा के लोगों के लिए औरंगजेब गर्व का विषय है जिसने अपने पिता को कैद कर उन्हें पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसा दिया था। सपा का अपने विधायकों पर कोई नियंत्रण नहीं है। उन्होंने अबू आजमी का नाम लिए बिना कहा कि सपा को ऐसे विधायकों को पार्टी से निकाल देना चाहिए। सपा को उस नेता के बयान का खंडन करना चाहिए और पार्टी से निकाल देना चाहिए। नहीं तो उसे यहां बुलाइये। हम उसका इलाज कर देंगे। यूपी ऐसे लोगों का उपचार अच्छे से करता है। ये लोग महाकुंभ को कोसते हैं और औरंगजेब पर गर्व करते हैं। उसे यूपी भेज दीजिए हम इलाज कर देंगे। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी के बजट सत्र में विधान परिषद को संबोधित करते हुए महाकुंभ के आयोजन का वर्णन किया। ▶10 पर

फिर से खुल सकती है बोफोर्स घोटाले की जांच

सीबीआई ने माइकल हर्शमैन से मांगी जानकारी

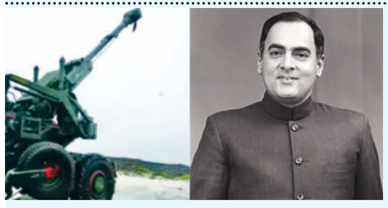

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसियां)। बोफोर्स रिश्वत कांड की जांच में नया मोड़ आ सकता है। सीबीआई ने अमेरिका के निजी जांचकर्ता माइकल हर्शमैन से बोफोरेस मामले में जानकारी मांगी है। इसे लेकर सीबीआई द्वारा अमेरिका को न्यायिक अनुरोध पत्र भी भेजा गया है। माइकल हर्शमैन ने बोफोर्स रिश्वत कांड के बारे में भारतीय जांच एजेंसियों के साथ महत्वपूर्ण जानकारी साझा करने की इच्छा व्यक्त की थी। फेयरफैक्स समूह के प्रमुख माइकल हर्शमैन साल 2017 में भारत दौरे पर आए थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया था। इन कार्यक्रमों में जब उनसे बोफोर्स रिश्वत कांड को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने दावा किया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने घोटाले की जांच को पटरी से उतार दिया था और उन्होंने सीबीआई के साथ बोफोर्स मामले से जुड़ी अहम जानकारी साझा करने की इच्छा जाहिर की थी।

माइकल हर्शमैन ने दावा किया था कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने उन्हें साल 1986 में विदेश में भारतीयों द्वारा मुद्रा नियंत्रण कानून के उल्लंघन और धन शोधन मामले की जांच के लिए नियुक्त किया था। इन मामलों में कुछ बोफोर्स सौदे से भी जुड़े थे। इनकी जांच के दौरान उन्हें अहम जानकारी मिली। ▶10 पर

15 किलो सोना के साथ फिल्म अभिनेत्री गिरफ्तार

अभिनेत्री के पिता पुलिस महानिदेशक स्तर के अफसर

बेंगलुरु, 05 मार्च (एजेंसियां)। कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव को राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने सोमवार रात बेंगलुरु के कैम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोने की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। दुबई से आई रान्या राव 14 किलो सोने के बार और 800 ग्राम सोने के आभूषणों को अपनी बेल्ट में छुपा कर ला रही थीं। रान्या राव कर्नाटक पुलिस के हाउसिंग कॉरपोरेशन महकमे के महानिदेशक के रामचंद्र राव की बेटी हैं। रान्या राव को मंगलवार शाम को एक जज के सामने पेश किया गया और 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जांचकर्ताओं को संदेह है कि वह सोने की तस्करी करने वाले एक गिरोह का हिस्सा हैं जो पिछले कुछ महीनों से बेंगलुरु हवाई अड्डे के माध्यम से सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

32 वर्षीय अभिनेत्री रान्या राव ने कुछ कन्नड़ फिल्मों में अभिनय किया है, जिसमें सुदीप अभिनीत माणिक्य और गणेश अभिनीत पटकी, साथ ही विक्रम प्रभु अभिनीत तमिल फिल्म वाघा शामिल हैं। रान्या अपनी लगातार विदेश यात्राओं के कारण डीआरआई के रडार पर आई थी। इस साल की शुरुआत से उन्होंने 10 से ज्यादा विदेश यात्राएं की हैं। ▶10 पर

एक करोड़ पांडुलिपियों को डिजिटल शक्ल दे रहा भारत

पीएम मोदी ने ज्ञान भारतम मिशन के बारे में बताया

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ज्ञान भारतम मिशन के माध्यम से भारत की समृद्ध पांडुलिपियों की विरासत को सहेजने का काम चल रहा है। इस मिशन के माध्यम से एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियों को डिजिटल फॉर्म में बदला जाएगा। इसके बाद एक नेशनल डिजिटल रिपॉजिटरी बनाई जाएगी, जिससे दुनिया भर के स्कॉलर्स और रिसर्चर्स भारत के ऐतिहासिक और पारंपरिक ज्ञान को जान सकें।

प्रधानमंत्री ने रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को गति देने के लिए कौशल विकास और इनोवेशन में निवेश करने को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे निकलने के लिए एआई, चिकित्सा शिक्षा, औद्योगिक प्रशिक्षण और शहरी नियोजन में बड़ा निवेश करना ही होगा। बुधवार को बजट वेबिनार में बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने जितनी प्राथमिकता आधारभूत ढांचे के विकास और उद्योगों को दी है, उतनी ही प्राथमिकता मानव विकास, अर्थव्यवस्था और नवाचार को भी दी है। उन्होंने कहा कि मानव संसाधन में निवेश का विज़न तीन स्तंभों पर खड़ा होता है और वह है शिक्षा, कौशल विकास और चिकित्सा। ▶10 पर

अब वायुसेना से 444 एकड़ भूमि छीनने की तैयारी

कांग्रेस शासित कर्नाटक सरकार की नजर वन भूमि पर

बेंगलुरु, 05 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार अब वायुसेना से 444 एकड़ भूमि छीनने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस शासित कर्नाटक सरकार की नजर उस वन भूमि पर है, जहां भारतीय वायुसेना की प्रशिक्षण और उड़ान गतिविधियां चलती हैं। वायुसेना ने इस वन भूमि पर घने जंगल लगा रखा है, जो पर्यावरण के लिए जरूरी है। लेकिन कर्नाटक सरकार इस जमीन को वापस लेना चाहती है, ताकि उस पर रियल एस्टेट और व्यवसायिक कार्यकलाप हो सकें और धन बटोरा जा सके।

कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने बुधवार को अधिकारियों को भारतीय वायुसेना से अपनी 444.12 एकड़ वन भूमि वापस लेने की प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। वन मंत्री ने निर्देश दिया कि वे नियमों के अनुसार बेंगलुरु के पीन्या बागान और जराकाबांदे आरक्षित वन क्षेत्र में भारतीय वायुसेना के पास मौजूद 444.12 एकड़ वन भूमि वापस लें। उन्होंने बताया कि साल 1987 में वायुसेना को 570 एकड़ जमीन आवंटित की थी।

साल 2017 में कर्नाटक सरकार ने वायुसेना की दी जमीन में से 452 एकड़ जमीन की मंजूरी रद्द कर दी थी और इस भूमि को वन भूमि के रूप में अधिसूचित कर दिया गया था। ▶10 पर

सराफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 88,680/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 98,690/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 35°

न्यूनतम : 21°

50 हजार जंगली प्रजातियां हमारी जरूरतें पूरी करती हैं

30 प्रतिशत जंगली प्रजातियां खत्म होने की कगार पर

हम जिस थाली में खाते हैं, उसमें ही छेद करते हैं

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसियां)। दुनियाभर में 50 हजार जंगली प्रजातियां अरबों लोगों की जरूरतें पूरी करती हैं। दुनिया का आधा से ज्यादा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) प्रकृति पर निर्भर है, पर जैव विविधता की क्षति वित्तीय स्थिरता के लिए बड़ा खतरा बन गई है। इंटरगवर्नमेंटल साइंस-पॉलिसी प्लेटफॉर्म ऑन बायोडायवर्सिटी एंड इकोसिस्टम सर्विसेज (आईपीबीईएस) की रिपोर्ट के मुताबिक केवल वनों में 60,000 वृक्ष प्रजातियां, 80 फीसदी उभयचर प्रजातियां और 75 फीसदी पक्षी प्रजातियां पाई जाती हैं जो 1.6 अरब से अधिक लोगों को भोजन, दवा और

आय के रूप में प्राकृतिक पूंजी प्रदान करती हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार फिलहाल दुनिया भर में लगभग दस लाख प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है, क्योंकि जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। इंसानी गतिविधियों की वजह से हो रहे जलवायु परिवर्तन के कारण धरती का तापमान पूर्व-औद्योगिक काल की तुलना में सदी के अंत तक 2.7 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। इस वजह से विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुकी प्रजातियों के लिए 10 गुना खतरा बढ़ जाएगा। ▶10 पर

हिंद महासागर का नाइट्रोजन प्रदूषण जलीय जीवों के लिए खतरा

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसियां)। शोधकर्ताओं ने कंप्यूटर मॉडलिंग और उपग्रह चित्रों की मदद से नाइट्रोजन जमाव और महासागर के तापमान बढ़ने के प्रभाव का विश्लेषण किया। पता चला है कि प्रारंभिक फाइटोप्लैंकटन (समुद्री शैवाल) और जूप्लैंकटन (समुद्री के सूक्ष्म प्राणी, प्लवक और सूक्ष्म समुद्री जीव) की उत्पादकता के कुछ स्थानों पर तेजी से वृद्धि हुई, वहीं कुछ क्षेत्रों में पोषक तत्वों की कमी देखी गई। 1980 के बाद से भारत में मानवीय गतिविधियों के कारण नाइट्रोजन प्रदूषण की मात्रा दोगुनी हो चुकी है। इसके अलावा बांग्लादेश और म्यांमार के तटीय क्षेत्रों में भी नाइट्रोजन जमाव में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

राजस्थान परिषद का होली गोठ का आयोजन

चंग, नृत्य, गायन जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों से कलाकारों ने राजस्थानी संस्कृति की छटा बिखेरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान परिषद द्वारा होली गोठ 2025 कार्यक्रम का आयोजन वी–लेगेसी कन्वेंशन हॉल में आयोजित किया गया। जिसमें चंग, नृत्य, गायन जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों से कलाकारों ने राजस्थानी संस्कृति की छटा बिखेरी।

कार्यक्रम की शुरुआत महिला विंग के मंगलाचरण और गणेश वंदना से हुई। दीप प्रज्वलन परिषद् अध्यक्ष संजय बैद, परामर्शक मंडल एवं प्रायोजकों ने किया। अध्यक्ष संजय बैद ने कार्यक्रम के औपचारिक शुभारंभ की घोषणा करते हुए सभी का स्वागत किया। उन्होंने राजस्थान परिषद् द्वारा संस्कृति संवर्धन एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए परिषद् द्वारा निकट भविष्य में स्वस्थ समाज की सोच के साथ एक वृहद हेल्थ कैंप करवाए जाने की घो–षणा की। कार्यक्रम संयोजक राजेश भंसाली ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए होली गोठ टीम द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की। परिषद् द्वारा कार्यक्रम के प्रायोजक शायर हीरालाल मालू, उम्मेदसिंह जय पटावरी और हनुमानमल विक्रम श्रीमाल का पारम्परिक राजस्थानी अंदाज में स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। रंगारंग कार्यक्रम से पूर्व सभी ने राष्ट्रगान का संगान किया। रंगारंग

कार्यक्रम की शुरुआत रंगरसिया ग्रुप द्वारा चंग धमाल से हुई। राजस्थानी होली गीतों के साथ चंग की थाप ने सभी दर्शकों का मनमोह लिया। कार्यक्रम के अगले चरण में राजस्थान के प्रसिद्ध गायक कलाकार दिलबर हुसैन एवं टीम ने राजस्थानी संस्कृति के गीतों एवं नृत्य द्वारा ऐसा समां बांधा की दर्शक भावविभोर हो गए। कार्यक्रम में वीरू नागोरी ने पारंपरिक भवाई नृत्य सहित नृत्य प्रस्तुतियां दी जो विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इन प्रस्तुतियों ने ना केवल दर्शकों को लुभाया अपितु उन्हें भी थिरकने पर भी मजबूर कर दिया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में समयबद्ध उपस्थिति दर्ज करवाने वाले सदस्यों के लिए लक्की ड्रॉ का आयोजन किया गया, जिसमें 10 विजेत–ाओं को उपहार भेंट किए गए। कार्यक्रम के शानदार आयोजन में सांस्कृतिक कमेटी चेयरमैन राकेश छाजेड़ और होली गोठ संयोजक राजेश भंसाली के नेतृत्व में 50 से अधिक कार्यकर्ताओं का अथक श्रम नियोजित हुआ।

होली गोठ के इस कार्यक्रम में परिषद् पूर्वाध्यक्ष, परामर्शक मंडल, कार्यसमिति सदस्यों सहित लगभग 5 घंटे के इस रंगारंग कार्यक्रम में राजस्थान के थली प्रांत के 2000 से अधिक लोगों की सहभागिता रही। कार्यक्रम का सफल संचालन महिला विंग संयोजिका रुचिका पटावरी ने किया। आभार ज्ञापन परिषद् मंत्री रजत बैद ने व्यक्त किया।

नव्हाणिका सह पंचकल्याणक महामहोत्सव को लेकर विभिन्न समितियों का गठन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक ट्रस्ट शंकरपुरम बेंगलूरु के तत्वावधान में मरुधर रत्न आचार्य श्री रत्नाकर सूरीश्वरजी एवं श्रुतोपासक आचार्य श्री रत्नसंचय सूरीश्वर जी की पावनिय निश्रा में श्री केसरिया आदिनाथ जिनालय की अंजनशलाका प्रतिष्ठा निमित्त भव्य नव्हाणिका सह पंचकल्याणक महामहोत्सव, जो 9 मार्च से 17 मार्च तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया जाएगा, के तहत ट्रस्ट के पारस भंडारी, भेरूमल भंडारी एवं मुकेश पुनमिया के नेतृत्व में भोजन समिति की बैठक मराठा हॉस्टल भरत चक्रवती भोजन मंडप में आयोजित की गई। पारस भंडारी ने सभी सेवाभावी सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए बताया सुबह नास्ता, दोपहर भोजन, शाम भोजन, जूस, छाछ, चाय, दूध एवं कॉफी शाही करबा आदि राशन खरीद से लेकर भोजन तैयार करवाने तक सम्पूर्ण व्यवस्था आप सभी को संभालनी है। जानकारी देते हुए भोजन की सम्पूर्ण व्यवस्थाओं के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। कैलाश संखलेचा ने बताया कि महेंद्रकुमार रांका, महावीर मेहता, सुरेन्द्र रांका, रमेश सोनगरा, रमेश कोठारी, संतोष चौहान, महावीर श्रीश्रीमाल, प्रवीण पोरवाल, अनिल वेद, अनिल सकलेचा, धनपत मेहता, गजेंद्र चंदावत, सुरेश पिरगल, प्रकाश लुनावत, गौतम जीरावला, गौतम मुथा, गौतम भंडारी, किशोर पोरवाल, महेन्द्र छाजेड़, मंगलचंद नहार, नरेश बांठिया, प्रदीप मेहता, राजेश विनायकिया, महावीर पारेख, शांतिलाल रांका, सुनील मोदी, उत्तम सालेचा, विनोद भंडारी, विनोद करण मेहता, वीरचंद चोपड़ा, प्रवीण हिंगड़, अशोक संचेती आदि भोजन समिति में अपनी अमूल्य सेवा देंगे। इस के साथ ही पंडाल व अन्य व्यवस्थाओं में अध्यक्ष मनोज बाफना के नेतृत्व में श्री अखिल भारतीय मूर्तिपूजक युवक महा से जुड़े बेंगलूरु के सभी मंडल अपनी सेवाएं देंगे। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

हमारे राम नाट्य कार्यक्रम का आयोजन रविवार को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एकल विद्यालय अभियान के अंतर्गत कर्नाटक के लगभग 2000 गांवों में विद्यालय चलाने हेतु धन संग्रह के उद्देश्य से वनबंधु परिषद के बेंगलूरु व बेंगलूरु महिला चैप्टर द्वारा संयुक्त रूप से आगामी रविवार को 'हमारे राम' नाट्य कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम व्यवस्था संयोजक वैभव गुप्ता ने बताया कि भगवान राम और विद्वान रावण के जीवन की कई अनसुनी कहानियों का बहुत ही सुन्दर मंचन 'हमारे राम' नाट्य कार्यक्रम में किया जाएगा। तीन घंटे के नाट्य मंचन कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रसिद्ध बॉलीवुड स्टार राहुल भूचर राम की भूमिका में और रावण की भूमिका में आशुतोष राणा सहित कई अन्य कलाकार अपनी टीम के साथ मौजूद होंगे। मैसूरु बैंक सर्किल स्थित ज्ञान ज्योति ऑडिटोरियम में होने वाले इस कार्यक्रम की सुचार व्यवस्था के समन्वय के लिए चैप्टर सचिव सुरेश पारीक ने महिला और एकल युवा की सभी सहयोगी समितियों के साथ बैठक आयोजित कर इस आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में चैप्टर अध्यक्ष हाथीमल बैद, संरक्षक सुरेंद गोयल, कार्यकारी अध्यक्ष सचिन पांडिया, साउथ जोन अध्यक्ष रमेश अग्रवाला, महिला चैप्टर अध्यक्ष मधु अग्रवाल, सविता अग्रवाल, सीता गोयल, सुचिता अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, बीना अग्रवाल, सरिता भंसाली, पवन राज–लीवाल, प्रीतेश बुरड़, रचना डालमिया, उत्तम बागरेचा सहित सभी सदस्यों ने बड़े ही उत्साह से कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया।

खाटू श्याम के लखी मेले पर चढ़ाए 101 निशान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। फाल्गुन मास में खाटू धाम राजस्थान में लगने वाले लखी मेले के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्याम मन्दिर ट्रस्ट बेंगलूरु के तत्वावधान में बुधवार को प्रातः जयपुर रोड रींगस से गाजे बाजे के साथ विशाल पैदल निशान यात्रा शुरू हुई। ढोल नगाड़ों की धुन पर नाचते गाते जय श्री श्याम के जयकारे लगाते हुए खाटू धाम पहुंच कर बाबा श्याम को 101 भक्तों ने निशान चढ़ाए। पूरे रास्ते में श्याम भक्त श्याम रंग में रंगे हुए थे। वहीं आस्था के साथ भक्ति सैलाब उमड़ा हुआ था। लाखों की संख्या में दूर दूर से बाबा श्याम के दर्शन के लिए भक्त खाटू धाम पहुंच रहे हैं। लखी मेला 11 मार्च तक रहेगा। इस निशान यात्रा में श्याम मन्दिर ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य रेवंत मल झँवर, सुशील राणासरिया, प्रभात किशपुरिया के साथ मनोज केडिया सहित बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए। इस मौके पर चांदी व कपड़े के निशान अर्पित कर भक्तों ने धोक लगाई।

आचार्य भगवंतों से जन्म कल्याणक महोत्सव में शामिल होने की विनती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने आचार्य अभयशेखरसुरीश्वरजी के दर्शन सेवा का लाभ लिया।

इस अवसर पर आचार्य भगवंत ने भविष्य की चिंता जताते हुए समाज के मन्दिर, तीर्थ स्थान, स्थानक, सभा भवन आदि की सुरक्षा हेतु जागृत रहने का उपदेश दिया। आचार्यदेव वर्धमानसागरसूरीश्वर ने नवकार जाप की आराधना ज्यादा से ज्यादा करने की प्रेरणा दी।

साथ ही स्वास्थ्य लाभ ले रहे गुरु भगवंतों के लिये विशेष व्यवस्था का सुझाव दिया।

सभी ने गुरु भगवंत आदि के दर्शन कर आगामी श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव में शामिल होने का निवेदन किया। जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत के नेतृत्व में मंत्री नीरज कटारिया, उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, पूर्व अध्यक्ष दिनेश खींवेसरा, पूर्व सहमंत्री विपुल पोरवाल, साधु साध्वी सेवा समिति चेयरमैन कपिल काल्या, सह चेयरमैन अर्चित पारेख, कमलेश कोठरिया, भोजन वितरण समिति चेयरमैन आशीष तालेड़ा, रितेश धोखा, वैभव गोठी आदि सदस्य उपस्थित थे।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ श्री स्नेहा जीवी गेल्लेयर बल्लगा केंपापुरा अग्रहरा द्वारा बेंगलूरु नगर देवता श्री अन्नम्मा देवी वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

पता डायरेक्टरी का हुआ भव्य विमोचन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा राष्ट्रीय प्रोजेक्ट कनेक्ट के तहत नेटवर्किंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार की गई एड्रेस डायरेक्टरी का सफल संकलन एवं विमोचन संपन्न हुआ। जीतो कार्यालय, राजाजीनगर में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी का स्वागत किया और डायरेक्टरी वितरण की प्रक्रिया को संपन्न कराई। पूर्व अध्यक्ष निशा सामर ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि महानगर की व्यस्त जीवनशैली हमें एक–दूसरे से दूर कर रही है, और ऐसे में यह एड्रेस डायरेक्टरी आपसी संपर्क को बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर प्रायोजक सरिता श्रीपाल खींवेसरा ने कहा कि जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ अपने सदस्यों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और निरंतर प्रगति की ओर बढ़ रही है। पूर्व अध्यक्ष बिंदु रायसोनी ने भी इस पहल की सराहना की और कहा कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय सदस्य इस डायरेक्टरी के माध्यम से आपस में बेहतर समन्वय स्थापित कर सकेंगे। कार्यक्रम में प्रायोजक अर्चना दिलीप सुराणा, किरण सुमन रांका, सरस्वती बाई सियाल, अनीता पिरगल, इंदरचंद बोहरा, सुधीर गादिया सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र से हुई, जिसमें उषा मुथा, रक्षा मांडोत, मीना बड़ेरा, संगीता नागोरी, स्वीटी नाहर, सारिका जैन, अल्का लोढ़ा, नंदा बाफना, प्रिया चोपड़ा समेत कई सदस्य उपस्थित थे। इस आयोजन को सभी ने एक सराहनीय एवं प्रगतिशील कदम बताया, जो संगठन के विकास में सहायक सिद्ध होगा।

कांग्रेस सरकार गारंटी के नाम पर सत्ता में आई: जेडीएस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर, जो गारंटी के नाम पर सत्ता में आई है, शासन करने के लिए पैसा न होने के बावजूद स्थायी रूप से कीमतें बढ़ाने का आरोप लगाया है। इस संबंध में जेडीएस ने एक्स पर पोस्ट कर सरकार की आलोचना की है कि उसने बिजली मूल्य वृद्धि के झटके से पहले बिजली स्मार्ट मीटर की दरों में 400 प्रतिशत से 800 प्रतिशत की वृद्धि की है, जिससे राज्य के लोगों को हाई–वोल्टेज झटका लगा है। 980 एकल–चरण स्मार्ट मीटर, जो एक साध–ारण मीटर था, के लिए जीएसटी अब 4,998 रुपये है। एसपी–2 मीटर, जो 2450 रुपये में उपलब्ध था, अब स्टार्ट मीटर के रूप में 8,880 रुपये में उपलब्ध है।

एसपी–3 (3–फेज) मीटर, जिसकी कीमत 3,450 रुपये थी, अब 28,080 रुपये हो गई है। नया स्टार्ट मीटर नियमित मीटर की तुलना में अधिक महंगा है, और सरकार ने एक नया झटका जारी किया है, जो 1 अप्रैल से प्रभावी होगा। जेडीएस ने सरकार पर जनविरोधी होने और कीमतें बढ़ाकर राज्य के लोगों का शोषण करने का आरोप लगाया है।

महिला ने अपने 3 बच्चों को डुबोकर आत्महत्या की

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के रायबाग तालुक के चिंचली गांव की एक महिला ने घर में अलग–अलग मुद्दों के कारण उत्पीड़न सहन नहीं कर पाने के कारण बुधवार को कृष्णा नदी में अपने तीन बच्चों को डुबोकर हत्या कर दी और फिर खुद भी नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली। यह घटना रायबाग तालुक के चिंचली गांव में हुई। मृतकों की पहचान शारदा ढाले (38), उनकी बेटियों अनुषा (10), अमृता (14) और उनके बेटे आदर्श (8) के रूप में हुई है। अग्निशमन और आपातकालीन सेवा के कर्मचारी मृतकों के शवों की तलाश कर रहे हैं और कुडुची पुलिस मौके पर पहुंच गई है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

ठेकेदारों को चरणबद्ध तरीके से पैसा जारी किया जाएगा: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने विधान परिषद को बताया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के साथ चर्चा के बाद लंबित ठेकेदारों की धनराशि चरणबद्ध तरीके से जारी की जाएगी। जेडीएस के टी.ए. सरवण के प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा ठेकेदारों को कुल 9,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाना चाहिए। ठेकेदारों ने धनराशि जारी करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से मुलाकात कर चर्चा की है। इतनी बड़ी राशि एक साथ जारी करना संभव नहीं है। उन्होंने वादा किया कि बकाया राशि चरणबद्ध तरीके से जारी की जाएगी। हमने वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक भी कर ली है। पिछली सरकार को उच्च बकाया राशि की समस्या का सामना करना पड़ा था। हालांकि, उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्राथमिकता के आधार पर बकाया राशि का भुगतान करेगी। इससे पहले बोलते हुए सदस्य सरवण ने कहा कि समय पर भुगतान न होने के कारण ठेकेदार आत्महत्या करने की स्थिति तक पहुंच गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि किसान जहर पी रहे हैं। उन्होंने मांग की कि अगर सरकार में थोड़ी भी मानवता है तो उसे सबसे पहले पैसा जारी करना चाहिए।

फंड के दुरुपयोग के खिलाफ प्रदर्शन

दलित-विरोधी कांग्रेस सरकार को सबक सिखाने की जरूरत: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा हम यहां भ्रष्ट और दुष्ट सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को चेतावनी देने के लिए एकत्र हुए हैं, जिसने गारंटियों को ठीक से लागू करने में विफल होकर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिए आवंटित धन का दुरुपयोग किया है। वह बुधवार को शहर के फ्रीडम पार्क में दलित विरोधी राज्य कांग्रेस सरकार द्वारा 'एससीपी-टीएसपी फंड के दुरुपयोग' के खिलाफ आयोजित विशाल विरोध सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा दुष्ट, दलित विरोधी कांग्रेस सरकार को सबक सिखाने की जरूरत है। उन्होंने सभी से हमारे संघर्ष को जारी रखने के लिए हाथ मिलाने का आह्वान किया। गुरुवार सुबह इसी स्थान पर एक बड़ा युद्ध होगा। सभी से भाग लेने का अनुरोध किया गया। भाजपा सरकारों ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के धन का दुरुपयोग नहीं किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा लगातार इस दलित विरोधी कांग्रेस सरकार के खिलाफ लड़ती रही है। भाजपा हमेशा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्गों के पक्ष में रही है। राज्य की अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के धन का दुरुपयोग करने वाली दुष्ट कांग्रेस सरकार के खिलाफ 14 टीमें बनाकर एक जन आंदोलन खड़ा किया गया है।

उन्होंने बताया कि चुनाव से पहले कांग्रेस अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों सहित सभी को न्याय और विकास प्रदान करने का वादा करके सत्ता में आई थी। लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं किया जा रहा है। भाजपा को बीबीएमपी में अपने दम पर सत्ता में आने की जरूरत है। आगामी बीबीएमपी, जिला पंचायत और तालुक पंचायत चुनाव कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरेंगे। उन्होंने विश्वास के साथ कहा कि हम सब मिलकर मजदूर चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। विपक्षी नेता आर. अशोक ने कहा सरकार के पास पैसा नहीं है, चूंकि खजाना खाली है, इसलिए दलितों के उत्थान के लिए निर्धारित धन का उपयोग गारंटी के लिए किया जा रहा है। सिद्धरामैया ने राज्य को भीख मांगने की स्थिति में ला दिया है। सिद्धरामैया कर्ज के मुद्दे पर भी चैम्पियन हैं। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर सभी निगमों और टांडा विकास निगमों को न्यूनतम राशि देने का आरोप लगाया। कांग्रेस पार्टी ऐसी स्थिति में है कि वह न तो सिर उठा सकती है और न ही पीछे मुड़ सकती है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि भाजपा ने दलितों के धन के दुरुपयोग के खिलाफ राज्यव्यापी जन आंदोलन शुरू किया है। उन्होंने कहा कि इसका कारण भाजपा की दलित हितैषी सोच और दलित हितैषी योजनाएं हैं। हमारे पार्टी अध्यक्ष विजयेंद्र ने इस मामले पर गहन विचार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इससे ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि कांग्रेस पार्टी इससे मुंह नहीं मोड़ सकती। ऐसा लग रहा है कि पार्षद चुनाव नजदीक है। ऐसी संभावना है कि अदालती आदेश के कारण चुनाव कराए जाएंगे। हमें लोगों से मिलना होगा, घर-घर जाना होगा और उन्हें प्रेरित करना होगा। उन्होंने अपील की कि हमें भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह लड़ाई जीती जाएगी। इस मौके पर पूर्व डीसीएम डॉ. अश्वथ नारायण, विधायक एसआर विश्वनाथ, बिरथी बसवराज, उदय गरुड़ाचार, रघु, सीमेंट मंजू, भागीरथी, पूर्व विधायक हलप्पा, सेल समन्वयक दत्तात्री, नेता तमेश गौड़ा, शरणु तारिकेरी, उमेश शेट्टी, रवींद्र और पार्टी नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

मेंगलूरु में लापता छात्र की तलाश के लिए 7 पुलिस टीमें गठित: शिक्षा मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री मधु बंगारप्पा ने विधानसभा में बताया कि मेंगलूरु के एक निजी कॉलेज से एक छात्र के लापता होने के बाद उसकी तलाश के लिए जिला एसपी के नेतृत्व में 7 टीमें गठित की गई हैं। शून्यकाल के दौरान विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर द्वारा उठाए गए मामले का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि एक कॉलेज का दूसरा पीयूसी छात्र प्रवेश पत्र प्राप्त करने और मंदिर जाने के बाद लापता हो गया था।

रेलवे पटरियों के पास चप्पलें और एक मोबाइल फोन मिला। लेकिन शव अभी तक नहीं मिला है। वह 25 फरवरी को लापता हो गया था। उसने अपने मोबाइल फोन पर 16 अंकों का सुरक्षा कोड सेट कर रखा था। छात्र के परिवार, मित्रों और रिश्तेदारों के घरों सहित सभी स्थानों की जांच की गई है। टीम जानकारी प्राप्त कर रही है और परिवार को सूचित कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने उनके परिवार को विश्वास में लिया है और उन्हें ढूंढने के लिए प्रतिबद्ध है। रेलवे ट्रैक पर मोबाइल फोन और चप्पल मिलने के बाद ड्रोन कैमरे की मदद से रेलवे ट्रैक पर तलाशी ली गई।

लेकिन उसका शव अभी तक नहीं मिला है। इससे पहले बोलते हुए अध्यक्ष ने कहा कि छात्र के लापता होने की सभी कोणों से जांच की जानी चाहिए। भाजपा विधायक वी. सुनील कुमार ने कहा कि परंगीपेटे का एक छात्र लापता हो गया है और 8-10 दिनों से उसका पता नहीं चला है तथा परंगीपेटे को बंद कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि रेलवे ट्रैक पर एक छात्र की चप्पलें मिलीं, जो खून से सनी हुई थीं।

इस छात्र का पता लगाना तत्काल आवश्यक है। उन्होंने सुझाव दिया कि एक विशेष बल का गठन किया जाना चाहिए। भाजपा विधायक उमानाथ ए कोटियन ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक क्वालिस गाड़ी रेलवे ट्रैक के पास घूम रही है।

मुसलमानों को लुभाने की कोशिश कर रही कांग्रेस सरकार: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार अन्य समुदायों को आर्थिक ताकत देने और उन्हें आगे लाने में सक्षम नहीं है। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि मुसलमानों को लुभाने की कोशिश कर रही कांग्रेस सरकार बाकी सभी के साथ अन्याय करने की कोशिश कर रही है।

यदि सिद्धरामैया वास्तव में एक गैर-पक्षपाती नेता होते, तो अब तक कई पिछड़े समुदाय आर्थिक रूप से सशक्त हो चुके होते। उन्होंने कहा कि आपको कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए हाथ मिलाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि देश में कई कयाक समुदाय हैं, जिनमें माडीवाल और सविता समाज भी शामिल हैं। वे अल्पसंख्यकों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण पर निर्णय लेने जा रहे हैं। क्या अल्पसंख्यक का मतलब केवल मुसलमान है? क्या कोई और भी है? उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार की अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की नीति राज्य में आग लगा रही है। राज्य सरकार मुसलमानों को खुश करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता को स्वयं उन्हें सबक सिखाना होगा। वे अमीर हैं। उनकी त्वचा मोटी हो गई है। उन्हें इसकी परवाह नहीं है कि विपक्षी दल क्या कहते हैं। उन्होंने कहा हम सदन में इस निर्णय पर सवाल उठाएंगे। पिछले 20 महीनों से राज्य में कोई भी विकास कार्य शुरू नहीं हुआ है। कोई भी विधायक अपनी योग्यता के बावजूद अपने निर्वाचन क्षेत्र को विकास निधि उपलब्ध नहीं करा पाया है। सरकारी ठेकों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को आरक्षण दिया गया है। जो लोग जाति के नाम पर राजनीति कर रहे हैं, जिन्होंने ऐसा किया है, वे सिर्फ विधायक और पूर्व मंत्री ही रह गए हैं। उन्होंने सवाल का जवाब देते हुए कहा कि येदियुरप्पा जैसे नेता, जिन्होंने सभी समुदायों को विश्वास में लिया और सभी समाजों की आवाज बनकर लड़ाई लड़ी, चार बार मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री बन चुके हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 7 तारीख को तमिलनाडु से कर्नाटक पहुंचेंगे। बेंगलूरु में वह विश्वतीर्थ महास्वामीजी के अस्पताल के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेंगे। उन्होंने एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि वहां कोई राजनीतिक बैठक नहीं होगी।

ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण के गठन के लिए सिफारिशों वाली रिपोर्ट विधानसभा में की गई पेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु में प्रशासनिक सुधार के लिए बीबीएमपी को अधिकतम 7 निगमों में विभाजित करने और ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण बनाने सहित कई महत्वपूर्ण सिफारिशों वाली एक रिपोर्ट बुधवार को विधानसभा में पेश की गई। शिवाजीनगर के विधायक रिजवान अरशद की अध्यक्षता में ग्रेटर बेंगलूरु प्रशासन विधेयक, 2024 की जांच और रिपोर्ट देने के लिए गठित कर्नाटक विधानसभा की संयुक्त छानबीन समिति की रिपोर्ट पेश की गई।

रिपोर्ट में की गई सिफारिशों के अनुसार, ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण अधिनियम को अधिसूचना के तुरंत बाद लागू किया जाएगा। यह सुझाव दिया गया है कि ग्रेटर बेंगलूरु में 7 से अधिक नगर निगम नहीं होने चाहिए। प्रत्येक नगर पालिका की न्यूनतम जनसंख्या 10 लाख होनी चाहिए। जनसंख्या घनत्व 5,15,000 प्रति किमी से कम नहीं होना चाहिए। स्थानीय प्रशासन से अधिकतम वार्षिक आय 300 करोड़ से अधिक होनी चाहिए। इसमें उल्लेख किया गया है कि गैर-कृषि गतिविधियों में रोजगार दर 50 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए। ग्रेटर बेंगलूरु में बेंगलूरु शहर और बेंगलूरु ग्रामीण क्षेत्र शामिल हो सकते हैं।

महानगर पालिकाओं में एक महापौर होगा जिसका कार्यकाल 5 वर्ष का होगा। सरकार को जनसंख्या के आधार पर वार्ड विभाजन तय करना चाहिए। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की सीमाओं के भीतर वार्ड सीमित होने चाहिए। यह सुझाव दिया गया है कि एक वार्ड को दो विधानसभा क्षेत्रों में विभाजित नहीं किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण का गठन किया जाएगा। इसके नीचे नगर निगम होंगे, जिनमें एक महापौर, आयुक्त और संयुक्त आयुक्त होंगे। स्थायी समितियां और वार्ड समितियां गठित की जाएंगी। बेंगलूरु शहरी विकास मंत्री ग्रेटर बेंगलूरु के उपाध्यक्ष होंगे।

राज्य मंत्रिमंडल का प्रतिनिधित्व करने वाला एक व्यक्ति पदेन सदस्य होगा। ग्रेटर बेंगलूरु के मुख्य आयुक्त सदस्य सचिव के रूप में काम करेंगे, जबकि नगर निगमों के महापौर, बीडीए, बीडब्ल्यूएसएसबी और निगमों के आयुक्त सदस्य होंगे। इसके अलावा, बीएमआरसीएल, बीईएससीओएम, ग्रेटर बेंगलूरु के अधिकार क्षेत्र में आने वाले राजस्व जिलों के उपायुक्त, एफडी, पुलिस आयुक्त, बीएमएलटीए के सीईओ, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन निगम के प्रबंध निदेशक, शहरी परियोजना के मुख्य योजना अधिकारी, ग्रेटर बेंगलूरु के मुख्य अभियंता, राज्य अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं के निदेशक ग्रेटर बेंगलूरु के सदस्य होंगे।

इसके अलावा, लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा, विधान परिषद के निर्वाचित सदस्य, बीएमआरसीएल, बेंगलूरु यातायात पुलिस, रेलवे अवसंरचना विकास, झील विकास और स्लम विकास सहित विभिन्न एजेंसियों के प्रमुख ग्रेटर बेंगलूरु के सदस्य होंगे। यह सुझाव दिया गया है कि प्राधिकरण के आयुक्तों का कार्यकाल वर्षों में निर्धारित किया जाए तथा प्राधिकरण की बैठक कम से कम महीने में एक बार होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त, वित्तीय समितियों सहित विभिन्न समितियों का कार्यान्वयन ग्रेटर बेंगलूरु क्षेत्र में किया जा रहा है। क्षेत्रीय समितियों और क्षेत्र सभाओं को समाप्त कर दिया जाना चाहिए। प्रत्येक नगर पालिका में वार्डों की संख्या 100 से अधिक तथा 200 से कम होनी चाहिए।

प्रत्येक उम्मीदवार को केवल एक ही वार्ड से चुनाव लड़ना होगा। यह सलाह दी गई है कि दो पक्षों में चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं है और मतदाता सूची में नाम नहीं बदला जा सकता है। राज्य सरकार को नगर निगम को भंग करने का अधिकार है। सुझाव दिया गया है कि ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण को मनोरंजन और मनोरंजक कार्यक्रमों पर उपकर समाप्त करने और कर लगाने के लिए एक कानून बनाना चाहिए, संपत्ति कर का भुगतान नहीं करने पर 2 साल के बाद संपत्ति जब्त करनी चाहिए और फिर एक साल के भीतर संपत्ति बेचने की कार्रवाई करनी चाहिए।

सिद्धरामैया ने कोप्पल डीसी-एसपी को औद्योगिक स्थापना की तैयारियां रोकने का दिया निर्देश

कोप्पल/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने राज्य के मुख्य सचिव और डीसी को कोप्पल के निकट बलदोटा स्टील एंड पावर लिमिटेड द्वारा स्टील फैक्ट्री की स्थापना की सभी तैयारियां रोकने का निर्देश दिया है। कोप्पल जिले के वर्तमान और पूर्व विधायकों और मंत्रियों सहित एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने बेंगलूरु में सिद्धरामैया से मुलाकात की और एक याचिका प्रस्तुत की जिसमें मांग की गई कि बीएसपएल शहर के पास एक औद्योगिक संयंत्र स्थापित न करे। इस संदर्भ में, सीएम ने सरकार के मुख्य सचिवों को निर्देश दिया कि वे मौके पर ही बैलोट्टा कंपनी द्वारा एक नया औद्योगिक संयंत्र स्थापित करने की तैयारी को तुरंत रोक दें। मुख्यमंत्री ने सरकार के मुख्य सचिवों को तैयार रिपोर्ट उन्हें सौंपने का निर्देश दिया है। यह भी पता चला है कि मुख्यमंत्री ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया है कि सरकार उद्योगों की स्थापना को रोकने के लिए सभी कदम उठाएगी।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के दौरे से पहले शिवराज थंगदागी के गृह कार्यालय में जिले के सभी दलों के निर्वाचित प्रतिनिधियों और राजनीतिक नेताओं की बैठक हुई और उसके बाद मंत्री शिवराज थंगदागी के नेतृत्व में उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को इस्पात कारखाने की स्थापना से लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव के बारे में जानकारी दी। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल सभी लोगों ने उन्हें इस्पात कारखाना न लगाने के लिए मनाने की कोशिश की। एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने डीसीएम डी.के.शिवकुमार और बड़े उद्योग मंत्री एम.बी.पाटिल को इस्पात कारखाना स्थापित न करने का अनुरोध भी सौंपा। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग कल्याण, कन्नड़ एवं संस्कृति तथा जिला प्रभारी मंत्री शिवराज थंगदागी, विधानसभा में विपक्ष के मुख्य सचेतक दोड्डनगौड़ा पाटिल, विधायक के. राघवेंद्र हितनाल, गली जनार्दन रेड्डी, विधान पार्षद हेमलता नायक, बसनगौड़ा बदरली, शरणेगौड़ा पाटिल बय्यापुरा, सांसद के. राजशेखर हितनाल, पूर्व सांसद सांगन्ना कराडी, शिवरामेगौड़ा, जेडीएस कोर कमेटी के सदस्य सी.वी. चंद्रशेखर, भाजपा राज्यसभा सदस्य डॉ. बसवराज, पूर्व विधायक परन्ना मुनवल्ली, के. शरणप्पा, करियान्ना संगति सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

केंद्र से अपेक्षित कर हिस्सा न मिलने से राज्य में विकास बाधित: कांग्रेस विधायक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस पार्टी की विधायक नयना मोटम्मा ने विधानसभा में कहा कि केंद्र सरकार से मिलने वाला कर हिस्सा राज्य को अपेक्षित स्तर पर नहीं मिलने के कारण विकास कार्य अपेक्षित स्तर पर नहीं हो रहे हैं। राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को जहां एक रुपया कर दिया जाता है, वहीं राज्य को 15 पैसे से भी कम कर मिल रहा है। केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार है। उन्होंने कहा कि अधिक धनराशि की मांग की जानी चाहिए। भाजपा को यह सुनिश्चित करने के लिए आवाज उठानी चाहिए कि केंद्र सरकार देश और लोगों के लाभ के लिए करों में से राज्य का हिस्सा दे। कन्नड़ और कन्नड़ समर्थक कार्यक्रमों के विकास पर अधिक जोर दिया गया है। लेकिन केंद्र सरकार तेजी से हिंदी थोप रही है। उन्होंने मांग की कि इसे रोका जाए। उन्होंने कहा कि अगले बजट तक राज्य की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन तक पहुंचने की संभावना है। विपक्षी दल राज्य गारंटी योजनाओं की आलोचना करते हैं। लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने स्वयं इसकी सराहना की है। पिछले 19 महीनों में गारंटी योजनाओं के माध्यम से 70 हजार करोड़ रुपये लाभार्थियों तक पहुंचा है। चिकमंगलूरु, कोडागु और धर्मस्थल में हवाई अड्डे के लिए भूमि की पहचान कर ली गई है। उन्होंने कहा कि इससे पर्यटन और विकास कार्यों को भी लाभ मिलेगा। भाजपा सदस्यों ने नयना मोटम्मा के इस आरोप के विरोध में आवाज उठाई कि केंद्र सरकार राज्य को दिए जाने वाले कर हिस्से में भेदभाव कर रही है और हिंदी को अधिक थोप रही है। फिर नयना मोटाम्मा ने भी अपनी बात रखी। इस अवसर पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिससे अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया।

शुभ लाभ DAILY

सिद्धरामैया से जुड़े मुडा मामले में

सीबीआई जांच रद्द करने के खिलाफ याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट का किया रुख

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय की खंडपीठ मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच के लिए याचिका को खारिज करने वाले एकल पीठ के आदेश को चुनौती देने वाली एक नई अपील की समीक्षा करने के लिए तैयार है, जिसमें कथित तौर पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया शामिल हैं। याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने मंगलवार को चल रहे बजट सत्र के दौरान अपील दायर की, जो सीएम सिद्धरामैया के लिए एक महत्वपूर्ण समय है, जो 7 मार्च को राज्य का बजट पेश करने वाले हैं।

अपील में एकल न्यायाधीश के 7 फरवरी के आदेश को पलटने की मांग की गई है, जिसमें सीबीआई जांच याचिका को खारिज कर दिया गया था। याचिका में उच्च न्यायालय से न्याय सुनिश्चित करने के लिए उचित राहत देने का अनुरोध किया गया है और अधिकार क्षेत्र

वाली अदालत के समक्ष लोकायुक्त की क्लोजर रिपोर्ट को चुनौती देने का अधिकार सुरक्षित रखा गया है।

मामले में केंद्र सरकार, कर्नाटक राज्य सरकार, सीबीआई अधिकारी, लोकायुक्त अधिकारी और स्थानीय पुलिस अधिकारियों को प्रतिवादी बनाया गया है। सिद्धरामैया को प्रतिवादी संख्या 9 के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, जबकि उनकी पत्नी बी एम पार्वती, साले मल्लिकार्जुनस्वामी और भूस्वामी डी देवराजू को क्रमशः प्रतिवादी संख्या 10, 11 और 12 के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। याचिका में यह भी बताया गया है कि मुडा घोटाले में सिद्धरामैया मुख्य आरोपी हैं, उसके बाद उनकी पत्नी, साले और देवराजू हैं।

कर्नाटक उच्च न्यायालय अधिनियम, 1961 की धारा 4 और उच्च न्यायालय रिट कार्यवाही नियम 1977 के नियम 27 के तहत दायर की गई अपील वसंत कुमारा एंड एसोसिएट्स, बेंगलूरु के माध्यम से प्रस्तुत की गई थी। अपील में दावा किया गया है कि एकल न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता द्वारा नहीं उठाए गए प्रश्नों को तैयार करने में गलती की और सिद्धरामैया द्वारा परिवार के सदस्यों और मुडा अधिकारियों की सहायता से व्यक्तिगत लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने का सुझाव देने वाले पर्याप्त सबूतों को स्वीकार करने में विफल रहे। इसमें आरोप लगाया गया है कि मुख्यमंत्री ने राज्य मशीनरी को प्रभावित किया, जिससे पक्षपातपूर्ण जांच हुई, जिससे जनता का विश्वास कम हुआ। याचिका में सिद्धरामैया द्वारा पद का दुरुपयोग करने के कथित इतिहास का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें बीएमआरसीआई में अनुबंध हासिल करने में अपने बेटे की मदद करना और अर्कावती लेआउट परियोजना के लिए अधिग्रहित भूमि को गैर-अधिसूचित करना शामिल है। खनन लाइसेंस देने के लिए नियमों का उल्लंघन करने के आरोपों का भी हवाला दिया गया है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि किसी भी जांच निकाय ने इन आरोपों की गहन जांच नहीं की है और सुझाव दिया है कि सिद्धरामैया के खिलाफ मामलों को बंद करना नौकरशाही पर उनके प्रभाव को दर्शाता है। याचिका में इस बात पर जोर दिया गया है कि उच्च न्यायालय की रिट अदालत ने पहले ही घटनाओं की श्रृंखला में अंतराल को नोट कर लिया था, जिसके लिए कम से कम जांच की आवश्यकता थी। याचिकाकर्ता का दावा है कि सिद्धरामैया की पत्नी के पक्ष में कथित रूप से मुआवजा स्थल प्रदान करना प्रथम दृष्टया अवैध प्रतीत होता है। पिछले फैसले में, न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना की अगुवाई वाली कर्नाटक उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ ने मुडा मामले में सीबीआई जांच की मांग करने वाली मूल याचिका को खारिज कर दिया था। अदालत ने 27 जनवरी को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था और 7 फरवरी को सीएम सिद्धरामैया को अस्थायी राहत देते हुए अपना फैसला सुनाया था। नई अपील से विवादास्पद मामले की नए सिरे से जांच शुरू हो गई है, जिससे बजट प्रस्तुति की तैयारी कर रहे मुख्यमंत्री पर दबाव बढ़ सकता है।

तटीय कर्नाटक में तापमान बढ़ने से प्री-मानसून बारिश की संभावना

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों में तय समय से पहले प्री-मानसून बारिश होने की संभावना है, क्योंकि तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

आमतौर पर, फरवरी में इस क्षेत्र में ठंडा मौसम आता है, लेकिन इस साल असामान्य रूप से गर्मी रही है। पिछले सप्ताह से, तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा है, और कई दिनों तक गर्म हवाएं चली हैं। आमतौर पर, प्री-मानसून बारिश मार्च के अंत या अप्रैल की शुरुआत में होने की उम्मीद होती है, लेकिन मौजूदा रुझान से पता चलता है कि वैश्विक जलवायु परिवर्तनों के कारण अगले दो सप्ताह के भीतर बारिश हो सकती है। चिलचिलाती गर्मी के कारण कुछ क्षेत्रों में बादल छाए हुए हैं, हाल ही में हल्की बारिश की सूचना मिली है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में अधिक स्थानीय बारिश की भविष्यवाणी की है, जो अधिकतम तापमान को कम करके कुछ राहत दे सकती है।

पिछले साल के प्री-मानसून सीजन (मार्च-मई) के दौरान, तटीय जिलों में बारिश में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई थी। दक्षिण कन्नड़ जिले में 386.9 मिमी बारिश हुई, जो औसत 243.5 मिमी से 60 प्रतिशत अधिक है। उडुपी में 51 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जहां सामान्य 200.8 मिमी की तुलना में 302.3 मिमी बारिश हुई। उत्तर कन्नड़ में भी 41 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जहां सामान्य 103 मिमी की तुलना में 144.9 मिमी बारिश हुई। कुल मिलाकर, तटीय क्षेत्र में 238 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो अपेक्षित मात्रा से 50 प्रतिशत अधिक है। यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, बेंगलूरु के मौसम वैज्ञानिक डॉ. राजेगौड़ा ने हाल के दिनों में तापमान में तेज वृद्धि देखी। उन्होंने कहा तीव्र गर्मी के कारण तेजी से बादल बन रहे हैं, जिससे एक सप्ताह के भीतर स्थानीय स्तर पर बारिश हो सकती है। यह बारिश तापमान को कम करने में भी मदद कर सकती है। जल्दी बारिश की संभावना के साथ, तटीय जिलों के निवासियों को जल्द ही भीषण गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है।

लोग शिवकुमार को उनके अहंकारी शब्दों के लिए उचित सबक सिखाएंगे: जेडीएस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस ने कहा है कि राज्य की जनता उन अहंकारी शब्दों को करारा सबक सिखाएगी जो तानाशाह की तरह डराते और धमकाते हैं, यह भूल जाते हैं कि वह उपमुख्यमंत्री हैं। इस संबंध में एक्स पर एक पोस्ट में जेडीएस ने उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पर सत्ता के अहंकार को सिर पर चढ़ाने का आरोप लगाया। पार्टी ने कहा भारतीय गठबंधन की सहयोगी कांग्रेस में तमिलनाडु की स्टालिन सरकार की मेकेडाटू परियोजना को लेकर आलोचना करने की हिम्मत नहीं है। लेकिन वह कन्नड़ फिल्म अभिनेताओं और अभिनेत्रियों को धमकाने का काम कर रहे हैं। क्या फिल्म उद्योग और उन कलाकारों के प्रति ईर्ष्या और घृणा रखना उचित है जो राज्य कांग्रेस सरकार और कांग्रेस पार्टी के इशारों पर नहीं नाचते? पार्टी ने कहा हमें कांग्रेस पार्टी का समर्थन क्यों करना चाहिए, जो तमिलनाडु

के साथ समायोजन की राजनीति कर रही है और राज्य के किसानों को नुकसान पहुंचा रही है? इससे पहले उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने अपना बचाव करते हुए कहा था कि उन्होंने कन्नड़ फिल्म उद्योग के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए ही नट-बोल्ट का मुद्दा उठाया था। विधान सौधा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि फिल्म उद्योग को दी गई चेतावनी के कारण उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। मुझे पता था कि मेरे बयान पर आलोचना, बहस और आलोचनात्मक प्रतिक्रियाएं होंगी। इसके लिए मुझे कोई आपत्ति नहीं है। यदि चर्चा होगी तो पता चल सकेगा कि गलती किसकी है। हमें सिनेमा के बिना भी जीने की ताकत है। उन्होंने रहस्यपूर्ण ढंग से कहा कि सिनेमा को सरकार और जनता की जरूरत है। मैं जानता हूं कि मैंने फिल्म उद्योग की कितनी मदद की है। यहां तक कि जिन लोगों को सहायता मिली है, वे भी इसके बारे में जानते हैं। जब बात भूमि, जल और भाषा की आती है तो फिल्म उद्योग को अपनी बात कहनी चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव हमारे लिए नहीं बना था। यह फिल्म उद्योग के विकास के लिए किया गया था। क्या हमें हर सुबह और शाम उनके कार्यक्रम का प्रचार करना चाहिए, बिना उनके स्वयं प्रचार किए? कुछ लोगों ने इस बात पर आपत्ति जताई है कि निमंत्रण पत्र नहीं आया है। उन्होंने कहा कि इस बात पर चर्चा होनी चाहिए, आलोचना होनी चाहिए और सुधार होना चाहिए कि कौन सही है और कौन गलत।

पुलिस के पीछा करने पर कुख्यात बदमाश ने सिलसिलेवार दुर्घटनाएं कीं

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। गरुड़ गैंग के एक कुख्यात बदमाश ने पुलिस से बचने की कोशिश में मणिपाल में कई दुर्घटनाएं कीं। बेंगलूरु की नेलमंगला पुलिस डकैती के एक मामले में उसका पीछा कर रही थी। भागने की कोशिश में उसने चार वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। बदमाश की पहचान गरुड़ गैंग के सदस्य इसहाक के रूप में हुई है।

कुख्यात अपराधी के भागने की कोशिश के दौरान मणिपाल में डीसी ऑफिस रोड पर पुलिस ने नाटकीय तरीके से उसका पीछा किया। नेलमंगला पुलिस इसहाक को एक आपराधिक मामले में शामिल होने के आरोप में पकड़ने पहुंची थी। उन्हें देखते ही उसने अपने वाहन से भागने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने उसका

तेजी से पीछा किया। पुलिस ने उसका लगातार पीछा किया और सहायता के लिए मणिपाल पुलिस को सूचित किया। तेजी से कार्रवाई करते हुए, मणिपाल के पुलिस निरीक्षक देवराज और उनकी टीम ऑपरेशन में शामिल हो गई। पीछा करने के दौरान इसहाक ने पकड़े जाने से बचने की कोशिश में चार कारों और एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। आखिरकार उसे मणिपाल में मन्नापल्ला के पास पकड़ लिया गया। उसके साथ वाहन में एक युवती भी मिली।

पुलिस सूत्रों से पता चला है कि उसे हिरासत में ले लिया गया है, लेकिन आधिकारिक पुष्टि का अभी इंतजार है। उसके साथ मौजूद महिला को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। मणिपाल और नेलमंगला पुलिस दोनों मामले की आगे की जांच कर रही हैं।

इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों में पीछा करने की घटना कैद हो गई है, जिसमें लापरवाही से गाड़ी चलाने और कई बार टक्कर मारने की बात सामने आई है। कार्रवाई के दौरान बेंगलूरु से आए दो पुलिस वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए उडुपी के पुलिस अधीक्षक डॉ. अरुण के ने कहा नेलमंगला पुलिस आरोपी का पता लगाने के लिए मणिपाल आई थी।

ऑपरेशन के दौरान, आरोपी ने अपनी गर्लफ्रेंड के साथ लापरवाही से गाड़ी चलाई और कई सार्वजनिक और पुलिस वाहनों को टक्कर मार दी।

वह मौके से भागने में सफल रहा और तकनीकी क्षति के कारण अपनी गाड़ी को छोड़ने से पहले कुछ दूर तक गाड़ी चलाता रहा। इसके बाद वह अपनी गर्लफ्रेंड के साथ भाग गया। मणिपाल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी फिलहाल फरार है, जबकि उसकी गर्लफ्रेंड पुलिस हिरासत में है और जांच जारी है। आरोपी का पता लगाने के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं।

विधानसभा की लाइव प्रसारण में

विपक्षी सदस्यों को दिखाने में विफल रहने पर अधिकारी निलंबित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा की कार्यवाही के लाइव प्रसारण को विपक्षी सदस्यों की कवरेज से हटाए जाने पर कड़ी आपत्ति जताए जाने के बाद एक अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। सदन की कार्यवाही के लाइव प्रसारण में विपक्षी सदस्य नहीं, केवल सत्ताधारी दल के सदस्य ही दिखाई दिए। भाजपा सदस्यों द्वारा इस पर कड़ी आपत्ति जताए जाने के बाद कार्यवाही लगभग 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। भोजनावकाश के बाद भी प्रसारण की एक क्लिप दिखाई गई, जिसमें दावा किया गया कि विपक्षी नेता का भाषण प्रसारित नहीं किया गया। इसे गंभीरता से लेते हुए स्पीकर यू.टी. खादर ने मामले की जांच करने और संबंधित नेताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का आदेश दिया। बाद में विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के.पाटिल ने संबंधित अधिकारी को निलंबित करने और कार्रवाई करने का वादा किया। इस पर भाजपा सदस्यों ने मांग की कि किसी कनिष्ठ कर्मचारी के बजाय वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाए। कुछ ही मिनटों बाद समस्या का समाधान हो गया और अब अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है।

मनुष्यों में बर्ड फ्लू दुर्लभ है, चिंता की कोई बात नहीं: गुंडू राव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने स्पष्ट किया है कि बर्ड फ्लू का मनुष्यों में फैलना दुर्लभ है और चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि हालांकि बर्ड फ्लू एक महामारी है, लेकिन इसका पक्षियों से मनुष्यों में फैलना दुर्लभ है। उन्होंने कहा इसलिए अनावश्यक चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य भर में बर्ड फ्लू के मामले सामने आने के मद्देनजर कुछ सावधानियां बरती जानी चाहिए। लोगों को अंडे और मांस का सेवन करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। अंडे और मांस को 70 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर पकाया जाना चाहिए। उन्होंने सावधानी बरतने और संक्रमित पोल्ट्री फार्मों, मृत पक्षियों या मुर्गियों के पास न जाने की सलाह दी।

20 लाख फर्जी निर्माण श्रमिक कार्ड रद्द: मंत्री संतोष

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्रम मंत्री संतोष लाड ने कहा कि श्रम कल्याण बोर्ड में 20 लाख फर्जी कार्ड रद्द कर दिए गए हैं। विधानसभा सत्र के दौरान हुब्बल्ली-धारवाड़ सेंट्रल निर्वाचन क्षेत्र के विधायक महेश तेंगिंकाई के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने कहा कि बोर्ड में 56 लाख लोग पंजीकृत हैं। घर-घर जाकर निरीक्षण के दौरान 26 लाख फर्जी कार्ड रद्द किये गये। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रमिकों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए हमारी सरकार में धन की कोई कमी नहीं है। विधायक अरगा ज्ञानेंद्र ने कहा कि श्रम विभाग में कर्मचारियों और अधिकारियों की कमी है। उन्होंने कहा कि मलनाड जैसे क्षेत्रों

में घर-घर जाकर निरीक्षण करना कठिन है। इस पर स्पष्टीकरण देते हुए मंत्री ने कहा कि इन्हें अंबेडकर सेवा केंद्र के रूप में खोला गया है। 43 वाहनों में अधिकारी और कर्मचारी घर-घर जाकर आवेदन करने वाले लाभार्थियों की प्रामाणिकता की जांच करेंगे। जो लोग इसके हकदार हैं, उन्हें लाभ से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हमारी सरकार की मंशा है कि अपात्रों को कोई सुविधा न मिले।

परिसीमन विवाद में कूदे एक्टर विजय दलपति

ये दक्षिणी राज्यों की अहमियत खत्म करने की कोशिश

चेन्नई/शुभ लाभ ब्यूरो। तमिलनाडु में परिसीमन को लेकर जारी विवाद में अब फिल्म अभिनेता और तमिल वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख विजय दलपति भी कूद गए हैं। विजय दलपति ने सोशल मीडिया पर इसे लेकर बयान जारी किया है। इस बयान में विजय ने लिखा है कि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होता है तो ये दक्षिणी राज्यों की राजनीतिक अहमियत कम करने की कोशिश होगी। गौरतलब है कि तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन इस मुद्दे पर खासे मुखर हैं और वे लगातार इस मुद्दे पर केंद्र के खिलाफ हमलावर हैं। अब फिल्म अभिनेता से राजनेता बने विजय दलपति ने भी परिसीमन के मुद्दे पर सीएम का समर्थन किया है। उन्होंने लिखा कि 'अगर केंद्र सरकार मनमाने तरीके से संसदीय सीटों का परिसीमन करती है तो इसे दक्षिणी राज्यों की राजनीतिक अहमियत कम करने के तौर पर देखा जाएगा।

उपभोक्ताओं पर बोझ डाले बिना दूध की कीमतें बढ़ाई जाएंगी: मंत्री वेंकटेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पशुपालन मंत्री वेंकटेश ने विधान परिषद को सूचित किया कि दूध के दाम बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से चर्चा कर किसानों और उपभोक्ताओं के लिए सुविधाजनक तरीके से जल्द से जल्द उचित निर्णय लिया जाएगा। सदस्य उमाश्री और एम.जी. बोध के एक प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि किसानों की ओर से दूध के दाम बढ़ाने की मांग की गई है। किसानों ने 10 रुपये प्रति लीटर वृद्धि के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। दुग्ध उत्पादक संघों ने भी इस पर सहमति जताई है। अंत में उन्होंने कहा कि किसानों और उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए वे मुख्यमंत्री से चर्चा कर जल्द से जल्द कार्रवाई करेंगे। राज्य में दूध उत्पादन पहले ही बढ़कर एक करोड़ लीटर प्रतिदिन हो गया है। पहले यह 95 लाख थी। अब यह एक करोड़ से अधिक हो गया है। उत्पादन लागत बढ़ रही है। इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, हम किसी पर बोझ डाले बिना दरों में संशोधन करेंगे। उन्होंने कहा कि इस बारे में वित्त विभाग के अधिकारियों से चर्चा की जानी चाहिए। इससे पहले, सदस्य उमाश्री और एम.जी. बोध ने मंत्री के ध्यान में लाया कि किसानों को दी जाने वाली दूध प्रोत्साहन राशि जारी

की जानी चाहिए। अभी तक किसानों का 665.07 करोड़ रुपये का भुगतान लंबित है। प्रोत्साहन प्रदान करने से किसानों को लाभ होगा। पिछले अक्टूबर से किसानों के खातों में प्रोत्साहन राशि नहीं पहुंची है। मंत्री ने पूछा कि इस मामले में किसानों को क्या करना चाहिए? इसका जवाब देते हुए, मंत्री वेंकटेश ने कहा कि दूध का उत्पादन दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। बजट में उत्पादन के अनुसार धनराशि आवंटित नहीं की गई है। पिछले बजट में मुख्यमंत्री ने 1300 से 1500 करोड़ रुपये अनुदान प्रदान किया था। केवल हमारी सरकार के कार्यकाल में ही प्रोत्साहन राशि बकाया नहीं है। पिछली भाजपा सरकार के दौरान भी दूध प्रोत्साहन को बरकरार रखा गया था। यदि उन्होंने सही तरीके से भुगतान किया होता तो इतनी बड़ी बकाया राशि नहीं होती। हमारी सरकार के सत्ता में आने के बाद, हमने चरणबद्ध तरीके से प्रोत्साहन राशि जारी की। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसानों को बकाया धनराशि यथाशीघ्र जारी कर दी जाएगी।

निजी अस्पताल अपनी दुकान से दवा खरीदने पर कर रहे मजबूर

सुप्रीम कोर्ट ने दिया अहम आदेश

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने निजी अस्पतालों को अपने ही फार्मेसी से दवा खरीजने पर रोगियों को मजबूर किए जाने को लेकर एक अहम आदेश दिया है। प्राइवेट अस्पतालों में मोटी फीस वसूलने का चलन जारी है। वहां पर अगर कोई मरीज एडमिट होता है तो मोटा बिल आना तय है। अब इसी परंपरा को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों से स्पष्ट नीति बनाने को कहा है। सर्वोच्च अदालत ने दो टूक कहा है कि मरीज का शोषण न हो, यह राज्य की जिम्मेदारी है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान इस बात को स्वीकार किया है कि कई बार निजी अस्पताल अपनी ही फार्मेसी से दवाईं खरीदने पर मजबूर किया जाता है, वहीं ट्रांसप्लांट के नाम भी मरीजों को लूटा जाता है। अब इन्हीं शिकायतों को ध्यान में रखते हुए कोर्ट ने सख्त निर्देश जारी करने को कहा है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया है कि जो भी नीति बने, उसमें बैलेंस रहना चाहिए। तर्क दिया गया है कि कई राज्य प्राइवेट अस्पताल पर निर्भर हैं, ऐसे में उनका निवेश ना रुक जाए, इसका भी ध्यान रखना होगा। अब जानकारी के लिए बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में यह अहम सुनवाई इसलिए हो पाई क्योंकि सिद्धार्थ डालमिया नाम के शख्स ने एक रिट पिटिशन दायर की थी। उसमें कहा गया था कि शख्स ने खुद निजी अस्पतालों का शोषण झेला है। जब उसके रिश्तेदार का प्राइवेट अस्पताल में इलाज हुआ था, बिल बहुत ज्यादा आया था।

वैसे कई रिपोर्ट इस बात की तस्दीक करती हैं कि निजी अस्पतालों में मरीजों का ज्यादा शोषण होता है। छडज के मुताबिक सरकारी अस्पाल में भर्ती होने का औसत खर्च 4452 रहता है, वहीं प्राइवेट में यही आंकड़ा 31854 रहता है।

कुछ मामलों में प्राइवेट और सरकारी अस्पतालों में खर्च का अंतर 200 फीसदी तक का हो जाता है। ऐसे में अब सुप्रीम कोर्ट का इसमें दखल देना मायने रखता है।

हिमंत सरकार का बड़ा फैसला

रतन टाटा के नाम पर होगी इलेक्ट्रॉनिक सिटी

गुवाहाटी, 05 मार्च (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने मंत्रिमंडल की बैठक में बड़ा फैसला लिया है। असम के विकास में रतन टाटा और टाटा समूह की भूमिका को मान्यता देने के लिए जगीरोड में इलेक्ट्रॉनिक सिटी का नाम रतन टाटा इलेक्ट्रॉनिक सिटी रखने का फैसला किया गया है। इस फैसले के बाद सीएम हिमंत ने कहा कि राज्य के विकास में स्वर्गीय रतन टाटा और टाटा समूह की जबरदस्त भूमिका और योगदान की मान्यता के रूप में, असम कैबिनेट ने जगीरोड में आगामी इलेक्ट्रॉनिक सिटी का नाम रतन टाटा इलेक्ट्रॉनिक सिटी, जगीरोड रखने का फैसला किया है।

कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करने के बाद उन्होंने कहा, आज हमने दो एमओयू को मंजूरी दे दी है, जिन पर असम में दो

विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए एडवांटेज असम 2.0 में हस्ताक्षर किए गए थे। इनमें एक सिपाझार में और दूसरा तिनसुकिया में बनाया जाएगा। उन्होंने कहा, असम कैबिनेट ने आज कई विधेयकों को मंजूरी दे दी है, जिन्हें असम विधानसभा में पेश किया जाएगा। जिनमें कुछ नए विश्वविद्यालय जिनमें शिवस-ागर विश्वविद्यालय, उत्तरी लखीमपुर विश्वविद्यालय, नागांव विश्वविद्यालय, स्वाहिद कनकलता बरुआ राज्य विश्वविद्यालय, जगन्नाथ बरुआ विश्वविद्यालय, गुरुचरण विश्वविद्यालय और बोंगाईगांव विश्वविद्यालय शामिल हैं।

राज्य सरकार संशोधन विधेयक पेश करेगी ताकि कुलपति जल्द ही नियुक्त किए जा सकें। सीएम हिमंत ने कहा कि अब से असम में किसी भी निजी विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा मंजूरी की आवश्यकता होगी। उद्योगपति-परोपकारी रतन टाटा रतन टाटा का 9 अक्टूबर को 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह भारत में निजी क्षेत्र द्वारा प्रवर्तित सबसे बड़े परोपकारी ट्रस्टों में से दो, रतन टाटा ट्रस्ट और दोराबजी टाटा ट्रस्ट के अध्यक्ष थे। उन्हें 2008 में देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार, पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

गोधरा कांड के 14 गवाहों की सुरक्षा हटाई गई

अहमदाबाद, 05 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के बहुचर्चित गोधरा कांड के गवाहों की सुरक्षा हटा दी गई है। केंद्र सरकार ने यह फैसला गृह मंत्रालय की सिफारिश के बाद लिया है। कुल 14 गवाहों की सुरक्षा वापस ली गई है, जिन्हें पहले केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 150 जवानों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जा रही थी।

गृह मंत्रालय ने इस निर्णय के लिए विशेष जांच टीम (एसआईटी) की रिपोर्ट को आधार बनाया है। एसआईटी ने 10 नवंबर 2023 को अपनी सिफारिशी रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें गवाहों की सुरक्षा हटाने का सुझाव दिया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है।

जिन 14 गवाहों की सुरक्षा हटी है, उनमें हबीब रसूल सय्यद, अमीनाबेन हबीब रसूल सय्यद, अकीलाबेन यासीनमिन, सैय्यद यूसुफ भाई, अब्दुलभाई मरियम अप्पा, याकूब भाई, रजकभाई अख्तर हुसैन, नजीमभाई सत्तार भाई, माजिदभाई शेख यानुश महामद, हाजी मयुद्दीन, समसुद्दीन फरीदाबानू, समदुद्दीन मुस्तफा इस्माइल, मदीनाबीबी मुस्तफा और भाईलालभाई चंदूभाई राठवा शामिल हैं।

गुजरात के गोधरा कांड को 23 साल बीत चुके हैं। फरवरी 2002 में साबरमती एक्सप्रेस के एक डिब्बे में आग लगाए जाने के बाद 59 कार सेवकों की मौत हो गई थी जिससे देशभर में सांप्रदायिक दंगे भड़क उठे। इसकी कहानी यह है कि 27 फरवरी 2002 की सुबह साबरमती एक्सप्रेस के कोच ड-6 में आग लगा दी गई और उस कोच में यात्रा कर रहे 59 यात्रियों की जलकर मौत हो गई। ट्रेन तभी गुजरात के गोधरा स्टेशन पर आ चुकी थी। पीड़ितों में 27 महिलाएं और 10 बच्चे शामिल हैं। ट्रेन में सवार अन्य 48 यात्रियों को चोटें आईं।

गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने मामले में एक जांच आयोग का गठन किया था।

आयोग में न्यायमूर्ति जी टी नानावटी और न्यायमूर्ति केजी शाह शामिल थे। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मारे गए 59 लोगों में से ज्यादातर कार सेवक थे जो उत्तर प्रदेश के अयोध्या से लौट रहे थे। साबरमती एक्सप्रेस ने मुजफ्फरपुर से अपनी यात्रा शुरू की थी और अहमदाबाद जा रही थी। विश्व हिंदू परिषद के आह्वान पर पूर्णाहुति महायज्ञ में शामिल होने गए कम से कम 2,000 कार सेवक अयोध्या से ट्रेन में सवार हुए थे. यह यज्ञ राम मंदिर निर्माण कार्यक्रम का हिस्सा था।

ट्रेन जलाने की घटना के कुछ ही घंटों के भीतर राज्य भर में हिंसक दंगे भड़क उठे। दंगे 2 फरवरी की शाम को भड़के और पूरे राज्य में 2-3 महीने तक जारी रहे।

2005 में केंद्र ने राज्यसभा को सूचित किया कि दंगों में 254 हिंदुओं और 790 मुसलमानों की जान चली गई। कुल 223 लोग लापता बताए गए। हजारों लोग बेघर भी हो गए।

तीन जुलाई से शुरू होगा बाबा बर्फानी की यात्रा

जम्मू, 05 मार्च (एजेंसियां)। पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर की 38 दिवसीय वार्षिक तीर्थ यात्रा तीन जुलाई से शुरू होगी। रक्षाबंधन के दिन नौ अगस्त को इसका समापन होगा। श्राइन बोर्ड के प्रवक्ता ने बताया कि दक्षिण कश्मीर में 3,880 मीटर ऊंचे पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर की 38 दिवसीय वार्षिक तीर्थ यात्रा तीन जुलाई से शुरू होगी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) की 48वीं बोर्ड बैठक में इसका निर्णय लिया गया। प्रवक्ता ने बताया, इस साल यात्रा तीन जुलाई को दोनों मार्गों-अनंतनाग जिले में पहलगाम ट्रैक और गंदेरबल जिले में बालटाल से एक साथ शुरू होगी और रक्षाबंधन के दिन नौ अगस्त को इसका समापन होगा।

उन्होंने बताया कि बैठक में तीर्थ बोर्ड के सदस्यों ने भाग लिया, जिन्होंने श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं और सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए विभिन्न उपायों और हस्तक्षेपों का प्रस्ताव रखा। प्रवक्ता ने बताया कि अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बैठक में जम्मू, श्रीनगर और अन्य स्थानों पर केंद्रों पर ठहरने की क्षमता बढ़ाने, ई-केवाईसी के लिए यात्री सुविधा केंद्रों का संचालन, आरएफआईडी कार्ड जारी करने, नौगाम और कटरा रेलवे स्टेशनों सहित कई स्थानों पर तीर्थयात्रियों का मौके पर पंजीकरण करने के उपायों पर चर्चा की गई। इस बात पर भी चर्चा की गई कि आवश्यकता के अनुसार बालटाल, पहलगाम, नुनवान और पंथा चौक श्रीनगर में भी इन सुविधाओं को उपयुक्त रूप से बढ़ाया जाना चाहिए। संबंधित विभागों द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपराज्यपाल ने यात्रा के मार्ग में विभिन्न स्थानों पर पर्याप्त व्यवस्था और अपेक्षित सुविधाएं सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रवक्ता ने बताया कि उन्होंने श्रीनगर के पंथा चौक स्थित यात्री निवास में क्षमता बढ़ाने का भी आह्वान किया। बैठक में चल रही परियोजनाओं, यात्रा से संबंधित सूचनाओं के प्रसार, यात्रियों, सेवा प्रदाताओं, टट्टुओं को बीमा कवर, श्राइन बोर्ड द्वारा ऑनलाइन सेव-ाओं के विस्तार पर भी चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्गों को चौड़ा करने और उनका रखरखाव करने के लिए भी काम किया जाएगा। प्रवक्ता ने कहा कि बैठक में पवित्र गुफा और निचली पवित्र गुफा क्षेत्र में भीड़भाड़ कम करने के उपाय, आपदा की तैयारी और न्यूनीकरण उपाय, सेवाओं की पर्याप्त व्यवस्था, चिकित्सा देखभाल सुविधाएं, मौसम पूर्वानुमान संबंधी बुनियादी ढांचे और सुरक्षा समेत अन्य मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उपराज्यपाल ने बोर्ड के सदस्यों को बधाई दी और यात्रा के सफल संचालन में उनके बहुमूल्य यो-गदान और निरंतर मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।

बिहार में पहली बार बड़े भाई की भूमिका में होगी भाजपा

जदयू को सौ से कम सीटों पर करना होगा संतोष

पटना, 05 मार्च (एजेंसियां)। करीब ढाई दशक के गठबंधन में यह पहला मौका होगा जब भाजपा जदयू के मुकाबले अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी। साल 2005 में हुए दो चुनावों के अलावा 2010 के चुनाव में जदयू भाजपा से 37 से 39 अधिक सीटों पर चुनाव लड़ी थी। लोकसभा में भी 2009 तक यही सिलसिला चला था। बिहार विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार राजग की ओर से भले ही सीएम पद के घोषित उम्मीदवार होंगे, लेकिन गठबंधन में धमक भाजपा की दिखेगी। सीट बंटवारे से लेकर चुनावी रणनीति तय करने तक, सभी मामलों की कमान भाजपा के हाथों में होगी। भाजपा इस बार न सिर्फ जदयू से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी, बल्कि चुनावी रणनीति की कमान भी अपने पास रखेगी। इसके अलावा चुनाव प्रचार की पिच पर पीएम मोदी गठबंधन का मुख्य चेहरा होंगे।

गठबंधन में दलों की भरमार और पुराने प्रदर्शन के आधार पर जदयू को इस बार भाजपा से कम सीटें मिलेंगी। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, वर्तमान परिस्थितियों में जदयू के लिए अधिकतम 90 सीटों से ज्यादा की गुंजाइश नहीं है। भाजपा की कोशिश बीते चुनाव की तरह ही 110 सीटों पर चुनाव लड़ने की है। बाकी बची 43 सीटें दूसरे सहयोगियों लोजपा (आर), आरएलएसपी और हम में बंटेंगी। चूंकि लोजपा (आर) ने लोकसभा चुनाव में अपने हिस्से की सभी पांच सीटें जीती हैं, ऐसे में जदयू-भाजपा के इतर सीट बंटवारे में सर्वाधिक महत्व लोजपा (आर) को मिलेगा।

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक 2010 का विधानसभा चुनाव जदयू का पीक था। इसके बाद उसके मत प्रतिशत और सीटों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। उस चुनाव में जदयू को 115 सीटें और 22.58 फीसदी मत मिले थे। इसके उलट भाजपा के मत प्रतिशत में 2005 से ही चुनाव दर चुनाव बढ़ोतरी हुई है। लोकसभा चुनाव में भी मत प्रतिशत की दृष्टि से भाजपा जदयू के मुकाबले बीते तीन चुनावों में बहुत आगे रहा है। ऐसे में इस आधार पर जदयू को सीट बंटवारे के दौरान अपना दिल बड़ा करना होगा।

करीब ढाई दशक के गठबंधन में यह पहला मौका होगा जब भाजपा जदयू के मुकाबले अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी। साल 2005 में हुए दो चुनावों के अलावा 2010 के चुनाव में जदयू भाजपा से 37 से 39 अधिक सीटों पर चुनाव लड़ी थी। लोकसभा में भी 2009 तक यही सिलसिला चला था। हालांकि, भाजपा में मोदी युग की शुरुआत के बाद दोनों दलों की सीटों का अंतर लगातार कम होता गया। बीते चुनाव में जदयू जहां 115 सीटों पर चुनाव लड़ी, वहीं भाजपा के हिस्से 110 सीटें आई थी।

चुनाव प्रचार के लिए भाजपा हिंदुत्व, विकास और सामाजिक न्याय का मिश्रण तैयार करेगी। पार्टी की योजना राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग मुद्दों को केंद्र में रखने की है। मसलन सीमांचल में पार्टी का हिंदुत्व और विकास को मुद्दा बनाएगी। कोसी, मिथिलांचल और भोजपुरी क्षेत्र में विकास और सामाजिक न्याय पार्टी का मुद्दा होगा। पटना सहित शहरी क्षेत्रों में पार्टी हिंदुत्व पर ज्यादा जोर देगी। गठबंधन में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखने के लिए भाजपा की रणनीति अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने के साथ स्ट्राइक रेट महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तर्ज पर बेहतर रखने की है। भाजपा ने बिहार में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2010 के चुनाव में किया था। तब पार्टी ने अपने हिस्से की 102 सीटों में से 91 सीटों पर जीत दर्ज की थी।

पवन कल्याण ने अपने बड़े भाई को बनाया जनसेना प्रत्याशी

फिल्म अभिनेता नागा बाबू लड़ेंगे विधान परिषद चुनाव

अमरावती, 05 मार्च (एजेंसियां)। जनसेना प्रमुख पवन कल्याण ने आगामी एमएलसी चुनावों के लिए अपने बड़े भाई के. नागा बाबू की उम्मीदवारी की घोषणा की। चुनाव आयोग ने आंध्र प्रदेश की विधान परिषद के पांच सदस्यों के लिए चुनाव की घोषणा की है। मतदान 20 मार्च को होगा। जनसेना के महासचिव नागा बाबू एक प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता भी हैं। जनसेना दक्षिणी राज्य में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा है, जिसमें तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी शामिल हैं। जनसेना की एक विज्ञप्ति में कहा गया, विधायकों के कोटे के तहत एमएलसी चुनावों के लिए पार्टी अध्यक्ष पवन कल्याण ने एनडी की ओर से के. नागा बाबू के नाम की पुष्टि की है।चुनाव आयोग ने हाल ही में आंध्र प्रदेश की विधान परिषद (एमएलसी) के पांच सदस्यों के चुनाव की घोषणा की है। इसके लिए अधिसूचना जारी की गई। इन सदस्यों का चुनाव विधायक करेंगे और मतदान की तारीख 20 मार्च तय की गई है।

वस्त्र निर्यात के क्षेत्र में बड़ी भूमिका तय करने की तैयारी में यूपी

लखनऊ, 05 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने वर्ष 2030 तक 9 लाख करोड़ रुपए कपड़े के निर्यात का लक्ष्य रखा है। बकौल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हम इस लक्ष्य को तय डेड लाइन से पहले हासिल कर लेंगे। ऐसा हुआ तो इसमें उत्तर प्रदेश के योगी सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसकी कई वजहें हैं। उत्तर प्रदेश में इसकी बेहद संपन्न परंपरा है। इस वजह से हुनर वालों की कमी नहीं है। कुछ दशक पहले तक पूरब का मैनचेस्टर रूप में विख्यात कानपुर उत्तर प्रदेश में ही है।

वाराणसी और मुबारकपुर अपनी रेशमी साड़ियों के लिए पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। भदोही और मीरजापुर के कालीन की भी यही शोहरत है। गौतमबुद्ध नगर रेडिमेड गारमेंट का नया हब बनकर उभरा है। लखनऊ के चिकन के कपड़ों की देश और दुनियां दीवानी है। योगी सरकार ने इस परंपरागत उद्योगों को बढ़ाने, इनके हुनर को निखारने के लिए कई योजनाएं चला रखी है। कुछ तो जिलों के (ओडी ओपी) में भी शामिल हैं। इसके तहत गोरखपुर, और कुछ अन्य जिलों ने फ्लैटेड फैक्टरी बनी हैं । गौतम बुद्ध नगर में, लखनऊ, मीरजापुर और भदोही में साल 2025 में ओडी ओपी योजना के तहत कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) स्थापित करने का लक्ष्य है। इससे एक ही छत के नीचे संबंधित जिले के ओडीओपी उत्पादों को सारी सुविधाएं मिलेगी। प्रधानमंत्री मित्र योजना के तहत लखनऊ हरदोई सीमा पर एक एक हजार एकड़ में मेगा टेक्सटाइल पार्क बन रहा है।

लोक कल्याण संकल्प पत्र 2022 में भी भाजपा ने सत्ता में आने पर आगामी 5 वर्षों में उत्तर प्रदेश को ग्लोबल टेक्सटाइल हब बना कर, 5 लाख रोज-गार या स्व-रोजगार के अवसर प्रदान करने का वायदा किया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है कि प्रदेश में वस्त्र उद्योग क्षेत्र में रोजगार सृजन हेतु व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। पिछले 5 वर्षों में, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की प्रमुख योजनाओं के अंतर्गत, 118 एकड़ पर अपैरल पार्क (सेक्टर 29 में), और गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण की प्रमुख योजनाओं में फ्लैट टेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स की 80 इकाईयां और गार्मेंट् पार्क का विकास प्रारंभ किया गया। इसी विचार के तहत, गत वर्ष, प्रदेश सरकार ने टेक्सटाइल पार्क और अपैरल पार्क के विकास के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए थे।

जनपद गौतमबुद्धनगर के जेवर एयरपोर्ट के 50 कि.मी. की परिधि में तथा यूपीडा (उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण) द्वारा निर्मित किए जा रहे एक्सप्रेस-वे के किनारे प्रदेश के अन्य स्थानों पर कम से कम 5 अपैरल/गार्मेन्टिंग पार्कों की स्थापना के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र को विशेष रूप से रेडीमेड गारमेंट्स सेक्टर के केंद्र के रूप में विकसित किये जाने का प्रस्ताव है। गोरखपुर जनपद में टेराकोटा के बाद रेडीमेड गारमेंट्स को गोरखपुर की एक जिला एक उत्पाद योजना (ओडीओपी) में शामिल किया गया है। टेक्सटाइल पार्क के लिए गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र (गीडा) में फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स बनाया गया है। जिसमे टेक्सटाइल यूनिट्स होंगी। साथ ही, आगरा जनपद में एक इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल व अपैरल इंडस्ट्रियल पार्क की स्थापित किया जा रहा है।

इन महत्वाकांक्षी योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ, उत्तर प्रदेश को औद्योगिक उत्पादन, रोजगार और निर्यात के क्षेत्र में देश मे अग्रणी भूमिका निभाने के अवसर मिलेंगे। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने इस सेक्टर के प्रोत्साहन के लिए आम बजट में कपास मिशन की भी घो-षणा की है। साथ ही राष्ट्रीय कपास प्रौद्योगिकी मिशन के लिए 500 करोड़ रुपए आवंटित भी किए। बांग्लादेश की राजनीतिक अस्थिरता भी देश के कपड़ा उद्योग के लिए एक अवसर साबित हो सकती है। फ़िलहाल कपड़े के निर्यात में भारत का विश्व में छठा नंबर है।

इसके अलावा अन्य सेक्टर्स हैं, कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्र, इंजीनियरिंग उत्पाद, फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स, केमिकल, लेदर और कपड़ा। योजना के तहत सरकार का फोकस इनका निर्यात बढ़ाने पर है।इसके लिए केंद्र ने जिन देशों को सक्षम और संभावित बाजार माना है, उनमें अमरीका, आस्ट्रेलिया, ब्राजील, बांग्लादेश, चीन, फ्रांस, जर्मनी , इंडोनेशिया, जापान, नीदरलैंड, सउदी अरब, इटली, सिंगापुर , दक्षिण अफ्रीका,तुर्की, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन और वियतनाम। भारत सरकार की पीएम मित्र योजना के अंतर्गत विश्व-स्तरीय टेक्सटाइल पार्क का विकास किया जा रहा है। इसमें प्रस्तावित निवेश का लक्ष्य 10,000 करोड़ रुपए है।

बजट में जीरो पावर्टी के लिए 250 करोड़ का प्रावधान: सीएम योगी

लखनऊ, 05 मार्च (एजेंसियां)। विधान परिषद में बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने सामाजिक सेक्टर को लेकर सरकार की प्रतिबद्धताओं का उल्लेख किया। सीएम योगी ने कहा कि सामाजिक सेक्टर में डबल इंजन की सरकार 1 करोड़ 4 लाख से अधिक निराश्रित महिला, वृद्धजन और दिव्यांगजनों को 12 हजार रुपए सालाना पेंशन की सुविधा उपलब्ध करा रही है। हम लोगों ने इस बजट में 250 करोड़ रुपए का प्रावधान पहले चरण में जीरो पावर्टी के लिए किया है। 17 प्रकार की स्कीम को प्रदेश में जीरो पावर्टी के अंतर्गत चलाया जा रहा है। मुसहर, वनटांगिया, थारू, कोल, सहरिया, चेरो, बुक्सा समेत विभिन्न जनजातियों को इनके माध्यम से 100 प्रतिशत आच्छादित करने का प्रयास किया जा रहा है। जो नए सर्वे किए गए हैं, उनके अनुसार पहले चरण में 13.57 लाख से अधिक परिवार आच्छादित हुए हैं।

सीएम योगी ने पिछली सरकार व मौजूदा सरकार की कार्यप्रणाली की तुलना कर आईना दिखाया। सीएम योगी के अनुसार, सपा के कार्यकाल में निराश्रित महिला पेंशन योजना के अंतर्गत 9 लाख 68 हजार 706 महिलाओं को ही लाभ मिल पाता था। अब 34.14 लाख महिलाओं को इसका लाभ मिल रहा है। सपा कार्यकाल में वृद्धावस्था पेंशन मात्र 36 लाख 52 हजार 607 लोगों को मिल पाती थी। वहीं, अब प्रदेश में 60 लाख 99 हजार 903 लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। दिव्यांगजन पेंशन योजना का लाभ सपा सरकार में 8.75 लाख लोगों को मिल रहा था जबकि अब 11 लाख 03 हजार से ज्यादा लोगों को लाभ मिल रहा है। कुष्ठावस्था पेंशन योजना में सपा सरकार मात्र 300 रुपए देती थी जबकि अब 1000 रुपए दिए जा रहे हैं। लाभार्थियों का कवर भी कहीं ज्यादा है।

सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार अनुसूचित जाति-जनजाति के सभी विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप देती है। सामान्य वर्ग के छात्राओं के लिए 900 करोड़ तथा पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए 2,825 करोड़ की धनराशि बतौर स्कॉलरशिप दी जाएगी। मातृशक्ति के लिए भी सरकार ने कई कदम उठाए हैं। राज्य आजीविका मिशन के अंतर्गत 96 लाख से अधिक महिलाएं आर्थिक स्वावलंबन के पथ पर अग्रसर हुई हैं। बीसी सखी के अंतर्गत 39 हजार 556 महिलाओं ने 31 हजार 103 करोड़ रुपए से अधिक का वित्तीय लेनदेन कर 84 करोड़ से ज्यादा का शुद्ध लाभांश कमाया है। 31 लाख से अधिक लखपति दीदीयों का चिह्नीकरण किया गया है, जिसमें से 2 लाख से अधिक महिलाएं लखपति की श्रेणी में आ चुकी हैं।

वीरांगना ऊदा देवी, वीरांगना झलकारी बाई तथा वीरांगना अवंती बाई के नाम पर पीएसी की तीन महिला बटालियन बनाई गई हैं। मेधावी बालिकाओं के लिए रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना को भी सरकार ला रही है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 1 लाख रुपए लाभार्थियों को दियाा जाएगा। सरकार विधवा पुनर्विवाह और विधवा महिलाओं की बेटियों की शादी के लिए भी प्रोत्साहन राशि दे रही है। 971 करोड़ से आंगनबाड़ी वर्कर्स को अतिरिक्त मानदेय देने के लिए प्रावधान किया गया है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर 7 जनपदों में कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल बनाया जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि सरकार ने वृंदावन में 1000 निःशक्तजनों के लिए कृष्णा कुटीर बनाया है और मासिक ढाई हजार तक की पेंशन भी दी जाएगी। जहां लॉजिंग, फूडिंग सब फ्री है। प्रदेश के अंदर 4 अन्य स्थानों पर भी इनका निर्माण होगा। बुजुर्गों के लिए ओल्ड एज होम बनाने के लिए भी धनराशि की व्यवस्था की जा रही है।

सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ से बड़ा उदाहरण प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था के लिए क्या हो सकता है। दुनिया इसकी तारीफ कर रही है, प्रत्यक्षम् किम् प्रमाणम् यानी प्रत्यक्ष को प्रमाण की क्या जरूरत है। पुलिस रिफॉर्म्स की दिशा में सरकार बड़े कदम उठा रही है। अब तक 91 अग्निशमन केंद्र, एटीएस की नई 5 यूनिट, एसटीएफ की 6 यूनिट, 21 क्षेत्राधिकारियों के लिए आवास व 22 के लिए कार्यालय का निर्माण भी किया। 35 चौकी और 77 नए थाने बनाए गए हैं। बैरक, आवासीय और अनावासीय सुविधाओं में भी इजाफा किया गया। 8 नई पुलिस लाइन का निर्माण भी किया गया। ट्रांजिट हॉस्टल, प्रशिक्षण भवन तथा उत्तर प्रदेश फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट का निर्माण व गठन किया गया। 1.56 लाख से अधिक कार्मिक पुलिस बल में भर्ती हुए हैं। प्रदेश में अवस्थापना विकास के लिए 22 फीसदी, शिक्षा के लिए 13 फीसदी, कृषि के लिए 11 फीसदी, चिकित्सा स्वास्थ्य के लिए 6 फीसदी तथा सामाजिक सुरक्षा के लिए 4 फीसदी बजट का प्रावधान किया गया है।

सपा इन्फ्रास्ट्रक्चर और कानून व्यवस्था की दुश्मन : योगी

लखनऊ, 05 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विधान परिषद में अपने संबोधन में राज्य सरकार की उपलब्धियों का बखान किया और विपक्षी समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने सपा को इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और कानून व्यवस्था का दुश्मन करार देते हुए कहा कि उनकी सरकार ने बेहतरीन कानून व्यवस्था और मजबूत नीतियों के दम पर राज्य को विकास के पथ पर अग्रसर किया है। योगी ने किसानों, निवेश, बिजली और कृषि क्षेत्र में किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी सदन के समक्ष रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए उठाए गए कदमों से यूपी, जो कभी देश के विकास का ब्रेकर था, आज इकोनॉमी का ब्रेक थ्रू और ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने 45 लाख करोड़ रुपए के एमओयू में से 15 लाख करोड़ रुपए के निवेश को धरातल पर उतारा है। उन्होंने गोरखपुर में 15 हजार करोड़ के निवेश और वाराणसी में फ्रेट विलेज के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके लिए अच्छा इन्फ्रास्ट्रक्चर और कानून व्यवस्था जरूरी है और आप (सपा) इन दोनों के दुश्मन हैं। सीएम योगी ने अपनी सरकार की 33 सेक्टोरियल पॉलिसी, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना और ओडीओपी का जिक्र करते हुए कहा कि इन प्रयासों ने यूपी को नई पहचान दी है। लखनऊ-हरदोई के बीच मेगा इंटीग्रेटेड टेक्स्टाइल पार्क और 10 जनपदों में संत कबीर टेक्स्टाइल पार्क जैसी योजनाओं का उल्लेख किया। साथ ही बताया कि 96 लाख एमएसएमई यूनिट्स और इनपर 5 लाख रुपए के बीमा की सुविधा देने वाला यूपी देश का पहला राज्य बन गया है।

मुख्यमंत्री ने सपा शासन की बिजली व्यवस्था पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आपने यूपी को अंधेरे में छोड़ रखा था। ट्रांसफॉर्मर फुंकने पर हफ्तों इंतजार करना होता था, चंदा लगाना पड़ता था। उन्होंने बताया कि आज बिजली की खपत करीब 33 मेगावाट हो गई है।

सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी जिलों, तहसीलों, शहर और गांव को बिजली प्रदान कर रही है। अयोध्या को सोलर सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है और 17 नगर निगमों को भी सौर ऊर्जा से जोड़ा जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि यूपी खाद्यान्न उत्पादन में नंबर एक है और कृषि विकास दर 14% तक पहुंच गई है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 28.58 लाख किसानों ने बीमा कराया, जिसमें 9.33 लाख को 495.41 करोड़ रुपए की क्षतिपूर्ति मिली। साथ ही, 2.73 लाख करोड़ रुपए का गन्ना मूल्य भुगतान और 119 चीनी मिलों की बढ़ी क्षमता का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि यूपी 400 लाख टन सब्जियों के उत्पादन के साथ देश में पहले स्थान पर है। खाद्यान्न उत्पादकता 27.25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 30.51 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गई है। तिलहन उत्पादन में 128% की वृद्धि दर्ज की गई। धान और गेहूं खरीद में भी तीन से पांच गुना तक का इजाफा हुआ है। सीएम योगी ने कहा कि उनकी सरकार अन्नदाता किसानों के लिए माता शबरी के नाम पर मंडियों में कैंटीन और विश्रामालय स्थापित करने जा रही है। उन्होंने लखनऊ में 251 करोड़ की लागत से चौधरी चरण सिंह के सम्मान में सीड पार्क की स्थापना की भी बात कही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद में विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि आप लोग दूध पीकर गोवंश को सड़क पर छोड़ देते हैं और सरकार को कोसते हैं। उन्होंने अपनी सरकार के प्रयासों को रेखांकित करते हुए बताया कि 12 लाख 50 हजार गोवंश के लिए 60,713 गो-आश्रय स्थल बनाए गए हैं।

अयोध्या राम मंदिर पर हमले की साजिश

आतंकी अब्दुल रहमान के खिलाफ केस दर्ज

यूपी में गुजरात एटीएस की छापेमारी तेज

लखनऊ, 05 मार्च (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर को निशाना बनाने की साजिश रचने वाले संदिग्ध आतंकी अब्दुल रहमान की गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) और हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने संयुक्त ऑपरेशन में रविवार 2 मार्च की रात को फरीदाबाद के बांस रोड पाली इलाके से 19 वर्षीय अब्दुल रहमान को हिरासत में लिया। उसके पास से दो हैंड ग्रेनेड बरामद हुए, जिन्हें बम निरोधक दस्ते ने निष्क्रिय कर दिया। इसके बाद उत्तर प्रदेश एटीएस ने आजमगढ़, मऊ और बलिया में संदिग्धों की तलाश में जोरदार छापेमारी शुरू की है।

फरीदाबाद पुलिस ने डबुआ थाने में अब्दुल रहमान के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25(1)(ए), विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 की धारा 4(ए), 4(बी), 5 के तहत एफआईआर दर्ज की है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि एसटीएफ इंस्पेक्टर के बयान के आधार पर यह कार्रवाई की गई।

अब्दुल को गिरफ्तार करने के बाद गुजरात एटीएस उसे 10 दिन के रिमांड पर गुजरात ले गई है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि उसे हैंड ग्रेनेड कहां से और किसने मुहैया कराए। सूत्रों के मुताबिक, इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की सूचना पर गुजरात एटीएस ने उसकी लोकेशन ट्रेस की थी, जिसके बाद हरियाणा एसटीएफ के साथ मिलकर उसे धर दबोचा।

अब्दुल रहमान मूल रूप से अयोध्या के मिल्कीपुर का निवासी है और कथित तौर पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (आईएसआई) के संपर्क में था। पूछताछ में पता चला कि वह राम मंदिर पर हमले की साजिश रच रहा था और उत्तर प्रदेश के अन्य लोग भी उसके संपर्क में थे। इसके बाद यूपी एटीएस ने प्रदेश भर में छापेमारी शुरू की। बीती रात आजमगढ़ में छापेमारी के बाद टीम बलिया पहुंची, जहां सूत्रों के अनुसार तीन युवकों को हिरासत में लिया गया है। इनके पास से पाकिस्तान से जुड़ी ईमेल आईडी मिलने की बात सामने आई है। मंगलवार सुबह से आजमगढ़ परिक्षेत्र में एटीएस की टीमें सक्रिय हैं। अधिकारियों ने कहा कि यह ऑपरेशन तब तक जारी रहेगा, जब तक आईसआई से संपर्क में आए सभी संदिग्धों को पकड़ नहीं लिया जाता।

अब्दुल रहमान के पास से बरामद हैंड ग्रेनेड और उसकी आईएसआई से कथित संलिप्तता ने सुरक्षा एजेंसियों को चौकन्ना कर दिया है। जांच में यह भी सामने आया कि वह अयोध्या में राम मंदिर को नष्ट करने की योजना बना रहा था।

फरीदाबाद पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अब्दुल की निशानदेही पर छानबीन जारी है, ताकि उसके नेटवर्क और हैंड ग्रेनेड के स्रोत का पता लगाया जा सके। इस बीच, यूपी एटीएस की कार्रवाई से आतंकी साजिश के और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। यह घटना एक बार फिर देश में आतंकी गतिविधियों को लेकर चिंता बढ़ाने वाली है। सुरक्षा एजेंसियां इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पूरे नेटवर्क को उजागर करने में जुटी हैं।

सभी जिलों में बाबा साहब के नाम से बनेंगे छात्रावास: सीएम योगी

लखनऊ, 05 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के बजट पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष को संविधान के सम्मान और संरक्षण को लेकर जमकर घेरा। समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि ये दल बाबा साहब भीमराव अंबेडकर और अन्य दलित-पिछड़े महापुरुषों को कभी सम्मान नहीं दे पाए। जबकि डबल इंजन की भाजपा सरकार ने अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर और पंच तीर्थों के निर्माण जैसी कई ऐतिहासिक पहल की हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने यह निर्णय लिया है कि प्रदेश के हर जनपद में अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों के लिए बनने वाले सभी छात्रावासों का नाम बाबा साहब अंबेडकर के नाम पर रखा जाएगा।

सीएम योगी ने कहा कि यह वर्ष भारत के संविधान अंगीकार करने का अमृत महोत्सव वर्ष है। उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी को कई बार शासन का अवसर मिला, लेकिन उन्होंने बाबा साहब के नाम पर कोई संस्था नहीं बनाई। उल्टा, जो संस्थान पहले से थे, उनके नाम भी हटा दिए गए। इसके विपरीत भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बाबा साहब अंबेडकर के सम्मान में पंच तीर्थों का निर्माण कराया और लखनऊ में अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय स्मारक और सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण कर रही है। इस केंद्र के माध्यम से दलित छात्रों को स्कॉलरशिप की सुविधा भी दी जाएगी।

सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी केवल राजनीतिक नारेबाजी करती है, लेकिन भाजपा सरकार ने महापुरुषों के सम्मान में वास्तविक काम किए हैं। उन्होंने कहा कि लखनऊ के बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में सावित्रीबाई फुले के नाम पर छात्रावास बनवाया गया है, जिससे दलित छात्र लाभान्वित हो सकें। इसी तरह, कन्नौज के मेडिकल कॉलेज का नाम समाजवादी सरकार ने हटाया था, जिसे भाजपा सरकार ने फिर से बाबा साहब अंबेडकर के नाम से स्थापित किया। सीएम योगी ने कहा कि प्रयागराज में निषादराज श्रृंगवेरपुर में भव्य कॉरिडोर बनाया गया है, जिसका लोकार्पण प्रधानमंत्री मोदी ने किया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी इस ऐतिहासिक स्थल पर कब्जा करवा रही थी, लेकिन भाजपा सरकार ने उसे विरासत के रूप में विकसित किया।

सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने महाराज सुहेलदेव के विजय स्मारक के निर्माण में बाधा डाली थी, लेकिन भाजपा सरकार ने बहराइच और श्रावस्ती में भव्य स्मारक का निर्माण पूरा किया। वाराणसी में संत रविदास की जन्मस्थली को भी भव्य रूप दिया गया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने संत रविदास के जन्मस्थल पर विकास कार्य रोकने का प्रयास किया, लेकिन भाजपा सरकार ने वहां भव्य प्रतिमा स्थापित कर कॉरिडोर का निर्माण करवाया। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि की साधना स्थली लालपुर को विकसित करने का कार्य समाजवादी पार्टी ने रोका, लेकिन भाजपा सरकार ने इसे एक आदर्श पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया। इसी तरह, राजापुर में गोस्वामी तुलसीदास जी की जन्मस्थली के विकास को भी समाजवादी पार्टी ने अवरुद्ध किया, लेकिन भाजपा सरकार ने वहां व्यापक विकास कार्य किए हैं।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 नवंबर को संविधान दिवस घोषित कर बाबा साहब अंबेडकर के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। भाजपा सरकार ने यह निर्णय लिया है कि अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों के लिए बनने वाले सभी छात्रावासों का नाम बाबा साहब अंबेडकर के नाम पर रखा जाएगा। इसके अलावा, लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर महिलाओं के लिए सात छात्रावासों की सुविधा देने की योजना बनाई गई है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर हर जिले में 100 एकड़ क्षेत्रफल में एम्प्लॉयमेंट जोन बनाने का निर्णय लिया है। इसी तरह, महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर बलरामपुर के इमलिया कोडर में जनजातीय म्यूजियम का निर्माण पहले ही किया जा चुका है, और अब मिर्जापुर और सोनभद्र में भी ऐसे ही म्यूजियम बनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में हर नगर निकाय में एक डिजिटल लाइब्रेरी बनाई जाएगी। यह लाइब्रेरी अटल जी की स्मृति को समर्पित होगी और युवाओं के लिए ज्ञान का केंद्र बनेगी।

सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने गरीबों के घर तक नहीं बनने दिए। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार ने 56 लाख से अधिक मकानों का निर्माण किया है, जबकि समाजवादी पार्टी के शासन में यह संख्या नगण्य थी। उन्होंने कहा कि गरीबों के लिए शौचालय और मकान बनने से समाजवादी पार्टी को परेशानी होती थी, क्योंकि वे केवल एक परिवार की राजनीति तक सीमित थे। सीएम योगी ने कहा कि यह बजट उत्तर प्रदेश की समृद्ध विरासत और सामाजिक न्याय को समर्पित एक ऐतिहासिक कदम है। भाजपा सरकार सभी महापुरुषों के सम्मान में कार्य कर रही है और आगे भी इसी संकल्प के साथ प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का कार्य करेगी।

महाकुंभ के दौरान एक्सप्रेस-वे से गुजरे 40 लाख वाहन

500 से ज्यादा हादसों में हुईं 40 मौतें

लखनऊ, 05 मार्च (एजेंसियां)। महाकुंभ के दौरान प्रदेश के तीन एक्सप्रेस-वे पर गुजरने वाले वाहनों ने रिकॉर्ड बना दिया। इस वर्ष जनवरी-फरवरी के दौरान आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे और बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे से 40 लाख से ज्यादा वाहन गुजरे। इस दौरान 564 सड़क हादसे हुए जिनमें 40 लोगों की मौत हुई। यह जानकारी यूपी एक्सप्रेस-वेज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथारिटी (यूपीडा) की ओर से साझा की गई है।

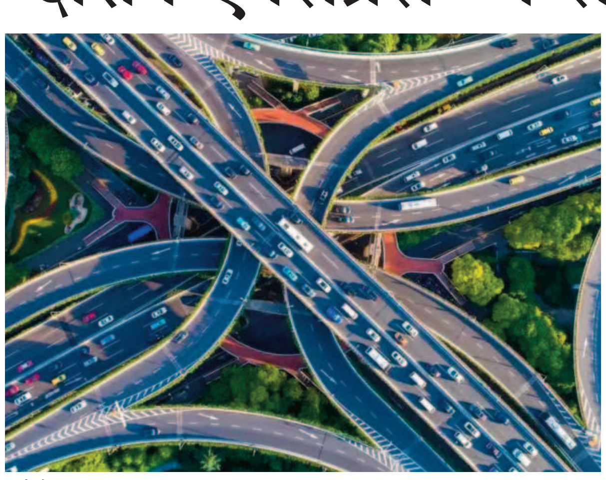

यूपीडा के मुताबिक सुरक्षा के लिए एक्सप्रेस-वे के प्रत्येक पैकेज में एक सुरक्षा अधिकारी, दो सहायक सुरक्षा अधिकारी, प्रति शिफ्ट चार पूर्व सैनिक और प्रति शिफ्ट एक वाहन चालक को तैनात किया गया था। एक एक्सप्रेस-वे औसतन दो से चार पैकेज में बंटा होता है। एक जनवरी से 28 फरवरी 2025 के बीच आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे से रिकॉर्ड 28.40 लाख वाहन गुजरे। इसी अवधि में वर्ष 2024 में ये संख्या करीब 17 लाख और वर्ष 2023 में 16 लाख थी। यानी पिछले वर्ष की तुलना में करीब 70 फीसदी ज्यादा वाहनों ने फर्राटा भरा।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से बीती जनवरी-फरवरी में लगभग 15.10 लाख वाहन गुजरे। वर्ष 2024 में इस एक्सप्रेस-वे से करीब 10 लाख और वर्ष 2023 में 7 लाख वाहन गुजरे थे। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे से महाकुंभ की अवधि में 2.87 लाख वाहन गुजरे। वाहनों की संख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी से ड्राइविंग में भी खूब लापरवाही सामने आई। इससे 564 हादसों में 40 लोगों की मौत हो गई और 524 लोग घायल हुए। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर ओवरस्पीड के 8.45 लाख से ज्यादा चालान किए गए। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर ये संख्या 6.64 लाख से ज्यादा रही। एक्सप्रेस-वे सबसे ज्यादा कारों ने फर्राटा भरा। तीनों एक्सप्रेस-वे से गुजरने वाले कुल वाहनों में कारों की हिस्सेदारी करीब 65 फीसदी रही।

पेशी में न आने पर लखनऊ के कोर्ट ने राहुल गांधी पर ठोका जुर्माना

लखनऊ, 05 मार्च (एजेंसियां)। लखनऊ की एक अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने राहुल गांधी पर 200 का जुर्माना भी कोर्ट ने ठोका है। वीर सावरकर पर की गई बेजा टिप्पणी के मामले की सुनवाई में हाजिर न होने पर कोर्ट ने यह कार्रवाई की। कोर्ट ने राहुल गांधी को 14 अप्रैल को पेश होने का आदेश दिया है।

राहुल गांधी पर यह मुकदमा वीर सावरकर पर दिए गए एक बयान के मामले में चल रहा है। उन्होंने महाराष्ट्र के अकोला में वीर सावरकर को अपमानित करने वाला एक बयान दिया था। उन्होंने वीर सावरकर को अंग्रेजों से पेशन लेने वाला कहा था। इसके बाद उनके खिलाफ लखनऊ में एक वकील ने मुकदमा दर्ज करवाया था। इस मुकदमे में राहुल गांधी की तरफ से उनके वकील पेश हुए और दावा किया राहुल व्यस्त हैं और उनकी दिल्ली में कई महत्वपूर्ण बैठक हैं। हालाँकि, कोर्ट ने उनकी यह दलीनें नहीं सुनी। कोर्ट ने कहा है कि यदि अगली सुनवाई पर राहुल गांधी नहीं आते तो उन पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

युवा मन में कातिल विचार

शिक्षा में संतुष्टि का भाव होता तो एनआईटी हमीरपुर परिसर में कोई छात्र खुदकुशी के फंदे से न लटकता। बरेली से बीटेक की डुअल डिग्री कर रहे छात्र ने आखिर किस शिकायत, किस असंतोष, किस अनिश्चय और किस अंधेरे से आजिज आकर मौत को गले लगाया। किसी भी राष्ट्रीय संस्थान की पैरवी में भारत की युवा पीढ़ी का भविष्य उसके संवरने और संभलने का भी है और इसी बुनियाद पर एक नए भारत का निर्माण सुनिश्चित हो रहा है, लेकिन जब कहीं युवा हुलिया यहीं आकर बिगड़ता है तो जिंदगी के सवाल कठिन शैक्षणिक सफलता के प्रांगण में आकर खड़े हो जाते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर महाकुंभ के दौरान एक आईआईटी बाबा की कहानी का रहस्य, हमारे समाज को पाप की गठरी बना देता है, जहां भविष्य का हुनर रेंगने लगता है। कोई पढ़-लिख कर साधु समाज में पनाह मांगने को विवश हो रहा है, तो उपचार की पोशाक में जिंदगी के ताने-बाने उलझ जाते हैं। युवा मन के भीतर किसी कातिल विचार की घुसपैठ का अंदाजा लगाना मुश्किल है, लेकिन यह गहन चिंता और चिंतन का विषय है कि शिक्षा और करियर के विषयों की समाधि में प्रतिभाएं अपनी जिंदगी के नूर को अलविदा कहने को मजबूर हो रही हैं। क्यों शिक्षा के प्रांगण में राहत की तलाश भटक कर नशे के समुद्र में डूब रही है। हमीरपुर एनआईटी परिसर में दो वर्ष पूर्व एक छात्र नशे की ओवरडोज में मौत तक जा पहुंचा था। आए दिन प्रदेश में नशे की ओवर डोज से रिश्ते मातम में बदल रहे हैं। प्रतिस्पर्धा की अति, ज्ञान की मति और समाज की आधुनिक सदी में ऐसी विकरालता का सबब अब विद्रूपता के साथ दिखाई देने लगा है। यू-ट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया का मामला महज अभद्रता नहीं, बल्कि सामाजिक मूल्यों के प्रति युवा पीढ़ी की उच्छृंखलता की तरह है। भले ही अदालत ने इलाहाबादिया को पॉड कास्ट की इजाजत दे दी, लेकिन युवा आदर्शों की उन्मुक्तता में नैतिकता के सवाल अब रहे कहां। बेशक संस्कृति के नाम पर शुरू हुई थानेदारी भी सही नहीं, लेकिन जिस तरह फिल्म व सीरीज के विषयों में युवाओं का प्रतिनिधित्व हो रहा है, उसे भी सही परिप्रेक्ष्य में नहीं ले सकते। कभी परिवारों के साथ बैठकर टीवी सीरियल देखना भी दिनचर्या का एक आयाम होता था, लेकिन अब पूरा परिवार एक साथ बैठ भी जाए, तो टीवी स्क्रीन पर आदर्शों को नकारती बहादुरी मिल जाएगी। रही सही कसर सोशल मीडिया के बेहूदा प्रदर्शन ने तोड़ दी है। बिखराव जीवन के हर पहलू और संवाद में है, तो क्यों न डिग्रियों के आलम में खड़े किए गए भविष्य को दोष दिया जाए। बच्चे अब शिक्षा के कबूतरखाने में सिर्फ करियर की गुटरगूं में मशगूल हैं। स्कूल से अकादमी, फिर अच्छे कालेज में प्रवेश का संघर्ष और अंत में शिक्षा के विषयों में भविष्य खोजते युवा के मन में आ रहे बिखराव उसे तोड़ रहे हैं। जो युवा पंखे से झूल कर मौत को गले लगा रहा है, उसके संदर्भ इतने आसान भी नहीं कि एक अध्याय में समझे जा सकें। दोषी तो अभिभावक भी कम नहीं जो बच्चों को बचपन से ही करियर के खेत में जोत देते हैं और जहां से शुरू होते हैं दबाव, व्यस्तता, विरक्ति और अति कठिन प्रतिस्पर्धा। इतना ही नहीं, कारपोरेट जगत में उपलब्ध नौकरियां भी इतनी निष्ठुर व अकृतज्ञ हैं कि युवा पीढ़ी जीवनचक्र में चोटिल व असहज हो रही है। ऊंची उछाल से गिरोगे, तो अपने ही वजन से घायल हो जाओगे। एनआईटी हमीरपुर के छात्रावास में एक छात्र क्यों इतनी घुटन महसूस करने लगा कि उसने अपनी डिग्रियों की प्रस्तावना में खुदकुशी लिख ली। कारण कई हो सकते हैं, लेकिन शिक्षा के शिखर अब अशांत कर रहे हैं। युवा मसले, युवा एहसास, युवा आकाश, युवा सुकून व युवाओं का आत्मबल कहीं चोटिल है, तो सफलताओं के मूल्यांकन को बदलना होगा। शिक्षा के विषय, रोजगार के मायने, सामाजिक उपलब्धियों के गठजोड़ तथा श्रेष्ठता की कसरतें बदलनी होंगी, वरना स्कूल पहुंचते-पहुंचते बच्चे बदनाम गलियों और कालेज-यूनिवर्सिटी के गेट पर नशे के खरीददार हो जाएंगे।

> बरेली से बीटेक की डुअल डिग्री कर रहे छात्र ने आखिर किस शिकायत, किस असंतोष, किस अनिश्चय और किस अंधेरे से आजिज आकर मौत को गले लगाया। किसी भी राष्ट्रीय संस्थान की पैरवी में भारत की युवा पीढ़ी का भविष्य उसके संवरने और संभलने का भी है और इसी बुनियाद पर एक नए भारत का निर्माण सुनिश्चित हो रहा है, लेकिन जब कहीं युवा हुलिया यहीं आकर बिगड़ता है तो जिंदगी के सवाल कठिन शैक्षणिक सफलता के प्रांगण में आकर खड़े हो जाते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर महाकुंभ के दौरान एक आईआईटी बाबा की कहानी का रहस्य, हमारे समाज को पाप की गठरी बना देता है, जहां भविष्य का हुनर रेंगने लगता है। कोई पढ़–लिख कर साधु समाज में पनाह मांगने को विवश हो रहा है, तो उपचार की पोशाक में जिंदगी के ताने–बाने उलझ जाते हैं। युवा मन के भीतर किसी कातिल विचार की घुसपैठ का अंदाजा लगाना मुश्किल है, लेकिन यह गहन चिंता और चिंतन का विषय है कि शिक्षा और करियर के विषयों की समाधि में प्रतिभाएं अपनी जिंदगी के नूर को अलविदा कहने को मजबूर हो रही हैं। क्यों शिक्षा के प्रांगण में राहत की तलाश भटक कर नशे के समुद्र में डूब रही है। हमीरपुर एनआईटी परिसर में दो वर्ष पूर्व एक छात्र नशे की ओवरडोज में मौत तक जा पहुंचा था।

हिंदी ने अपने हृदय प्रदेश की किसी भी भाषा के अस्तित्व को कोई चोट नहीं पहुंचाई है

तमिलनाडु में भी उठी हिंदी समर्थक आवाज

उमेश चतुर्वेदी

> तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन अपने राजनीतिक फायदे के लिए तमिलनाडु की इसी भावना का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन अब हिंदी के समर्थन में तमिलनाडु के भीतर से ही आवाज उठने लगी है। श्रीधर वेंबु तमिल माटी के ही सपूत हैं, इंटरनेट, सॉफ्टवेयर और कारोबार की दुनिया में उनकी कंपनी जोहो का डंका बज रहा है। यही श्रीधर वेंबु खुलेतौर पर कहने लगे हैं कि आइए हम हिंदी सीखें। हिंदी ना जानने की वजह से हो रही कारोबारी दुश्वारियों को वे समझ रहे हैं, इसीलिए वे ना सिर्फ हिंदी सीख रहे हैं, बल्कि इसकी मुनादी भी कर रहे हैं। श्रीधर ने ट्वीटर पर जब हिंदी सीखने की अपील की तो इसे स्टालिन की भाषायी राजनीति के जवाब के तौर पर देखा जाने लगा। ऐसा होना स्वाभाविक भी है।

संस्कृति का उपादान और उसके नैरंतर्य का जरिया होने की वजह से भाषाएं उन लोगों के लिए भावनात्मक मुद्दा होती हैं, जो उन्हें प्राथमिक जुबान के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन अपने राजनीतिक फायदे के लिए तमिलनाडु की इसी भावना का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन अब हिंदी के समर्थन में तमिलनाडु के भीतर से ही आवाज उठने लगी है। श्रीधर वेंबु तमिल माटी के ही सपूत हैं, इंटरनेट, सॉफ्टवेयर और कारोबार की दुनिया में उनकी कंपनी जोहो का डंका बज रहा है। यही श्रीधर वेंबु खुलेतौर पर कहने लगे हैं कि आइए हम हिंदी सीखें। हिंदी ना जानने की वजह से हो रही कारोबारी दुश्वारियों को वे समझ रहे हैं, इसीलिए वे ना सिर्फ हिंदी सीख रहे हैं, बल्कि इसकी मुनादी भी कर रहे हैं। श्रीधर ने ट्वीटर पर जब हिंदी सीखने की अपील की तो इसे स्टालिन की भाषायी राजनीति के जवाब के तौर पर देखा जाने लगा। ऐसा होना स्वाभाविक भी है। क्योंकि तमिल संस्कृति और भाषा के सम्मान के नाम पर वह तमिल भावनाओं को उभारने की कोशिश कर रहे हैं। इस प्रक्रिया में वे कभी हिंदी को साम्राज्यवादी बताते हैं और जब हिंदी पर यह आरोप साबित नहीं हो पाता तो वह हिंदी पर यह आरोप लगाने से भी पीछे नहीं हटते कि अपने हृदय प्रदेश की बोली-बानियों और छोटी भाषाओं के अस्तित्व को उसने निगल लिया है। स्टालिन का यह कहना कि हिंदी ने भोजपुरी, अवधी, अंगिका आदि भाषाओं के अस्तित्व को नष्ट कर दिया है, उसी आरोपबाजी का विस्तार है। जबकि हकीकत यह है कि हिंदी ने अपने हृदय प्रदेश की किसी भी भाषा के अस्तित्व को कोई चोट नहीं पहुंचाई है। उलटे हिंदी इन भाषाओं के बीच संपर्क भाषा के रूप में काम कर रही है। वह उन भाषाओं से शब्दों को लेकर समृद्ध भी हो रही है। अवधी, भोजपुरी, बैसवाड़ी या ब्रजभाषी जब अपने भाषा समुदाय से दूर के लोगों से मिलतें हैं, उनके सहज संवाद की भाषा हिंदी होती है। इस संवाद प्रक्रिया में वह हर भाषा से कुछ शब्द लेती है, उन्हें दोनों के बीच के कड़ी के रूप में स्थापित करती है और इस तरह खुद भी समृद्ध होती है और अपनी बोली या उपभाषाओं को भी ताकतवर बनाती है। महात्मा गांधी ने तमिल और तेलुगू युवाओं से एक सौ सात साल पहले हिंदी सीखने की अपील की थी। उनके ही आह्वान पर 17 जन 1918 को एनी बेसेंट और

रामास्वामी अय्यर ने दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की थी। गांधी जी का सपना था कि तमिल और तेलुगू जैसे अहिंदीभाषी इलाकों के हिंदी को ना सिर्फ सीखें, बल्कि हिंदी को लेकर अपने राज्यों में माहौल बनाएं। गांधी जी का वह सपना सौ साल से अधिक वक्त के बाद सच होता नजर आ रहा है। श्रीधर वेंबू जैसे घोर तमिलभाषी व्यक्ति का हिंदी के समर्थन में सामने आना और उनके साथ तमिलनाडु ही नहीं, कर्नाटक, आंध्र, तेलंगाना आदि के लोगों का खड़ा होना मामूली बात नहीं है। हिंदी को लेकर तमिलनाडु के आम जन की जो छवि कम से कम उत्तर भारत में बनी है, तमिलनाडु से हिंदी के समर्थन में उठने वाली ये आवाजें उसे खंडित कर रही हैं। श्रीधर वेंबु जैसी महत्वपूर्ण स्वरों का हिंदी के समर्थन में उठना तमिलनाडु के आमजनों की कथित हिंदी विरोधी छवि का भी जवाब है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे आर्थिक विचारक एस गुरूमूर्ति तमिलनाडु के सामाजिक और राजनीतिक हलके की महत्वपूर्ण आवाज हैं। लेकिन हिंदी को लेकर तमिलनाडु में जो सामान्य धारणा रही है, उसकी वजह से हिंदी समर्थक उनके सुर को तमिल माटी में तवज्जो देने से बचा जाता रहा है। लेकिन श्रीधर वेंबु की आवाज और उनके समर्थन में सोशल मीडिया मंचों पर उमड़े युवा स्वरों ने गुरूमूर्ति की हिंदी समर्थक आवाज को ताकत दी है। गुरूमूर्ति भी खुलकर हिंदी विरोधी राजनीति के खिलाफ अपने तर्क दे रहे हैं और उन तर्कों को तमिलनाडु में ध्यान से सुना-पढ़ा जा रहा है। हिंदी का समर्थन करते हुए श्रीधर यह भी कह रहे हैं कि उनकी कंपनी का कामकाज तमिलनाडु की तुलना में दूसरे राज्यों में ज्यादा है। जहां उनकी कंपनी अपने तमिल अधिकारियों और प्रोफेशनल को भेजने में हिचकती है, क्योंकि वे दूसरे राज्यों में सहज संवाद विशेषकर जमीनी स्तर पर नहीं कर पाते। 1965 में तमिलनाडु में हिंदी विरोधी आंदोलन हुआ था। उसकी वजह यह थी कि संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी को राजकाज की भाषा का स्थान लेने के लिए पंद्रह साल की अवधि 25 जनवरी 1965 को पूरी हो रही थी। तब क्षेत्रीय द्रविड़ राजनीति को हिंदी विरोध में अपनी राजनीतिक राह दिखी। तमिल उपराष्ट्रीयता को उन्होंने हिंदी विरोध के नाम उभारा और स्थानीय लोक को अपने पक्ष में लामबंद किया। इसकी वजह से भारत सरकार को हिंदी को राजकाज की भाषा बनाने के संवैधानिक आग्रह को अनंत काल के लिए कानूनी तौर पर टालना पड़ा। इन अर्थों में तमिलनाडु का हिंदी विरोधी आंदोलन सफल कहा जाएगा। उसी वक्त से तमिलनाडु के सरकारी विद्यालयों में त्रिभाषा फॉर्मूला लागू नहीं है, जबकि तकरीबन समूचे देश में पढ़ाई के लिए त्रिभाषा यानी स्थानीय भाषा, हिंदी और अंग्रेजी की पढ़ाई की सुविधा लागू है। साल 2020 में आई नई शिक्षा नीति में फिर से प्राथमिक स्तर से ही त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करने की बात की गई है और स्टालिन का हिंदी विरोध इसी फॉर्मूले के विरोध के साथ उभरा है। तमिलनाडु के सरकारी विद्यालयों से हिंदी भले ही दूर हो, लेकिन सीबीएसई बोर्ड के पाठ्यक्रम लागू करने वाले विद्यालयों में हिंदी की पढ़ाई हो रही है। अखिल भारतीय नौकरियों के मद्देनजर स्थानीय लोग अपने बच्चों को सीबीएसई बोर्ड वाले स्कूलों में पढ़ा तो रहे ही हैं, बच्चों को अलग से हिंदी की कोचिंग भी दिला रहे हैं। गुरूमूर्ति के अनुसार, तमिलनाडु में सीबीएसई बोर्ड वाले स्कूलों में साठ लाख विद्यार्थी पढ़ रहे हैं, जबकि तमिलनाडु सरकार के विद्यालयों में करीब 83 लाख बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि तमिलनाडु सरकार के विद्यालयों के बच्चे हिंदी से दूर हैं, जिनकी संख्या सीबीएसई विद्यालयों के विद्यार्थियों का करीब एक सौ बीस गुना ज्यादा है। तमिलनाडु की आज की प्रौढ़ हो चुकी पीढ़ी में एक वर्ग ऐसा भी है, जो सोचता है कि हिंदी विरोधी आंदोलन में हिस्सा लेकर उसने गलती की। इस गलती को सुधारने के लिए वह पीढ़ी अपने बच्चों को हिंदी से घृणा करना सीखने-सिखाने से बचती है। इसके अलावा दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा अब तक सवा दो करोड़ से ज्यादा लोगों को हिंदी सिखा और पढ़ा चुकी है। इसी साल उससे जुड़े विद्यार्थियों की संख्या पांच लाख से कुछ ज्यादा ही है।

दृष्टि कोण

बासंतिक शोभना का शिखर होली

फाल्गुन माह के आगामी शोभित-स्वर्णिम दिनों में होली आएगी। काश यह 'आएगी' की वास्तविकता प्रत्येक सप्ताह पुनः-पुनः घटती। काश होली का दिवसीय मध्याह्न सदैव के लिए ठहर जाता। काश होलिका दहन की रात्रि हर दो दिन बाद प्रकट होती। मौसम की अस्थिरता, कुरूपता, प्रतिकूलता और विकृतियों से पीड़ित प्रत्येक संवेदनशील व्यक्ति के अंतर्मन में ऐसे ही दार्शनिक विचार उमड़ते रहते हैं। जब कोई दिवस, त्योहार या उत्सव सुंदर-सुभाषित मौसम के साथ उपस्थित होता है तो एक अप्रत्याशित इच्छा उभरती है कि काश आगे का जीवन-समय ऐसी ही सुंदरता-सुभाषिता के साथ बीते। किंतु ऐसा होने या घटने की मनुष्य के पास केवल दार्शनिक कल्पना ही है। वास्तव में इस युग में पृथ्वी पर ऐसा होना असंभव है। इस लेखक के जीवनकाल में तो ऐसा होना संभव है ही नहीं। बाद में चमत्कार द्वारा ऐसा हो जाए, तो सुंदर दार्शनिक कल्पनाओं के साथ जीने वाले उस समय के व्यक्तियों का सौभाग्य। होली के त्योहार से पहले के दस-पंद्रह दिन सौंदर्य, माधुर्य, आश्चर्य और सहचर्य से परिपूर्ण होते हैं। होलिका दहन की विशिष्ट रात्रि और होली का विशेष दिवस, दोनों ही प्राकृतिक सौंदर्य के सर्वाधिक आकर्षक स्वरूप होते हैं। जहां फाल्गुन माह की पूर्णिमा रजनी के प्रति सम्मोहन बढ़ाती है, वहां रंगों से भरा वातावरण दिवस के प्रति मुग्धता में वृद्धि करता है। वर्षों पहले होली जैसे उत्सव जन-जन के हृदय में वह आनंद भरते थे, जो जीवन-संघर्ष की पीड़ाओं का औषध बनकर हरण करते थे। जब तक होली ग्रामीण भारत में पारंपरिक विधि-विधानों के साथ मनाई जाती थी, तब तक मनुष्य के जीवन का सबसे आनंदित पक्ष हुआ करती थी। भारतीय संस्कृति की अग्रणी उत्सवी विरासत थी होली कभी। भारत के ग्राम्य जीवन की परंपराओं का ऋतु प्रसाद थी होली। ऐसे व्यतीत समय का स्मृतिविहार करते-करते बचपन याद हो आता है। हिमालय की तलहटी के गांवों में होलिका उत्सव एक या दो दिनों का नहीं, अपितु महीनों का उत्सव हुआ करता था। गांव के युवक मंत्रोच्चारण व वैदिक कर्मकांड करने के बाद 'पंय्या' नामक पवित्र वृक्ष की एक बड़ी टहनी काटकर लाते और गांव के किसी आकर्षक-आह्लादित स्थल पर उसे खड़ा करके उसे होलिका का स्वरूप प्रदान करते। वृक्ष के चहुंओर उपलों का ढेर लगाया जाता। फाल्गुन पूर्णिमा की रात तक प्रतिदिन लकडियां ला-ला कर वहां रखी जातीं। पूर्णिमा तक उपलों और शुष्क लकडियों का ढेर टहनी की ऊंचाई तक पहुंच जाता। युवक उसके चहुंओर मानव-श्रृंखला बनाकर घूमते। गीत-गायन करते। यंत्र-वादन करते। युवकदल अपने गांव के प्रत्येक घर और दूसरे गांवों के घर-घर जा कर भी ऐसा ही उपक्रम करते। प्रातःकाल से पूर्व अपने गांव लौट आते। चंद्र दीप्ति से पूर्ण रात्रियों में पहाड़ों के गांवों-गांवों की पदयात्रा करना कितना अनुपम और मनोहर उत्सवीकर्म होता! होली उत्सव का यह स्वरूप मानवीय और सामाजिक संबंधों को गहन करता था। ऐसा त्योहारी उपागम मानव की दृष्टि-अंतर्दृष्टि को जीवंत बनाता था। उसे मानवीयता से संचित किया करता था। यदि होली उत्स को पौराणिक, धार्मिक और सामाजिक प्रसंगों से पृथक कर केवल प्राकृतिक रूप, स्वरूप, रंग व तत्त्वों के साथ एकाकार होने तक सीमित कर मनाया जाए, तो भी यह धरती का अप्रतिम उत्स बन जाता है। सतयुग, राजा हिरण्यकश्यप, हिरण्यकश्यप के पुत्र भक्त प्रह्लाद, प्रह्लाद की बुआ होलिका और नरसिंह भगवान के स्वरूप में श्रीविष्णु के अवतरण के पौराणिक चरित्रों-पात्रों के साथ होली को न भी संबद्ध करें, तो भी होली विहंगम है। किंतु जब उत्सव की आधारशिला ही उक्त युग और उसके चरित्र-पात्र थे, तो तब कोई नास्तिक ही होगा जो इन्हें छोडक़र उत्सवी रंग में स्वयं को रंगना चाहेगा। होली के पुरातन, प्राचीन, पौराणिक और सर्वोपरि प्राकृतिक भाव-विचारों के साथ रंगोत्सव में डूबना वास्तव में मुक्ति का जीता-जागता अभ्यास है। बासंती सम्मोहन में डूबकर कौन होगा जो मोक्ष जैसी अनुभूतियां नहीं करता होगा! वर्षभर ऋतु जैसी भी हो, परंतु होलिका दहन की रात और रंगक्रीड़ा के दिवस में ऋतु साक्षात सौंदर्य आभा बनकर प्रकट होती है। बासंतिक शोभना द्वारा संपूर्ण भूलोक एक दिव्यलोक में परिवर्तित हो जाता है। बसंत ऋतु के यौवन का चरमोत्कर्ष होती है फाल्गुन पूर्णिमा। भू की अनुभूति स्वर्गिक हो उठती है इस दिन। सेमल, पलाश या टेसू, बुरांश इत्यादि प्रजातियों के वृक्ष अपने लालरंगी पुष्पों के साथ धरती की सुषमा को व्योम तक फैला देते हैं। व्यक्ति की संवेदनाएं ऐसे व्योम को स्पर्श करने के लिए आतुर हो उठती हैं।

कुछ अलग

बदहाली की शिक्षा

हरियाणा के सरकारी स्कूल जिस बदहाली से गुजर रहे हैं उसका निष्कर्ष यही है कि ये स्कूल बीमार भविष्य के कारखाने साबित हो सकते हैं। हरियाणा के प्राथमिक शिक्षा विभाग द्वारा हाल में किए गए युक्तीकरण के प्रयासों से राज्य में सार्वजनिक शिक्षा की निराशाजनक स्थिति ही उजागर हुई है। सबसे अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि राज्य में 487 सरकारी प्राथमिक विद्यालय बिना किसी शिक्षक के संचालित किए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर विडंबना यह है कि करीब 294 स्कूलों में कोई छात्र नामांकित नहीं है। निश्चय की छात्रों के मोहभंग के कारणों को समझना कठिन नहीं है। निश्चित रूप से यदि प्राथमिक शिक्षा की यह तस्वीर है तो माध्यमिक और उच्च शिक्षा की स्थिति और भी खराब हो सकती है। विडंबना यह भी है कि शिक्षा व्यवस्था को युक्तिसंगत बनाने की कवायद में शिक्षकों की बड़ी कमी के बावजूद पांच हजार से अधिक शिक्षकों के पद समाप्त हो गए हैं। हालांकि, छात्र-शिक्षक अनुपात 28:1 प्रबंधनीय लग सकता है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे कहीं ज्यादा खराब है। लगभग 16,500 से अधिक टीजीटी और 11,341 पीजीटी शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। इतना ही नहीं राज्य के विश्वविद्यालय और कालेज भी शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। यहां तक कि सरकारी कॉलेजों में भी व्याख्याताओं के लगभग आधी पद खाली हैं। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि राज्य में योग्य बेरोजगारों की बड़ी संख्या के बावजूद ये पद खाली पड़े हैं। जो व्यवस्थागत खामियों की ओर ही इशारा करते हैं। विसंगति यह भी है कि बजटीय उपेक्षा ने समस्या को और बढ़ा दिया है। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पिछले साल एक संबंधित मामले में एक याचिका पर सुनवाई करते हुए आवंटित बजट का समय रहते उपयोग न कर पाने के कारण शिक्षा निधि में 10,675 करोड़ रुपये वापस लौटने का उल्लेख किया था। जो शिक्षा विभाग की उदासीनता की ही तस्वीर ही उकेरता है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि एक ओर वित्तीय संसाधनों की कमी की बात कही जाती है और दूसरी ओर शिक्षा निधि में उपयोग न किए गए धन को लौटाने की बात सामने आ रही है। जाहिरा तौर पर यदि आवंटित धन का प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं किया जा रहा है तो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का दावा निरर्थक ही साबित होगा। कमोवेश शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठाये जाते रहे हैं। कहा जा रहा है कि हरियाणा के सरकारी स्कूलों के छात्रों का अंकगणितीय ज्ञान और साक्षरता का कौशल पंजाब व पड़ोसी राज्य हिमाचल से कमतर ही है। हाल में जारी वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट यानी एएसईआर 2024 एक गंभीर स्थिति को ही उजागर करती है। वार्षिक स्थिति रिपोर्ट में उजागर हुआ है कि ग्रामीण स्कूलों में कक्षा आठवीं तक के केवल 43.1 प्रतिशत छात्र ही गणित में भाग की गणनाएं कर सकते हैं। जो कि वर्ष 2022 में 49.5 प्रतिशत से कम ही है। जबकि दूसरी ओर पंजाब के स्कूलों के छात्र 58 फीसदी के साथ सबसे आगे हैं। उसके बाद हिमाचल प्रदेश 44 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर पढ़ने का कौशल भी उतना ही चिंताजनक है। ऐसे में शिक्षा क्षेत्र गिरावट का ट्रेंड ही नजर आएगा। जाहिर है इससे छात्रों का ही नुकसान होगा। दरअसल, शिक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियों को संबोधित करने की जरूरत है। निस्संदेह, सरकारी स्कूलों में समाज के कमजोर वर्ग के बच्चों की ही अधिकता होती है। समाज के वंचित वर्ग के छात्र भी बड़ी संख्या में इन स्कूलों में दाखिले लेते हैं।

देश दुनिया से

नवाचार और अवसरों पर आधारित हो बजट

सुख का वायदा करने वाली हिमाचल प्रदेश सरकार का विधानसभा का बजट सत्र 10 मार्च से शुरू होगा। 17 मार्च को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू हिमाचल का बजट पेश करेंगे। जनता की बहुत सी उम्मीदें इस बजट पर टिकी हैं। व्यवस्था परिवर्तन को मद्देनजर रखते हुए सरकार ने कुछ ऐसे सख्त निर्णय भी लिए हैं जिससे प्रशंसा, आलोचना और वित्तीय खामियाजा भी भुगतना पड़ा है। हिमाचल प्रदेश का 2025-26 का बजट आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होना चाहिए, जिससे राज्य की आर्थिक स्थिति को सुधारने में मदद मिले। वर्तमान में हिमाचल प्रदेश विभिन्न आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिनमें बढ़ता घाटा, ऋण का बोझ और राजस्व की सीमित संभावनाएं प्रमुख हैं। मार्च 2025 तक हिमाचल सरकार पर कर्ज और बढकर लगभग 95 हजार करोड़ रुपए का हो जाएगा। इस कठिन परिस्थिति में आत्मनिर्भरता ही एकमात्र समाधान हो सकता है, जिसके लिए सरकार को स्थानीय संसाधनों का कुशल प्रबंधन और नवाचार को बढ़ावा देना होगा। राज्य की अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए सबसे पहले कृषि और बागबानी क्षेत्र में सुधार की जरूरत है। हिमाचल की जलवायु और भौगोलिक स्थिति इसे जैविक कृषि और विशेषकर फल उत्पादन के लिए उपयुक्त बनाती है। किसानों को आधुनिक तकनीकों, विपणन सुविधाओं और प्रसंस्करण इकाइयों से जोड़ा जाए, ताकि वे अपनी उपज का अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें। पर्यटन उद्योग को आत्मनिर्भर बनाने के लिए होमस्टे, इको-टूरिज्म और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही, धार्मिक पर्यटन को व्यवस्थित कर इसे स्थायी राजस्व का स्रोत बनाया जा सकता है। पर्यटन में स्थानीय उत्पादों को भी जोड़ा जाए, ताकि हस्तशिल्प, लोक कला और स्थानीय व्यंजनों को नया बाजार मिले। जल विद्युत परियोजनाओं की क्षमता को पूरी तरह उपयोग में लाने और बिजली निर्यात से अधिक राजस्व प्राप्त किया जा सकता है। कृषि और बागबानी में नवाचार और प्रसंस्करण उद्योगों को प्रोत्साहन देकर किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है, जिससे सरकार को भी अधिक राजस्व मिलेगा। बागबानी उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए लॉजिस्टिक्स और कोल्ड स्टोरेज सुविधाएं मजबूत करनी होंगी। औद्योगिक विकास के लिए राज्य में निवेश को आकर्षित करने की नीतियां बनानी होंगी, खासकर आईटी और फार्मा सेक्टर में। साथ ही, छोटे और मध्यम उद्यमों को समर्थन देकर स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देना जरूरी होगा। पर्यटन, परिवहन और शराब जैसे क्षेत्रों में कर नीति को संतुलित और व्यावहारिक बनाना होगा, ताकि सरकारी राजस्व बढ़े और अवैध गतिविधियों पर रोक लगे। सरकारी खर्चों को नियंत्रित करने के लिए फिजूलखर्ची पर अंकुश लगाना, प्रशासनिक सुधार लाना और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना आवश्यक होगा। केंद्र सरकार की योजनाओं और अनुदानों का पूरा लाभ उठाना, साथ ही बाहरी निवेश की फंडिंग को आकर्षित करने के लिए बेहतर नीति बनानी होगी। राज्य में आधारभूत ढांचे, विशेष रूप से सडक़, स्वास्थ्य और शिक्षा पर ध्यान देने से समग्र आर्थिक विकास संभव होगा, जिससे सरकार को चलाने में वित्तीय मजबूती मिलेगी। ऊर्जा क्षेत्र में राज्य को सौर और पनबिजली परियोजनाओं में निवेश करना चाहिए। हिमाचल की भौगोलिक स्थिति इसे हरित ऊर्जा उत्पादन के लिए आदर्श बनाती है। सरकार को निजी निवेश को आकर्षित करने और स्थानीय उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए अनुकूल नीतियां बनानी होंगी। औद्योगिक क्षेत्र में छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देकर रोजगार सृजन पर ध्यान देना होगा। पारंपरिक उद्योगों को पुनर्जीवित करने के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाना आवश्यक है। इसके लिए स्टार्टअप्स को सरकारी सहयोग और पूंजी निवेश की सुविधा दी जानी चाहिए। शिक्षा और कौशल विकास में निवेश कर राज्य के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार तकनीकी प्रशिक्षण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने से बेरोजगारी की समस्या कम होगी। सरकार को वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए व्यय को नियंत्रित करना होगा। गैर-जरूरी खर्चों को कम कर शिक्षा, स्वास्थ्य, अवसंरचना और कृषि पर अधिक निवेश करना फायदेमंद होगा। हिमाचल प्रदेश में आर्थिक नीतियों को सुधारने के लिए कुछ ठोस कदम उठाने की जरूरत है। सबसे पहले, पर्यटन को और अधिक संगठित और टिकाऊ बनाया जाए ताकि यह स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और सरकार के लिए राजस्व का मजबूत स्रोत बन सके। इससे जुड़े बुनियादी ढांचे को बेहतर किया जाए और पर्यटकों के लिए नए आकर्षण विकसित किए जाएं। कृषि और बागबानी क्षेत्र में नवाचार और आधुनिक तकनीकों का समावेश किया जाए ताकि किसान कम लागत में अधिक उत्पादन कर सकें। जैविक खेती को बढ़ावा देना, फसल विविधीकरण अपनाना और विपणन की आधुनिक व्यवस्था विकसित करना आवश्यक है। इससे किसानों की आय बढ़ेगी और वे आर्थिक रूप से सशक्त होंगे। हाइड्रोपावर और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दिया जाए, जिससे न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे बल्कि प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकताओं को भी पूरा किया जा सकेगा। इस क्षेत्र में निजी और सरकारी भागीदारी को मजबूत करना चाहिए। स्थानीय उद्योगों और हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए नए बाजारों की तलाश की जाए और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों के माध्यम से इनका प्रचार किया जाए। इससे छोटे व्यवसायों और पारंपरिक कारीगरों को सीधा लाभ मिलेगा। बेरोजगारी की समस्या को दूर करने के लिए कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देना जरूरी है। सरकार को युवाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने चाहिए ताकि वे स्वरोजगार और स्टार्टअप की ओर बढ़ सकें। अंत में, पारदर्शी और दूरदर्शी आर्थिक नीतियां बनाई जाएं, भ्रष्टाचार पर सख्ती से अंकुश लगाया जाए और सरकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, ताकि प्रदेश की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। हिमाचल प्रदेश के लिए 2025-26 का बजट आत्मनिर्भरता और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। यदि सरकार इन उपायों को प्राथमिकता देती है, तो राज्य आर्थिक संकट से उबर सकता है।

आप का नजरिया

रेवड़ियां 'भीख' नहीं

मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री प्रह्लाद पटेल ने आम जनता को 'भिखारी' करार दिया है। मंत्री जी परेशान हैं कि लोग नेता को देख कर अपने कागज आगे बढ़ाने लगते हैं, मांगें करने लगते हैं, बच्चे के लिए नौकरी मांगने लगते हैं। ऐसा लगता है मानो जनता भिखारी बन भीख मांग रही हो! संदर्भ कुछ भी हो या मंत्री की मनःस्थिति ठीक न हो, लेकिन असल भिखारी तो नेता-मंत्री ही होते हैं, जो चुनाव के दौरान एक-एक वोट के लिए जनता से गुहार करते हैं। आखिर प्रह्लाद पटेल को विधायक और मंत्री किसने बनाया? यदि वह आम आदमी की बात नहीं सुनेंगे और उसकी मांग पूरी करने की कोशिश नहीं करेंगे, तो वह सत्ता में क्यों हैं? क्या जनता उनकी आरती उतारे? लोकतंत्र में बुनियादी ताकत जनता में ही निहित है, जिसका मताधिकार विधायक-सांसद चुनता है। बाद में वे सरकार में मंत्री पद हासिल करते हैं। प्रह्लाद पटेल केंद्र की मोदी सरकार में भी मंत्री थे। वहां से उन्हें राज्य की राजनीति में लाया गया। संभव है कि वह कुंठा आज भी उनके भीतर जमा हो! लोकतंत्र में चुने हुए चेहरे 'जनसेवक' कहलाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी खुद को देश का 'प्रधान सेवक' मानते हैं। उन्होंने 11 साल की सत्ता के दौरान एक बार भी जनता को 'भिखारी' करार नहीं दिया। इधर कुछ नेताओं ने बदजुबान की भाषा बोलनी शुरू कर दी है। कोई विधायक एक मतदाता की औसत कीमत 2000 रुपए आंकता है और 'वेश्या' को उससे बेहतर मानता है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा था कि आपने मुझे वोट दिया, लेकिन इसके मायने ये नहीं हैं कि आप मेरे 'बॉस' हो गए। यह कैसी राजनीतिक संस्कृति है? इधर राजनीति में मुफ्तखोरी की रेवडियां बांटने का जो चलन व्यापक होता जा रहा है, दरअसल वह एक लालच है, रिश्वत है, उसे राजनीतिक दल 'भीख' नहीं मान सकते। यदि किसी ने रेवडियों को 'भीख' करार दिया है, तो उसके लिए जिम्मेदार और दोषी भी राजनीतिक जमात है। रेवडियां बांटना उसने ही अपने स्वार्थ के मद्देनजर शुरू किया था। अब यह मुफ्तखोरी देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर रही है, क्योंकि रेवडियां बांटने के लिए पैसा चाहिए और सरकारों के पास पूंजी का घोर संकट है। ऐसा कोई भी राज्य नहीं है, जिसने रेवडियां बांटने के लिए कर्ज न लिया हो। दो उदाहरण गौरतलब हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जब 'किसान सम्मान निधि' की योजना का सूत्रपात किया था, तो उसके दायरे में करीब 14 करोड़ किसान थे, लेकिन अब यह संख्या घटकर करीब 8.5 करोड़ किसानों तक लुढक़ आई है। उन्हें ही 6000 रुपए सालाना की यह कथित रेवड़ी बांटी जा रही है। खुद प्रधानमंत्री रेवडियों की राजनीति के खिलाफ हैं, लेकिन भाजपा सरकारें भी कर्ज लेकर घी पिला रही हैं। ताजातरीन मामला दिल्ली अद्र्धराज्य की सरकार का है। 8 मार्च को 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जनता को आश्वस्त किया है कि उस तारीख तक 2500 रुपए पात्र महिलाओं के खातों में जमा करा दिए जाएंगे। यह रेवड़ी बांटने पर ही सरकार को करीब 21,000 करोड़ रुपए चाहिए। दिल्ली का बजट करीब 77,000 करोड़ रुपए का है। उसमें से करीब 64,000 करोड़ रुपए वेतन, भत्तों, पेंशन आदि में खर्च हो जाते हैं।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

पारंपरिक और घरेलू उपायों से महिलाएं करती थी गर्भावस्था की पुष्टि

काहिरा, 05 मार्च (एजेंसियां)।

प्राचीन काल में महिलाएं अपने शरीर में होने वाले बदलावों के अलावा कुछ पारंपरिक और घरेलू उपायों का इस्तेमाल करके गर्भावस्था की पुष्टि करती थीं। प्राचीन मिस्र और रोम की महिलाओं द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले एक अनोखे तरीके में गेहूं और जौ के बीजों का उपयोग किया जाता था।

इस परीक्षण में महिला के यूरिन को गेहूं और जौ के बीजों पर डाला जाता था। अगर बीज अंकुरित हो जाते थे, तो इसे गर्भवती होने का संकेत माना जाता था। यह तरीका इतना लोकप्रिय था कि वैज्ञानिकों ने 1960 के दशक में इसका अध्ययन किया और पाया कि इसकी सटीकता लगभग 70 प्रतिशत तक हो सकती है।

इसके अलावा, पुराने समय में हकीम और वैद्य महिला की नब्ज देखकर भी गर्भावस्था का पता लगाते थे। वे महिला की कलाई पकड़कर उसकी धड़कनों को महसूस करते थे और मानते थे कि अगर नब्ज की गति सामान्य से तेज हो गई है, तो महिला गर्भवती हो सकती है।

हालांकि, यह तरीका पूरी तरह से वैज्ञानिक नहीं था, लेकिन उस समय इसे एक विश्वसनीय उपाय माना जाता था। महिलाएं अपने शरीर में होने वाले बदलावों को भी गर्भावस्था का संकेत मानती थीं।

इनमें पीरियड्स मिस होना, सुबह कमजोरी और उल्टी आना, अचानक थकान महसूस होना, स्तनों में बदलाव और शरीर में हल्की सूजन जैसी चीजें शामिल होती थीं। ये लक्षण भी गर्भावस्था के शुरुआती संकेत माने जाते हैं। इसके अलावा, कुछ पारंपरिक परीक्षणों में महिला के यूरिन को खास जड़ी-बूटियों या अन्य पदार्थों के साथ मिलाकर जांचा जाता था। अगर यूरिन का रंग बदल जाता था या उसमें कोई विशेष प्रतिक्रिया होती थी, तो इसे गर्भावस्था की पुष्टि का संकेत माना जाता था।

घरेलू प्रेग्नेंसी टेस्ट किट का आविष्कार 1969 में हुआ था। 1971 में यह कनाडा में और 1977 में अमेरिका में उपलब्ध हुई। इस तकनीक ने महिलाओं के लिए प्रेग्नेंसी टेस्ट को आसान और सटीक बना दिया। महिलाएं घर बैठे ही अपनी गर्भावस्था की पुष्टि कर सकती हैं, जो मेडिकल साइंस की एक बड़ी उपलब्धि है। बता दें कि के दौर में महिलाओं के लिए प्रेग्नेंसी टेस्ट करना बेहद आसान हो गया है। बाजार में मिलने वाली टेस्ट किट से कुछ ही मिनटों में यह पता लगाया जा सकता है कि कोई महिला गर्भवती है या नहीं।

न्यूज ब्रीफ

नई दिल्ली रायसीना डायलॉग 2025 में नेपाल की विदेशमंत्री आरजू राणा होंगी शामिल

काठमांडू। नई दिल्ली में आयोजित होने वाले रायसीना डायलॉग 2025 में नेपाल का प्रतिनिधित्व विदेशमंत्री डॉ. आरजू राणा करेंगी। वह 16 मार्च को नई दिल्ली पहुंचेंगी। इसका आयोजन भारतीय विदेश मंत्रालय के सहयोग से ऑब्जर्बर रिसर्च फाउंडेशन कर रहा है। 17- 19 मार्च तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में दुनिया के कई देशों का प्रतिनिधित्व होगा। नेपाल की विदेशमंत्री डॉ. आरजू ने बताया कि भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर सहित अन्य मंत्रियों से मुलाकात के लिए भी समय मांगा गया है। नई दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास इसके लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। भारत में नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर शर्मा ने मंगलवार को भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री से मुलाकात कर उनकी नई दिल्ली यात्रा की औपचारिक जानकारी दी है। विदेशमंत्री का कार्यभार संभालने के बाद डॉ. आरजू का यह तीसरा भारत दौरा होगा। मंत्री बनने के साथ ही सितंबर 2024 में भारत पहुंचीं डॉ. आरजू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेशमंत्री जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भेंट की थी। इसके बाद दिसंबर में भी वह भारत की यात्रा पर रहीं। फरवरी 2025 में मस्कट में इंडिया फाउंडेशन के एक कार्यक्रम में उनकी मुलाकात जयशंकर से हुई थी। विदेशमंत्री डॉ. राणा ने वह भारत के प्रधानमंत्री को नेपाल में मई महीने में होने वाले सागरमाथा संवाद के लिए सरकार की तरफ से निमंत्रण देंगी। पहले इस कार्यक्रम में उप प्रधानमंत्री और वित्तमंत्री विष्णु पौडेल का नाम भेजा गया था। एक अग्निकांड में उनके झुलस जाने के बाद विदेशमंत्री को भेजने का फैसला किया गया।

म्यांमार में 4.7 तीव्रता का भूकंप, लोगों में दहशत का माहौल

यांगून। दुनियाभर में भूकंप की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इसी कड़ी में, 5 मार्च की सुबह म्यांमार में 4.7 तीव्रता के भूकंप से धरती हिली है। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अब तक किसी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन लगातार आ रहे भूकंपों ने दुनियां के लोगों की चिंता बढ़ा दी है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र म्यांमार में 32 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप का असर आसपास के इलाकों में भी महसूस किया गया। अब तक म्यांमार में आए इस भूकंप से किसी बड़ी हानि की खबर नहीं आई है, लेकिन प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। वैज्ञानिकों की सलाह है कि भूकंप के दौरान घबराने की बजाय सावधानी बरतें और सुरक्षा उपायों का पालन करें। इससे पहले हाल ही में दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, फरीदाबाद, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, तिब्बत और बिहार में भी भूकंप के झटके दर्ज किए गए थे, जिससे लोग आशंकित हैं कि कहीं यह किसी बड़े खतरे का संकेत तो नहीं। विशेषज्ञों के अनुसार, बार-बार आ रहे भूकंप के झटके टेक्टोनिक प्लेट्स की सक्रियता को दर्शाते हैं। हालांकि, कुछ भविष्यवाणियों में दावा किया गया है कि 2025 के बाद पृथ्वी गंभीर प्राकृतिक संकटों का सामना कर सकती है, लेकिन वैज्ञानिक इन दावों को मात्र अटकलें बताते हैं और भूकंप को एक सामान्य भौगोलिक प्रक्रिया मानते हैं। बावजूद इसके, लगातार झटकों से लोगों के मन में डर का माहौल बना हुआ है।

पाक में हथियारबंद लोगों ने ग्वादर जिले में कई वाहनों को आग लगाकर फूंका

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने कई वाहनों को आग लगाकर फूंक दिया। यह वारदात सोमवार देररात अशांत बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर जिले में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, ग्वादर जिले में पसनी और ओरमारा के बीच मकरान तटीय राजमार्ग-10 को अवरुद्ध करने के बाद रसोई गैस टैंकर सहित कई वाहनों में आग लगा दी गई। यह जिला बलूचिस्तान प्रांत के दक्षिण में है। इसकी सीमा दक्षिण में अरब सागर और पश्चिम में ईरान के सिस्तान से लगती है । अधिकारियों ने कहा कि हथियारबंद लोगों के बड़े समूह ने सबसे पहले राजमार्ग के मकोला क्षेत्र में बैरिकेडिंग की। इसके बाद गुजरने वाले वाहनों को रोका। उन्होंने कराची से ईरान लौट रहे खाली एलपीजी टैंकरों सहित कई वाहनों को नियंत्रण लेने के बाद आग लगाकर फूंक दिया। एसएसपी (हाइवे पुलिस) हाफिज बलूच ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आग लगाकर फूंके गए वाहनों में छह एलपीजी टैंकर और एक हाइवे पुलिस का वाहन शामिल है। तीन एलपीजी टैंकर किसी काम के नहीं बचे हैं।

अमेरिका में स्वर्ण युग शुरू, कांग्रेस के संयुक्त सत्र में बोले ट्रंप

वाशिंगटन, 05 मार्च (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय समयानुसार बुधवार को अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। दूसरे कार्यकाल के अपने पहले संबोधन में राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी जीत का जश्न मनाया। बोले स्वर्ण युग अब शुरू हुआ है। उन्होंने अपनी सबसे बड़ी उपलब्धियों को भी गिनाया। इनमें अमेरिका की खाड़ी का नाम बदलना, ट्रांसजेंडर विचारधारा पर हमला करना, आप्रवासन पर नकेल कसना और सरकार में विविधता पहल को खत्म करना शामिल है।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का स्वर्ण युग अभी शुरू हुआ है। यह ऐसा कुछ होगा जो पहले कभी नहीं देखा गया है। इस दौरान रिपब्लिकन ने खड़े होकर जोरदार तालियां बजाईं। इस दौरान कुछ डेमोक्रेट्स ने राष्ट्रपति के संबोधन में खलन डालने की कोशिश की। सार्जेंट ऑफ आर्म्स ने अल ग्रीन (डी. टेक्सास) को बाहर निकाल दिया। कुछ डेमोक्रेटिक सांसद उनका भाषण शुरू होने से पहले ही बाहर चले गए।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कांग्रेस से बिडेन-युग के कानून को रद्द करने का आह्वान किया। ट्रंप ने अपने शुरुआती भाषण में आव्रजन उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कांग्रेस से बच्चों में लिंग-संबंधी सर्जरी पर स्थायी रूप से प्रतिबंध लगाने और अपराधीकरण करने वाला विधेयक पारित करने का आह्वान किया।

उन्होंने खुलासा किया कि काबुल हवाई अड्डे पर 2021 के घातक आत्मघाती हमले की योजना बनाने में शामिल एक अफगान को अमेरिका लाया जा रहा है। ट्रंप ने कहा कि अफगानिस्तान में स्थित इस्लामिक स्टेट शाखा के एक वरिष्ठ सदस्य को पाकिस्तान ने अमेरिकी अधिकारियों को सौंप दिया है। अमेरिकी अधिकारियों ने उसकी पहचान मोहम्मद शरीफुल्लाह के रूप में की है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दो दिन पहले उन्होंने अंग्रेजी को अमेरिका की आधिकारिक भाषा बनाने के आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। अमेरिका को उन पर भरोसा है। बाइडन अब तक के सबसे खराब राष्ट्रपति हैं। बाइडन के कार्यकाल में घुसपैठ बढ़ी थी। उन्होंने दावा किया कि उनके प्रशासन ने महज 43 दिन में वो कर दिखाया, जो पिछली सरकारों ने चार साल में भी नहीं किया।

नाटो और संयुक्त राष्ट्र छोड़ने पर ट्रंप प्रशासन कर रहा मंथन, ऐसा हुआ तो यूरोप को लगेगा झटका

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कूटनीति के मायने बदल दिए हैं। कूटनीति में यह माना जाता था कि भले ही जमीनी स्तर पर मैत्री कायम न हो, लेकिन औपचारिक भाषा में मर्यादा बनी रहनी चाहिए, लेकिन ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से कूटनीतिक भाषा ही बदल गई है। डोनाल्ड ट्रंप को खरा बोलने की आदत है और इसके चलते यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से उनकी तीखी बहस भी हुई। दो देशों के राष्ट्रपतियों की मुलाकात का यह एकमात्र ऐसा नजारा था, जिसमें इस तरह की बहस देखी गई। रूस से जंग खत्म करने का दबाव डालते हुए ट्रंप आक्रामक थे तो जेलेंस्की भी झुकने को तैयार नहीं थे, लेकिन अमेरिका ने यूक्रेन को दी जाने वाली मदद रोक कर करारा झटका दिया है। अब चिंता में यूरोप भी है। इसकी वजह है कि ट्रंप प्रशासन में इस बात पर मंथन चल रहा है कि अमेरिका को नाटो ही छोड़ देना चाहिए या नहीं। नाटो में ज्यादातर यूरोपीय देश ही हैं। उससे बाहर के कुछ देशों में तुर्की और अमेरिका शामिल हैं। नाटो का संकल्प है कि यदि किसी भी मित्र देश पर हमला होता है तो सभी मिलकर उससे लड़ेंगे। यही वजह है कि यूरोप के ज्यादातर देश नाटो का हिस्सा हैं और किसी भी जंग में अमेरिकी मदद चाहते हैं। वहीं एलन मस्क समेत ट्रंप के ज्यादातर साथियों का कहना है कि अमेरिका को इस गठबंधन से निकल जाना चाहिए।

जयशंकर लंदन में मिले कीर स्टार्मर से, द्विपक्षीय संबंधों और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

लंदन, 05 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर ने मंगलवार देरशाम यहां ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से मुलाकात की। इस दौरान जयशंकर ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात 10 डाउनिंग स्ट्रीट में हुई। जयशंकर ने इस मुलाकात का विवरण और कुछ फोटो अपने एक्स हैंडल पर साझा किए हैं।

जयशंकर ने कहा कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर के साथ उनकी मुलाकात में द्विपक्षीय सहयोग के अलावा रूस-यूक्रेन संघर्ष पर ब्रिटेन के दृष्टिकोण संबंधी मुद्दे रहे। जयशंकर ने मुलाकात के दौरान हुई चर्चा के संदर्भ में एक्स पर लिखा, हमारे द्विपक्षीय, आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने और लोगों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने पर चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री स्टार्मर ने यूक्रेन संघर्ष पर ब्रिटेन के दृष्टिकोण को भी साझा किया।

विदेशमंत्री जयशंकर ने अपनी छह दिवसीय ब्रिटेन और आयरलैंड की आधिकारिक यात्रा के पहले दिन लंदन में कई मंत्रियों से भी मुलाकात की। उन्होंने ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स और गृहमंत्री यवेट कूपर के साथ भी भेंटवार्ता की।

जयशंकर और यवेट कूपर ने मुलाकात में ट्रैफिकिंग, आतंकवाद और अन्य सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं शैक्षिक आदान-प्रदान पर चर्चा की। इसके बाद वह अपने समकक्ष डेविड लैमी से मिले। जयशंकर ने शेवेनिंग हाउस में गर्मजोशी से स्वागत के लिए उनका आभार जताया। जयशंकर ने कहा कि लैमी के साथ भारत के शेवेनिंग स्कॉलर्स से मिलकर बहुत अच्छा लगा।

रहस्यमयी बीमारी से 50 से अधिक लोगों की मौत

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी कांगो में एक रहस्यमयी बीमारी ने लोगों में दहशत फैला दी है। अब तक इस बीमारी से 50 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 419 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। बीमारी के लक्षण दिखने के 48 घंटे के भीतर ही मरीजों की मौत हो रही है। यह प्रकोप 21 जनवरी को शुरू हुआ था और इसके फैलने की रफ्तार को लेकर वैज्ञानिकों में भी चिंता बढ़ गई है। डब्ल्यूएचओके अफ्रीका कार्यालय ने बताया कि इस बीमारी का पहला मामला बोलोको शहर में तब सामने आया जब तीन बच्चों ने चमगादड़ का सेवन किया था।

अमेरिका से निष्कासित दो दर्जन नेपाली नागरिकों को लेकर विमान काठमांडू पहुंचा

काठमांडू, 05 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिकी प्रशासन के अवैध आप्रवासियों के निष्कासन की नीति के तहत करीब दो दर्जन नेपाली नागरिकों को लेकर एक चार्टर्ड विमान काठमांडू के एयरपोर्ट पहुंचा।

त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल पर उतरे विमान से 25 नेपाली नागरिकों को लाया गया है। नेपाल इमिग्रेशन डिपार्टमेंट के निदेशक ईश्वरी दत्त ने बताया कि मंगलवार को काठमांडू स्थित अमेरिकी दूतावास ने उन्हें यह जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि वापस आए सभी नेपाली नागरिक अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे थे।

काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के सुरक्षा प्रमुख नेपाल पुलिस के एसएसपी कृष्ण हरि पोखरेल ने बताया कि ग्रिफिन एयर का चार्टर्ड विमान जीआरपी 23 पहुंचा। उसमें 25 नेपाली नागरिक थे। इन सभी को इमिग्रेशन डिपार्टमेंट में लाया गया है।

यह पहली बार है जब अमेरिका से निष्कासित नेपाली नागरिकों को चार्टर्ड विमान से नेपाल भेजा गया है। ट्रंप की वापसी के बाद से अब तक 50 से अधिक नेपाली नागरिकों को निष्कासित कर डिपोर्ट किया जा चुका है।

काहिरा सम्मेलन में मिस्र की 53 अरब डॉलर की गाजा पुनर्निर्माण योजना का समर्थन

काहिरा (मिस्र), 05 मार्च (एजेंसियां)।

अरब लीग शिखर सम्मेलन ने गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण पर मिस्र की योजना पर मुहर लगा दी। सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे नेताओं ने मिस्र की योजना को स्वीकार करते हुए अंतरराष्ट्रीय समर्थन का आह्वान किया। मिस्र ने गाजा के पुनर्निर्माण के लिए कुल 53 अरब डॉलर की योजना प्रस्तुत की। इसे पूरा करने के लिए पांच साल की समय सीमा तय की गई है।

इस आपातकालीन अरब लीग शिखर सम्मेलन के समापन वक्तव्य में गाजा के भविष्य और इसके पुनर्निर्माण के लिए मिस्र की योजना को अपनाया गया है। बयान में अंतरराष्ट्रीय समुदाय और वित्तीय संस्थानों से योजना के लिए तेजी से समर्थन प्रदान करने का आह्वान किया गया है।

मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने अरब देशों के नेताओं से गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण के लिए मिस्र की योजना को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि फिलिस्तीनी पुनर्निर्माण के समय अपनी भूमि पर बने रहें। सीसी ने कहा कि गाजा में इजराइली आक्रामकता ऐतिहासिक भूमि से जबरन विस्थापन चिंताजनक है। इस शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्य पूर्वी रिवेरा में पुनर्विकास के सुझाव की निंदा की गई। मिस्र की 112 पेज की योजना के अनुसार, शुरू के छह माह में मलबे को साफ करने और अस्थायी आवास स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। पुनर्निर्माण के पहले चरण में दो साल लगने की उम्मीद है और इसमें 200,000 आवास इकाइयों का निर्माण शामिल होगा। इसकी अनुमानित लागत 20 अरब डॉलर होगी। दूसरे चरण का बजट 30 अरब डॉलर है। यह ढाई साल तक चलेगा।

यूक्रेन में है कीमती खनिजों का भंडार, इसलिए ट्रंप के सामने दिखाई दंबगई, पूरा यूरोप जेलेंस्की के साथ खड़ा, लोग दे रहे हिम्मत की दाद

कीव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच नोंकझोंक की खबरें पूरी दुनिया में छाई हुई हैं। इस मसले पर दुनिया बंट चुकी है। कुछ लोग जेलेंस्की की हिम्मत की दाद दे रहे हैं तो कुछ इसे उनकी सबसे बड़ी कूटनीतिक गलती बता रहे हैं। इस वक्त पूरा यूरोप जेलेंस्की के साथ है। ब्रिटेन के नेतृत्व में यूरोपीय देशों ने उनको बड़ी सहायता देने की घोषणा की है। अमेरिका के साथ रिश्तों को लेकर उनके रुख में नरमी आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन में दुनिया के सबसे कीमती खनिज पदार्थों का अकूत भंडार है. इसमें ग्रेफाइट, मैग्निशियम, लोहा, बेरीलियम, लिथियम, यूरेनियम और टिटैनियम शामिल हैं। ये ऐसे खनीज पदार्थ हैं जो मौजूद वक्त में किसी भी देश की किस्मत बदल सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इन खनिजों का कुल मूल्य करीब 15 ट्रिलियन डॉलर है। इस राशि की व्यापकता को आप इस तरह से समझ सकते हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था का आकार करीब 3.5 ट्रिलियन डॉलर है यानी यूक्रेन का ये भंडार भारत की इकोनॉमी से तीन गुना बड़ा है। अमेरिका समेत रूस और दुनिया के अन्य देशों की नजर यूक्रेन की संपत्ति पर है। जेलेंस्की के अमेरिका दौरे के दौरान उनके साथ ट्रंप ने जो खनिज डील की बात कही थी वह इससे जुड़ी थी। हालांकि यूक्रेन ने अब अपनी सुरक्षा की गारंटी मिलने के बाद अमेरिका के साथ ऐसी डील करने की सहमति जता दी है। सबसे बड़ी बात यह है कि अमेरिका बिना किसी स्वार्थ के यूक्रेन की सहायता नहीं कर रहा है।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्टीव स्मिथ ने वनडे क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसियां)।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में भारतीय टीम के खिलाफ हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर हुई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के अनुभवी खिलाड़ी स्टीव स्मिथ ने वनडे फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को इसकी जानकारी दी है।

स्मिथ चैंपियंस ट्रॉफी में पैट कमिंस की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कमान संभाल रहे थे। उन्होंने मंगलवार को खेले गए सेमीफाइनल में 73 रनों की पारी भी खेली, लेकिन वह ऑस्ट्रेलिया को जीत नहीं दिला पाए और टीम को भारत के हाथों चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। फिलहाल स्मिथ टेस्ट और टी20 क्रिकेट में खेलना जारी रखेंगे।

अपने वनडे करियर को अलविदा कहते हुए स्मिथ ने बुधवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से जारी बयान में कहा कि यह एक शानदार सफर रहा है और मैंने हर पल का आनंद लिया। दो विश्व कप जीतना अविश्वसनीय अनुभव था। अब 2027 विश्व कप की तैयारी शुरू करने का सही समय है, इसलिए मुझे लगता है कि यह वनडे से संन्यास लेने का उपयुक्त अवसर है।

उन्होंने आगे कहा कि टेस्ट क्रिकेट अभी भी मेरी प्राथमिकता है और मैं विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल, वेस्टइंडीज दौरे और फिर इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज को लेकर उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि मेरे पास अभी भी इस प्रारूप में देने के लिए बहुत कुछ है। स्मिथ, ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल एकदिवीय खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उन्होंने 2010 में वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑलराउंडर के रूप में अपना वनडे डेब्यू किया था। बाद में वह टीम के प्रमुख बल्लेबाज बन गए। अपने वनडे करियर में उन्होंने 170 मैचों में 43.28 की औसत से 5,800 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने 28 विकेट भी हासिल किए। स्मिथ ऑस्ट्रेलिया की 2015 और 2023 की विश्व कप विजेता टीमों का अहम हिस्सा रहे। उन्होंने 64 वनडे मैचों में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी भी।

न्यूज ब्रीफ

रोहित आईसीसी एकदिवसीय टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा अब आईसीसी एकदिवसीय टूर्नामेंट में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने गये हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए सेमीफाइनल में रोहित ने छक्का लगाने के साथ ही ये उपलब्धि अपने नाम की। रोहित के नाम अब 65 छक्के हो गये हैं और उन्होंने इसी के साथ ही उन्होंने वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के 64 छक्के का रिकार्ड भी तोड़ दिया है। अंतरराष्ट्रीय इंटरनेशनल क्रिकेट में सभी प्रारुपों में भी सबसे ज्यादा छक्के रोहित के नाम हैं। उन्होंने 633 छक्के लगाये हैं जबकि गेल के नाम पर 533 छक्के हैं जबकि पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी 467 छक्के लगाकर तीसरे नंबर पर हैं। न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैकुलम 398 छक्के लगाकर चौथे व न्यूजीलैंड के ही मार्टिन गुप्टिल 398 छक्के लगाकर पांचवे नंबर पर हैं। वहीं एकदिवसीय में सबसे अधिक 351 छक्के पाक के शाहिद अफरीदी के नाम हैं जबकि भारत के रोहित के नाम 341 छक्के और वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम 331 छक्के हैं।

वरुण वापसी के बाद मानसिक रुप से मजबूत हुए : सूर्यकुमार

मुंबई। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मिस्ट्री स्पिनर के तौर पर चर्चित वरुण चक्रवर्ती की जमकर प्रशंसा की है। सूर्यकुमार ने कहा कि खेल में वापसी के बाद वह अलग प्रकार के खिलाड़ी के तौर पर उभरे है। इसका कारण है कि वह मानसिक रूप से मजबूत हो गये हैं। यही कारण है कि वह तनाव में नहीं दिखते। वरुण ने चैम्पियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलते हुए दोनो ही मैचों में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 विकेट जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो विकेट लिए। सूर्या ने कहा कि जिस प्रकार से उसने वापसी की है। उसमें दो अलग-अलग वरुण नजर आते हैं। अब वह पहले से अधिक मानसिक रुप से परिपक्व दिखता है। यही कारण है कि मैदान में कैसे भी हालात हों उसके चेहरे पर मुस्कान बनी रहती है। वह हर स्थिति को सहज रुप से लेता है। किसी भी खिलाड़ी के लिए ये सकारात्मक बात है।

आईपीएल में इस बार आईसीसी नियमों के अनुसार मिलेगी सजा

मुम्बई। अगले माह होने वाले आईपीएल 2025 में अनुशासन तोड़ना अब खिलाड़ियों को भारी पड़ेगा। इस बार टीमों में काफी बदलाव भी देखने को मिलेगा। कई टीमों ने कप्तान तक बदले हैं। पिछली बार की विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर इस बार पंजाब किंग्स की कप्तानी जबकि पिछली बार दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करने वाले ऋषभ पंत इस बार लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलेंगे आईपीएल प्रबंधन ने मैदान पर खिलाड़ियों के अनुशासन से जुड़े कई नियम अब पहले से अधिक सख्त कर दिए गए हैं। अब आईपीएल में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की आचार संहिता का पालन किया जाएगा। गर्वनिंग काउंसिल की बैठक में ये अहम फैसला लिया गया। इसके तहत लेवल 1,2 और 3 के उल्लंघन पर खिलाड़ियों को आईसीसी के नियमों के मुताबिक सजा दी जाएगी। पहले लीग के अपने नियम होते थे, लेकिन अब आईसीसी द्वारा निर्धारित कोड ऑफ कंडक्ट लागू किया जाएगा। आईपीएल 2025 सीजन का आगाज 21 मार्च से होगा। यानी इस दिन टूर्नामेंट का ओपनिंग मुकाबला खेला जाएगा जबकि फाइनल मुकाबला 25 मई को खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड फाइनल में भारत से टकराएगा, साउथ अफ्रीका का आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने का सपना चकनाचूर

दुबई, 05 मार्च (एजेंसियां)।

साउथ अफ्रीका का प्लान एक बार फिर बड़े मुकाबले में बैक फायर कर गया। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में उसे न्यूजीलैंड ने एकतरफा हरा दिया। इसके साथ ही 9 मार्च को भारत और न्यूजीलैंड के बीच खिताबी मुकाबला पक्का हो गया है। अब लाहौर से न्यूजीलैंड टीम जितना जल्दी हो सके दुबई के लिए रवाना हो जाएगी। इसके साथ ही टूर्नामेंट का पाकिस्तान चरण भी खत्म हो गया। मैच में सलामी बल्लेबाज रचिन रविंद्र और केन विलियमसन के शतक से न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 6 विकेट पर 362 रन बनाए, जो टूर्नामेंट के इतिहास का सर्वोच्च स्कोर है। जवाब में साउथ अफ्रीका टीम ने आसानी से घुटने टेक दिए। उसके लिए सबसे डेविड मिलर (67 गेंदों में नाबाद 100 रन, 10 चौके और 4 छक्के) ने आखिरी गेंद पर शतक पूरा किया, जबकि रासी वान डर डुसां ने 69 रनों की पारी खेली।पहाड़ सरीख लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम की शुरुआत खराब रही। उसे रयान रिकल्टन के रूप में 20 रनों के टीम स्कोर पर पहला झटका लगा। हालांकि, इसके बाद कप्तान टेंबा बावुमा और रासी वान डर डुसां ने हाफ सेंचुरी जड़ते हुए टीम को संभालने की कोशिश की और 125 रनों तक पहुंचा दिया। जब यह पार्टनरशिप टूटी तो विकेटों का ऐसा तूफान आया कि साउथ अफ्रीकी टीम संभल नहीं सकी।कप्तान टेंबा बावुमा 71 गेंदों में 4 चौके और एक छक्का के दम पर 56 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रासी ने 66 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्के के दम पर 69 रनों की पारी खेली। ये दोनों ही विकेट सेंटनर के खाते में गए। इसके बाद एडेन मार्करम और डेविड मिलर मैदान पर जरूर समय बिताया, लेकिन टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सके। हेनरिक क्लासेन 3 रन पर सेंटनर के शिकार बने, जबकि बड़ी-बड़ी हिट लगाने के चक्कर में मुल्डर अपना विकेट 8 रनों पर गिफ्ट कर गए। इसके बाद शतकवीर डेविड मिलर ने कुछ अच्छे शॉट्स जरूर लगाए, लेकिन ये रन साउथ अफ्रीका के किसी काम के नहीं थे। सिर्फ हार का अंतर कम कर सकते थे।आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया के स्काड में शामिल विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को टूर्नामेंट में एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला है। टीम के लिए विकेटकीपिंग कर रहे केएल राहुल शानदार फॉर्म में हैं। ऐसे में इसकी पूरी संभावना है कि उन्हें फाइनल में भी प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिलेगी।लेफ्ट आर्म पेसर अर्शदीप सिंह भी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में सिर्फ बेंच गरम करते रह गए हैं। दुबई में स्पिन के लिए मददगार पिच पर टीम इंडिया तीन स्पिन के साथ मैदान पर उतर रही है। वहीं मोहम्मद शमी और हार्दिक पंड्या पेस बॉलिंग का नेतृत्व कर रहे हैं। यही कारण है कि अर्शदीप को भी मौका नहीं मिला है और फाइनल से भी वह बाहर रह सकते हैं।चैंपियंस ट्रॉफी में जिस भारतीय खिलाड़ी को खेलने का मौका नहीं मिला है, उसमें वॉशिंगटन सुंदर का भी नाम है। वाशिंगटन सुंदर भी टीम इंडिया के स्काड में शामिल हैं, लेकिन प्लेइंग इलेवन में उनके लिए जगह नहीं बन पाई है और फाइनल में भी उनके खेलने की कम ही उम्मीद है जब तक की कोई प्लेयर चोटिल नहीं हो जाता है।इससे पहले रविंद्र (108 रन, 101 गेंद, 13 चौके, एक छक्का) और विलियमसन (102 रन, 94 गेंद, 10 चौके, दो छक्के) ने शतक जड़ने के अलावा दूसरे विकेट के लिए 164 रन की साझेदारी की। ग्लेन फिलिप्स (नाबाद 49, 27 गेंद) और डेरिल मिचेल (49 रन, 37 गेंद) ने अंत में पांचवें विकेट के लिए 30 गेंद में 57 रन जोड़कर टीम का स्कोर 350 रन के पार पहुंचाया। टीम ने अंतिम 10 ओवर में 112 रन जोड़े। दक्षिण अफ्रीका की ओर से लुंगी एंगिडी सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 72 रन देकर तीन विकेट चटकाए। कागिसो रबाडा ने 70 रन पर दो विकेट हासिल किए।न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद रविंद्र और विल यंग (21) ने पहले विकेट के लिए 48 रन जोड़कर टीम को सतर्क शुरुआत दिलाई। एंगिडी ने आठवें ओवर में यंग को एडेन मार्करम के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा। अपने शुरुआती छह ओवरों में सिर्फ 32 रन देने के बाद एंगिडी ने अंतिम ओवरों में खूब रन लुटाए।रविंद्र ने इसके बाद विलियमसन के साथ मिलकर दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों को काफी परेशान किया।

अ.भा. गोल्डकप फुटबॉल स्पर्धा : केरला ने पहले मैच में बिखेरा जलवा, रायसेन की दमदार जीत

इन्दौर, 05 मार्च (एजेंसियां)।

सेन्ट्रल जिमखाना क्लब की मेजबानी में आयोजित प्रकाश सोनकर व सुरेश ऐरन स्मृति अ.भा. मोयरा गोल्ड कप फुटबॉल स्पर्धा में साई त्रिवेंद्रम केरला ने अपनी ख्याती के अनुरूप दमदार प्रदर्शन करते हुए इन्दौर की अन्य टीम यंग आदिवासी क्लब को 3-0 से पराजित कर दिया। दूसरे मैच में बिल्डप क्लब रायसेन को जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा और उसने डायमंड रॉक बालाघाट को 1 मात्र गोल के अंतर से पराजित किया। स्पर्धा अध्यक्ष रमेश मूलचंदानी, स्पर्धा सचिव संजय लुणावत व स्पर्धा संयोजक भारत मथुरावाला ने बताया कि नेहरू स्टेडियम के आकर्षक मैदान पर खेली जा रही इस स्पर्धा में मंगलवार को पहला मैच साई त्रिवेंद्रम केरला व यंग आदिवासी इन्दौर के मध्य खेला गया। इस मैच के हीरो विक्रम रहे, जिन्होंने 5वें तथा 55वें मिनट में 2 गोल दागे और केरल को मैच की शुरुआत से ही मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया । केरल के लिए तीसरा गोल राजकुमार सिहं के नाम रहा । उन्होंने मैच के 40वें मिनट में तीन खिलाड़ियों को छकाते हुए गेंद को जालियों में समा दिया। पहले दौर में दमदार प्रदर्शन करने वाली यंग आदिवासी का प्रदर्शन बिखरा-बिखरा नजर आ रहा था। उन्हें 30वें मिनट में एक पेनल्टी कीक भी मिली, लेकिन वह यह मौका भुना न सके। दूसरे मुकाबले में बिल्डप क्लब रायसेन के समक्ष डायमंड रॉक बालाघाट की चुनौती थी। मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने छोटे-छोटो पासों के जरिए तेज गति के खेल का प्रदर्शन किया। मैच के 25वें मिनट में पीयूष थापा ने 35 गज की दूरी से शक्तीशाली प्रहार करते हुए गोल दाग दिया और रायसेन को 1-0 से आगे कर दिया। मध्यांतर तक यहीं स्कोर रहा। दूसरे हॉफ में बालाघाट ने पलटवार करते हुए वापसी के कई प्रयास किए, लेकिन रायसेन के गोलकीपर दिवार की भांति डटे हुए थे और उन्होंने सभी हमलों को नाकाम कर दिया। दूसरे हॉफ में रफ गति का खेल भी देखने को मिला, रैफरी की अंतिम सिटी बजने पर बाजी रायसेन के पक्ष में 1-0 से आ गई थी। मैचों के दौरान विधायक गोलू शुक्ला, पिल्लू कौशल, वरिष्ठ पत्रकार एन डी कापिस दुबे, शैलेंद्र, रमेश गुप्ता, कमल ललवानी, धर्मेंद्र खंडेलवाल व उमेश तिवारी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर रमेश मूलचंदानी, संजय लुणावत, भारत मथुरावाला, केके गोयल, विष्णु बिंदल, महेश दलोद्रा, जितेंद्र गर्ग, अरविंद तिवारी उपस्थित थे।

बीएनपी परिबास ओपन टेनिस

इंडियन वेल्स में रुस के डेनिल मेदवदेव बीएनपी परिबास ओपन टेनिस में खेलते हुए।

तैयार हो रहा है आईपीएल के लिए उप्पल स्टेडियम

- ✻ प्रशंसकों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए इंतजाम किए जा रहे हैं
- ✻ टिकट बिक्री में पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी

हैदराबाद, 05 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) के अध्यक्ष अर्शनापल्ली जगन मोहन राव ने कहा कि आईपीएल-18 के लिए स्टेडियम को तैयार किया जा रहा है और इंतजाम तेजी से चल रहे हैं। मंगलवार को एचसीए की शीर्ष परिषद के सदस्यों ने आईपीएल के इंतजामों की समीक्षा के लिए उप्पल स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के प्रबंधन के साथ बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए जगन मोहन राव ने एसआरएच को आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के नियमों के अनुसार इंतजाम करने के निर्देश दिए, ताकि प्रशंसकों को किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि पिछले साल कॉरपोरेट बॉक्स में एसी और वॉशरूम के कारण कुछ जगहों पर जो समस्याएं आई थीं, वे इस बार नहीं दोहराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि टिकटों की बिक्री पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए, स्टेडियम में बिकने वाले भोजन की गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिए और इसे अधिक कीमत पर नहीं बेचा जाना चाहिए।

बाद में जगन मोहन राव ने उपाध्यक्ष दलजीत सिंह, संयुक्त सचिव बसव राजू और कोषाध्यक्ष सीजे श्रीनिवास, पार्षद सुनील अग्रवाल के साथ ड्रेसिंग रूम और कॉर्पोरेट बॉक्स में किए जा रहे काम का निरीक्षण किया। इस बैठक में बीसीसीआई से वैभव, युवराज, सनराइजर्स हैदराबाद से सरवनन, रोहित व अन्य शामिल हुए।

चैंपियंस लीग: बार्सिलोना और बेनफिका के बीच रोमांचक मुकाबले की तैयारी

मैड्रिड, 05 मार्च (एजेंसियां)।

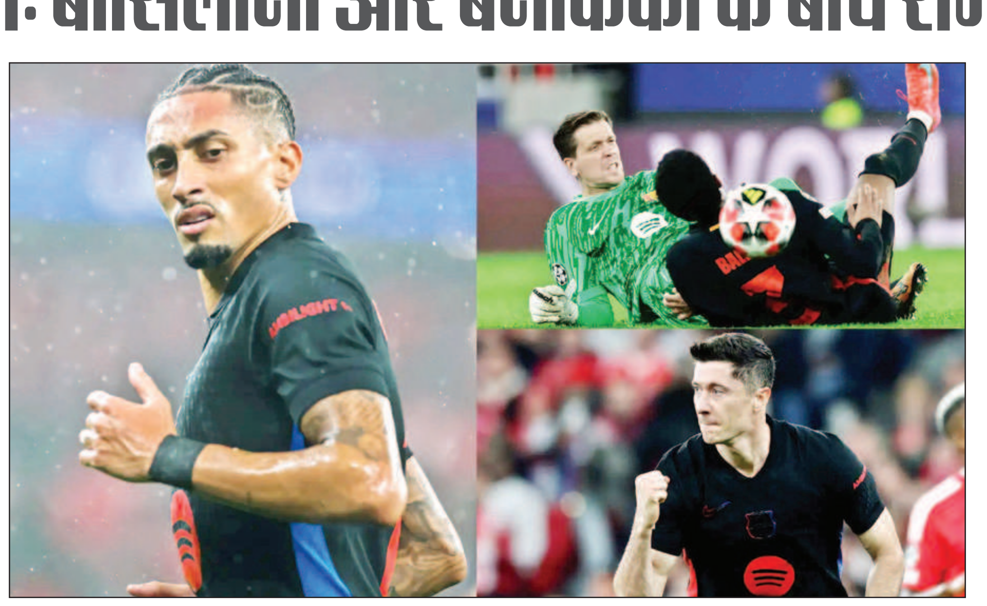

स्पेनिश क्लब एफसी बार्सिलोना बुधवार को चैंपियंस लीग के अंतिम-16 के पहले चरण के मुकाबले के लिए लिस्बन में पुर्तगाली क्लब बेनफिका का सामना करेगा।

यह मैच ग्रुप चरण में हुई रोमांचक भिड़ंत के दो महीने बाद खेला जा रहा है, जिसमें बार्सिलोना ने शानदार वापसी करते हुए 5-4 से जीत दर्ज की थी। उस मुकाबले में बार्सिलोना 3-1 और 4-2 से पीछे था, लेकिन अंतिम पलों में राफिन्हा के गोल ने टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी।

बार्सिलोना के कोच हांसी फ्लिक की टीम जनवरी के अंत से जबरदस्त फॉर्म में है और वर्तमान में स्पेनिश लीग में शीर्ष पर है। टीम के पास एटलेटिको मैड्रिड पर एक अंक और रियल मैड्रिड पर तीन अंकों की बढ़त है।

रविवार को बार्सिलोना ने रियल सोसिएदाद को 4-0 से हराया। इस मुकाबले में 17वें मिनट में विपक्षी डिफेंडर एरिट्ज़ इलुस्टोंडो के रेड कार्ड के बाद बार्सिलोना ने आसानी से जीत हासिल की। इस दौरान फ्लिक ने पाउ कुबर्सी, पेड्री, राफिन्हा, डैनी ओल्मो और रोनाल्ड अराउजो को आराम दिया, जबकि डिफेंडर इनिगो मार्टिनेज पूरे मैच में बेंच पर रहे। बुधवार के मुकाबले में पेड्री, राफिन्हा और डैनी ओल्मो की वापसी तय मानी जा रही है, जबकि फ्रेंकी डी जोंग के मिडफील्ड में मार्क कासाडो की जगह खेलने की संभावना है। बेनफिका के कोच ब्रूनो लैगे को कई खिलाड़ियों की चोटों की समस्या से जूझना पड़ रहा है। अलेक्जेंडर बाह, रेनेटो सांचेस, मनु सिल्वा और टियागो गोविया इस मुकाबले से बाहर हैं। इसके अलावा, अनुभवी विंगर एंजेल डि मारिया भी मांसपेशियों की चोट के कारण बाहर हो सकते हैं। डि मारिया की गैरमौजूदगी बेनफिका के लिए एक बड़ा झटका होगी, क्योंकि उनकी तकनीकी क्षमता बार्सिलोना की हाई-प्रेसिंग और ऑफसाइड ट्रैप को भेदने में मदद कर सकती थी। हालांकि पिछली बार की तरह इस मैच में दोनों टीमों से आक्रामक खेल की उम्मीद नहीं की जा रही है, लेकिन बेनफिका ने यह साबित किया है कि वह बार्सिलोना के खिलाफ गोल कर सकती है। वहीं, फ्लिक ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी रणनीति में कोई बदलाव नहीं करेंगे। बार्सिलोना और बेनफिका के बीच यह मुकाबला फुटबॉल प्रेमियों के लिए बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

क्रेडिट कार्ड से खर्च जनवरी में 14 फीसदी से बढ़कर 1.84 लाख करोड़ हुआ

मुंबई, 05 मार्च (एजेंसियां)।

भारत में क्रेडिट कार्ड के जरिए होने वाला खर्च जनवरी में बढ़कर 1,84,100 करोड़ रुपए हो गया है। इसमें सालाना आधार पर 14 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। मंगलवार को जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि कुल क्रेडिट कार्ड की लेनदेन की वॉल्यूम जनवरी 2025 में 43 करोड़ रही है। इसमें सालाना आधार पर 31 फीसदी की वृद्धि हुई है।

हालांकि मासिक आधार पर एक फीसदी की मामूली गिरावट हुई है। इसकी वजह दिसंबर 2024 का उच्च आधार है। एक रिपोर्ट के मुताबिक लेनदेन की मात्रा में गिरावट का कारण धोखाधड़ी के कारण बढ़ी हुई सतर्कता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि नए कार्ड डिस्पैच, कार्ड खर्च और प्रति कार्ड लेनदेन के मामले में उद्योग स्तर पर क्रेडिट कार्ड डेटा में कमी आई है, लेकिन एचडीएफसी और एसबीआई जैसे प्रमुख बैंकों के कार्ड डिस्पैच देखे गए हैं और इसके परिणामस्वरूप बाजार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया कि आउटस्टैंडिंग क्रेडिट कार्ड की संख्या जनवरी में 10.9 करोड़ रही। दिसंबर 2024 के मुकाबले इसमें 12 लाख की कमी आई है। प्रति कार्ड औसत खर्च भी मासिक आधार पर एक फीसदी गिरकर 16,911 रुपए हो गया है। हालांकि, इसमें सालाना आधार पर मामूली एक फीसदी का इजाफा हुआ है।

हर लेनदेन का औसत आकार सालाना आधार पर 15 फीसदी घटकर 4,282 रुपए रह गया, जो कि ग्राहकों के बदलते व्यवहार और व्यापक आर्थिक परिस्थितियों को दिखाता है। अग्रणी बैंकों ने क्रेडिट कार्ड सेगमेंट में अपनी उपस्थिति को मजबूत करना जारी रखा। एचडीएफसी बैंक ने आक्रामक ग्राहक अधिग्रहण रणनीतियों के माध्यम से पिछले साल की तुलना में अपनी बाजार हिस्सेदारी 20.2 फीसदी से बढ़ाकर 21.5 फीसदी कर ली है।

एसबीआई ने बाजार हिस्सेदारी में गिरावट से उबरते हुए अकेले जनवरी में 2,40,000 नए कार्ड जोड़े हैं और कंपनी का मार्केट शेयर 18.8 फीसदी पर पहुंच गया है। वहीं, आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हिस्सेदारी 16.3 फीसदी से बढ़कर 16.6 फीसदी हो गई है। इस महीने की एक प्रमुख विशेषता यह रही कि आरबीआई ने फरवरी 2025 में कोटक महिंद्रा बैंक के क्रेडिट कार्ड जारी करने पर 10 महीने के प्रतिबंध को हटा दिया। रिपोर्ट में बताया गया कि लेनदेन की मात्रा और खर्च में अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बावजूद, क्रेडिट कार्ड उद्योग ने मजबूत दीर्घकालिक विकास प्रदर्शित करना जारी है।

न्यूज़ ब्रीफ

चीन ने 3000 साल पुरानी बुनाई तकनीक से स्टील्थ विमानों की कमजोरी दूर की

बीजिंग। चीन ने 3,000 साल पुरानी रेशम बुनाई तकनीक का उपयोग करके स्टील्थ लड़ाकू विमानों की रडार-शोषक कोटिंग को मजबूत करने में सफलता हासिल की है। इस तकनीक से विमान की स्टील्थ कोटिंग में आने वाली दरारों को ठीक किया जा सकता है, जिससे उसकी रडार से बचने की क्षमता बनी रहती है। वहीं अमेरिका अपने एफ-22 रैप्टर जैसे स्टील्थ विमानों की कोटिंग के क्षरण की समस्या से जूझ रहा है, जिससे विमान की स्टील्थ क्षमता प्रभावित होती है। स्टील्थ विमानों में इस्तेमाल होने वाली कोटिंग की सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह तेज गति, उच्च वायुगतिकीय दबाव, रेगिस्तानी तूफानों और नमी के कारण जल्दी खराब हो जाती है। अमेरिका के लड़ाकू विमानों में हर तीन सप्ताह में इस कोटिंग को दोबारा लगाना पड़ता है, जिससे प्रति उड़ान घंटे 60,000 डॉलर तक की लागत आती है। वहीं चीन का दावा है कि उसने इस समस्या का समाधान प्राचीन बुनाई तकनीक के माध्यम से खोज लिया है। चीनी एयरोस्पेस साइंस एंड इंडस्ट्री कॉरपोरेशन और तियांगोंग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने हान राजवंश (206 ईसा पूर्व-220 ईस्वी) की जैक्वार्ड बुनाई तकनीक से प्रेरित एक दोहरे परत वाले मिश्रित कपड़े का विकास किया है। इस कपड़े में ताना-बुनी गई प्रवाहकीय धागों की संरचना है, जो 8-26 जीएसजेड स्पेक्ट्रम की 90.6 फीसदी रडार तरंगों को अवशोषित कर सकती है। यह पारंपरिक कोटिंग की तुलना में अधिक प्रभावी है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए बीमा प्रीमियम में 10 फीसदी की वृद्धि पर रोक

नई दिल्ली। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने जारी किया एक परिपत्र, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में वृद्धि पर रोक लगाई गई है। 30 जनवरी, 2025 को जारी इस निर्देश के अनुसार कोई भी बीमा कंपनी 10 फीसदी से अधिक प्रीमियम वृद्धि नहीं कर सकेगी, और अगर वृद्धि करनी हो तो पहले आईआरडीएआई से अनुमति लेनी होगी। स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम की वृद्धि को लेकर चिंता करने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह निर्देश एक सकारात्मक कदम है। नियामक द्वारा निर्धारित सीमा का पालन करने से उन्हें सुरक्षित महसूस होगा कि उनका प्रीमियम विचारशीलता से निर्धारित है। बीमा कंपनियों को भी इस नए निर्देश का पालन करना होगा और वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें स्थिरता और विश्वसनीयता के साथ काम करना होगा। इस निर्देश की मान्यता से बीमा कंपनियों को ग्राहकों का भरोसा भी मिलेगा और इससे वरिष्ठ नागरिकों को अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इस निर्देश से स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के तैराकी और उन्हें खरीदने की ऊर्जा बढ़ेगी। वरिष्ठ नागरिकों को अपने इस खर्च के लिए टेंशन नहीं लेनी पड़ेगी और भविष्य की योजनाएं बनाना और अनुकूलित करने में उन्हें आसानी होगी।

टाटा मोटर्स ने शुरू किया हाइड्रोजन ट्रकों का ट्रायल, 24 महीने तक परखी जाएगी क्षमता

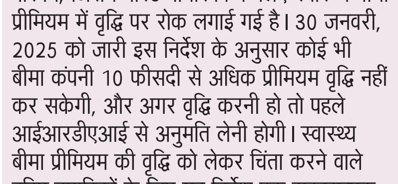

नई दिल्ली। वर्ष 2070 तक शून्य उत्सर्जन के भारत के दृष्टिकोण की दिशा में सहायक भारत की प्रमुख वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली कंपनी टाटा मोटर्स ने हाइड्रोजन से चलने ट्रकों का पहली बार परीक्षण शुरू किया है। परीक्षण का यह दौर 24 महीने तक चलेगा और इसमें विभिन्न कॉन्फिगुरेशन और पेलोड क्षमताओं वाले 16 एडवांस्ड हाइड्रोजन-संचालित वाहनों का निर्माण शामिल है। ये वाहन नए जमाने के हाइड्रोजन पेट्रोल-डीजल इंजन (एच2-आईसीई) और फ्यूल सेल (एच2-एफसीईवी) प्रौद्योगिकियों से संपन्न होंगे और इनका भारत के बेहद प्रमुख ढुलाई मार्गों पर परीक्षण किया जाएगा जिनमें मुंबई, पुणे, दिल्ली-एनसीआर, सूरत, वड़ोदरा, जमशेदपुर और कलिंगनगर शामिल हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस ट्रायल को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है जिसमें उत्सर्जन को कम करते हुए और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ाते हुए भारत के परिवहन क्षेत्र को बदलने की अपार क्षमता है। इस तरह की पहल से बड़े ट्रकों की गतिविधियों में बदलाव आएगा और हम एक कुशल, कम कार्बन वाले भविष्य की ओर तेजी से बढ़ने में सक्षम होंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सोनप्रयाग से...

एक योजना है। इस योजना का तहत पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार करना और पशुपालन को बढ़ावा देना है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 3,880 करोड़ रुपए के पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम में संशोधनों को मंजूरी देकर किसानों को उच्च गुणवत्ता वाली और सस्ती जेनेरिक पशु चिकित्सा दवाओं के वितरण को मंजूरी दे दी है।एलएचडीसीपी के तहत वित्त वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लिए कुल बजट 3,880 करोड़ रुपए था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस योजना में कुछ संशोधनों को मंजूरी दी गई। एलएचडीसीपी योजना में अब पशु औषधि का एक नया हिस्सा जोड़ा गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी देते हुए कहा, मंत्रिमंडल में पशुधन स्वास्थ्य से संबंधित निर्णय लिया गया है। इस योजना के पशु औषधि घटक के तहत उच्च गुणवत्ता वाली दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

वैष्णव ने कहा कि यह पशु औषधि, जन औषधि योजना के समान होगी। अब जेनेरिक पशु चिकित्सा दवाएं पीएम किसान समृद्धि केंद्रों और सहकारी समितियों के माध्यम से वितरित की जाएंगी। पशु चिकित्सा दवाओं के पारंपरिक ज्ञान को भी पुनर्जीवित किया जाएगा और योजना के हिस्से के रूप में इस पारंपरिक ज्ञान का भी दस्तावेज तैयार किया जाएगा। मंत्रिमंडल ने पशु औषधि के प्रावधान के तहत अच्छी गुणवत्ता वाली और सस्ती जेनेरिक पशु चिकित्सा दवाओं की आपूर्ति और बिक्री को प्रोत्साहन देने के लिए कुल बजट आवंटन से 75 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है।

सपा विधायक ...

मुंबई पुलिस ने अबू आजमी के खिलाफ मुगल बादशाह औरंगजेब की तारीफ करने वाली टिप्पणी के मामले की जांच शुरू कर दी थी। लोकसभा में शिवसेना सांसद नरेश म्हास्के की शिकायत पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के प्रयास के आरोप में पुलिस ने अबू आजमी के खिलाफ सोमवार को एफआईआर दर्ज की थी। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आजमी पर निशाना साधते हुए उन्हें देशद्रोही करार दिया था।आजमी ने कहा था, सारा गलत इतिहास दिखाया जा रहा है। औरंगजेब ने कई मंदिर बनवाए। औरंगजेब क्रूर नहीं था। औरंगजेब ने कभी भी जनता का पैसा अपने लिए नहीं लिया। औरंगजेब एक महान प्रशासक थे, उसकी सेना में कई हिंदू कमांडर थे। इस बयान पर बवाल खड़ा होने के बाद अबू आजमी खेद जताते हुए अपना बयान वापस लेने की घोषणा की थी। लेकिन निलंबन के बाद अबू आजमी फिर कहने लगे कि उन्होंने जो कहा, वह ठीक कहा था।यह विवाद मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के सबसे बड़े बेटे छत्रपति संभाजी महाराज पर केंद्रित फिल्म छावा से पैदा हुआ है। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेरकर ने किया है। इसमें संभाजी के जीवन, राज्याभिषेक और मुगल साम्राज्य, खासकर औरंगजेब के खिलाफ संघर्ष को दिखाया गया है। विकी कौशल ने फिल्म में संभाजी की भूमिका निभाई है, जबकि रश्मि मंदाना ने उनकी पत्नी येसुबाई भोंसले की भूमिका निभाई है। फिल्म में अक्षय खन्ना ने औरंगजेब की भूमिका निभाई है। अबू आजमी ने कोई पहली बार औरंगजेब का समर्थन नहीं किया है, बल्कि पहले भी वह उनकी प्रशंसा करते रहे हैं। साल 2023 में उन्होंने ऐसा ही बयान दिया था, जिसके बाद उन्हें जान से मारने की धमकी मिली थी। उस समय में मुंबई के कोलाबा थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

औरंगजेब को ...

उन्होंने कहा कि यह ऐसा आयोजन था जिसे लंबे समय तक दुनिया याद रखेगी। उन्होंने कहा कि कुछ पार्टियां इससे सहमत नहीं थीं और महाकुंभ को लेकर दुष्प्रचार किया फिर भी लोगों की आस्था नहीं डिगी। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के आयोजन की दुनिया भर में प्रशंसा हो रही है। जो लोग संघ की विचारधारा से नहीं जुड़े हैं वो भी महाकुंभ के आयोजन की प्रशंसा कर रहे हैं। 45 दिन तक चले आयोजन में कोई लूट की घटना नहीं हुई। कोई अपहरण की घटना नहीं हुई। यह सनातन के सामाजिक अनुशासन का प्रभाव है। जो कि कहता है कि पूरा देश एक है और यहां जातिवाद और क्षेत्रवाद की कोई जगह नहीं है। ये उन लोगों को जवाब है जो कि जल के प्रदूषण और अन्य तमाम छोटी खबरों को लेकर आयोजन पर सवाल उठा रहे थे और दुष्प्रचार कर रहे थे। देश की जनता के लिए गंगा सबसे पवित्र है और विज्ञान कहता है कि बहता हुआ जल खुद को पवित्र करता रहता है। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि महाकुंभ में जैसी जिसकी दृष्टि थी वैसा ही उसने वहां देखा। सनातन के मानने वालों के लिए महाकुंभ एक गर्व का विषय है जो कि पूरी दुनिया को एकता का संदेश देता है। महाकुंभ के आयोजन के दौरान काशी और अयोध्या में भी पर्यटकों की संख्या काफी बढ़ गई। इस दौरान इन नगरों के स्थानीय लोगों ने अभूतपूर्व धैर्य का परिचय दिया साथ ही उनका आतिथ्य सत्कार भी किया।

फिर से खुल ...

हर्शमैन के दावे पर सीबीआई ने वित्त मंत्रालय से उन दस्तावेजों की मांग की, जो हर्शमैन की जांच से जुड़े थे। हालांकि सीबीआई को कोई दस्तावेज मिलने की जानकारी नहीं है। हर्शमैन के दावे पर सीबीआई ने संज्ञान लिया और जानकारी मांगी है। हर्शमैन ने वर्ष 2017 में दावा किया था कि तत्कालीन सरकार ने बोफोर्स को लेकर उनकी जांच को विफल किया था। उन्होंने यह भी दावा किया था कि जब उन्हें स्विस खाता मोंट ब्लांक मिला था तो राजीव गांधी बहुत क्रोधित हो गए ,थे इस खाते में बोफोर्स का रिश्वत का पैसा कथित तौर पर जमा किया गया था। उन्होंने यह भी कहा था कि वह जांच में भारतीय एजेंसियों का सहयोग करेंगे।बोफोर्स घोटाला 1980 के दशक में सामने आया था। उस वक्त केंद्र में राजीव गांधी की सरकार थी। घोटाले के खुलासे के बाद राजनीतिक भूचाल आ गया था। तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने स्वीडन की कंपनी बोफोर्स के साथ 1437 करोड़ रुपए में 400 हॉवित्जर तोपों का सौदा किया था। इस सौदे में 64 करोड़ रुपए की रिश्वत के आरोप लगे। हालांकि साल 2004 में दिल्ली में उच्च न्यायालय ने अपने एक फैसले में पूर्व पीएम राजीव गांधी को बोफोर्स मामले में बरी कर दिया था। इस सौदे के बिचौलिये ओत्तावियो क्वात्रोची को भी साल 2011 में अदालत ने बरी कर दिया था।एक नई किताब बोफोर्स-गेट में भी यह खुलासा हुआ है कि राजीव गांधी को बचाने के लिए भारतीय नौकरशाहों और बोफोर्स के अधिकारियों के बीच गुप्त रूप से बैठकें हुई थीं। इन बैठकों में यह भी चर्चा हुई थी कि भ्रष्टाचार को कैसे छिपाया जाए। इस किताब में दावा किया गया है कि बोफोर्स घोटाले में राजीव गांधी को बचाने के लिए भारतीय नौकरशाहों और बोफोर्स अधिकारियों के बीच गुप्त बैठकें हुई थीं। यह किताब खोजी पत्रकार चित्रा सुब्रमण्यम ने लिखी है। उन्होंने बोफोर्स घोटाले से संबंधित दावे स्वीडिश पुलिस प्रमुख स्टेन लिंडस्ट्रोम (स्टिंग) की ओर से दिए गए दस्तावेजों के आधार पर किए हैं। लिंडस्ट्रोम स्वीडन में इस मामले की जांच कर रहे थे। चित्रा सुब्रमण्यम ने लिंडस्ट्रोम के हवाले से दावा किया है कि बोफोर्स घोटाले में हुए भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए और तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी को बचाने के लिए भारतीय नौकरशाहों और बोफोर्स कंपनी के अधिकारियों के बीच कई गुप्त बैठकें हुई थीं। 24 मार्च, 1986 को भारत सरकार और स्वीडन की हथियार निर्माता कंपनी एबी बोफोर्स के बीच 1,437 करोड़ रुपए का सौदा हुआ। यह सौदा भारतीय थल सेना को 155 एमएम की 400 होवित्जर तोपों की आपूर्ति के लिए हआ था। कंपनी ने सौदा हासिल करने के लिए भारत के बड़े नेताओं और सैन्य अधिकारियों को 1.42 करोड़ डॉलर (64 करोड़ रुपए) की रिश्वत दी थी। इसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी, सोनिया गांधी और कांग्रेस के कई नेताओं का नाम आया। इस सौदे में इतालवी कारोबारी ओत्तावियो क्वात्रोचि की भूमिका रही, जो गांधी परिवार का करीबी था, जबकि 20 अप्रैल, 1987 को लोकसभा में राजीव गांधी ने कहा था कि सौदे के लिए न तो घूस दी गई और न ही इसमें किसी बिचौलिये की भूमिका थी। जुलाई 1993 में क्वात्रोचि भारत छोड़कर भाग गया और फिर कभी नहीं आया। बाद में सीबीआई ने उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस वापस ले लिया और सर्वोच्च न्यायालय से मामले को बंद करने की अनुमति मांगी। बाद में अजय अग्रवाल ने लंदन में क्वात्रोचि के खाते से संबंधित दस्तावेज मांगे, लेकिन सीबीआई ने याचिका का जवाब नहीं दिया।

15 किलो सोना...

केआईए में तैनात एक अधिकारी ने कहा, अधिकारियों को संदेह हुआ और उन्होंने खाड़ी में उसकी कई छोटी यात्राओं पर नज़र रखना शुरू कर दिया। जब वह सोमवार को दुबई से बेंगलुरु के लिए एमिरेट्स की फ्लाइट में सवार हुईं, तो डीआरआई की एक टीम उन्हें रोकने के लिए भेजी गई। यह देखना चौंकाने वाला था कि उन्होंने बेल्ट में सोने की छड़ें कैसे छिपाई थीं। जब वह विमान से उतरी तो वह बहुत आत्मविश्वास से भरी दिख रही थी और उन्होंने किसी को संदेह नहीं होने दिया।चार सदस्यीय डीआरआई टीम रान्या राव के विदेश यात्राओं से लौटने की सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा कर रही है। 15 दिनों में चार विदेश यात्राओं के दौरान रान्या वह उसी तरह के कपड़े और बेल्ट पहने हुई थी, जो अभी गिरफ्तारी के समय पहने हुई थीं। डीआरआई यह पता लगा रही है कि क्या रान्या ने इन सभी यात्राओं में सोने की तस्करी की? आईपीएस अधिकारियों सहित वरिष्ठ नौकरशाहों द्वारा आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली आधिकारिक प्रोटोकॉल सेवाओं का लाभ उठाकर वह सघन जांच की प्रक्रियाओं से बचती थी।टर्मिनल पर एक प्रोटोकॉल अधिकारी उनसे मिलता था और उन्हें इमारत से बाहर ले जाता था। जबकि उनका सामान नियमित जांच के अधीन था, लेकिन प्रोटोकॉल अधिकारी के साथ होने के कारण उनकी कभी भी शारीरिक तलाशी नहीं ली गई। वास्तव में एक सरकारी वाहन उन्हें हवाई अड्डे से भी ले जाता था, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि घर जाते समय उन्हें कोई परेशानी न हो।रान्या के पिता डीजीपी के रामचंद्र राव ने अपनी बेटी की गतिविधियों से खुद को अलग कर लिया। रामचंद्र राव ने कहा, चार महीने पहले रान्या ने जतिन हुक्केरी (शहर में अपस्केल पब और माइक्रोब्रुअरी के लिए इंटीरियर स्पेस डिजाइन के नामी आर्किटेक्ट) से शादी की थी। शादी के बाद से वह हमसे मिलने नहीं आई। हम उनके या उनके पति के व्यापारिक लेन-देन से पूरी तरह अनजान हैं। यह एक बहुत बड़ा सदमा और निराशा है। उसने हमें निराश किया है। अगर कोई उल्लंघन हुआ है, तो कानून अपना काम करेगा। 2014 में जब रामचंद्र राव आईजीपी (दक्षिणी रेंज) थे, मैसूर पुलिस तब जांच के दायरे में आई थी, जब केरल के एक जौहरी ने उन पर 2 करोड़ रुपए हड़पने का आरोप लगाया था। उस साल 4 जनवरी को एक पुलिस दल ने मैसूर सीमा पर एक निजी बस को रोका और केरल ले जाए जा रहे 2.2 करोड़ रुपए नकद जब्त किए। हालांकि मामला दर्ज करते समय, पुलिस ने केवल 20 लाख रुपए को ही बेहिसाब धन घोषित किया। बाद में सीआईडी ने मामले की जांच की और रामचंद्र राव के गनमैन को डकैती के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

एक करोड़ ....

पीएम मोदी ने कहा, भारत का वर्तमान शिक्षा प्रणाली बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। इसके नतीजे आने वाले कुछ वर्षों में दिखने शुरू हो जाएंगे। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) जैसे बड़े कदम, आईआईटी का विस्तार, एजुकेशन सिस्टम में तकनीक का समावेश, एआई का उपयोग, पाठ्यपुस्तकों का डिजिटलीकरण जैसे अनेकों प्रयास मिशन मोड में हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि साल 2014 में केंद्र में भाजपा की सरकार बनने से लेकर अब तक 3 करोड़ से ज्यादा युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। 1,000 से अधिक आईटीआई संस्थानों को अपग्रेड करने और 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि यह सब कुछ इंडस्ट्री की जरूरतों को पूरी करने के लिए ध्यान में रखा जा रहा है।इस साल की बजट की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस बार के बजट में 10,000 अतिरिक्त मेडिकल सीटों की घोषणा की गई है। अगले 5 सालों में 75,000 सीटें जोड़ने का टारगेट है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा लोगों तक पहुंचाना सरकार का लक्ष्य है और इसके लिए सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में टेली-मेडिसिन सुविधा का विस्तार हो रहा है। पीएम मोदी ने साल 2047 के अपने विजन के बारे में बताते हुए कहा कि साल 2047 तक भारत की शहरी आबादी लगभग 90 करोड़ होने का अनुमान है। इतनी बड़ी आबादी के लिए योजनाबद्ध शहरीकरण की जरूरत है। इसके लिए सरकार ने 1,00,000 करोड़ रुपए का अर्बन चैलेंज फंड बनाने की पहल की है। इससे गवर्नेंस, इंफ्रास्ट्रक्चर और फाइनेंशियल सस्टेनेबिलिटी पर फोकस किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने भारत में पर्यटन उद्योग में भारी संभावनाओं की ओर भी इंगित किया। उन्होंने कहा कि पर्यटन सेक्टर का देश की जीडीपी में 10 प्रतिशत तक होने की संभावना है। इसे करोड़ों युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि देश भर में 50 जगहों को टूरिज्म पर फोकस करते हुए विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हील इन इंडिया और लैंड ऑफ दि बुद्ध अभियान के माध्यम से दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम वाला देश बन गया है। इसके लिए सरकार ने इस बजट में कई कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ाने के लिए 1,00,000 करोड़ रुपए का फंड पास किया गया है। इससे निवेश बढ़ेगा। आईआईटी और आईआईएससी में 10,000 रिसर्च फेलोशिप की व्यवस्था बनाई गई है। इससे रिसर्च को बढ़ावा मिलेगा।

अब वायुसेना ...

मंत्री ईश्वर खंड्रे ने आरोप लगाया कि वायुसेना ने वन मंजूरी के बिना ही 1 मार्च को अवैध रूप से निर्माण कार्य शुरू कर दिया था। सरकारी आदेश के मुताबिक साल 2017 में वायुसेना की दी जमीन की दाखिल खारिज पूरी हो गई है और अब यह जमीन दस्तावेजों में आधिकारिक तौर पर आरक्षित वन के रूप में पंजीकृत है। इस संबंध में कर्नाटक सरकार ने रक्षा मंत्रालय को भी पत्र लिखा है और वन विभाग की भूमि को खाली करने की मांग की है। मंत्री ईश्वर खंड्रे ने बताया कि वायुसेना को पूरी जानकारी होने के बावजूद वायुसेना ने नियमों के विपरीत अवैध रूप से निर्माण कार्य कराया। फिलहाल 444 एकड़ जमीन पर वायुसेना ने शूटिंग रेंज स्थापित की हुई है और 15 एकड़ भूमि को ट्रेनिंग उद्देश्य से इस्तेमाल किया जा रहा है।

हम जिस थाली .

रिपोर्ट में कहा गया है कि जंगली प्रजातियों और उनके पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा करने से लाखों लोगों की आजीविका सुरक्षित होगी। इसके अलावा जंगली पौधे, फफूंद और शैवाल दुनिया की 20 फीसदी आबादी के भोजन का हिस्सा हैं। दुनिया में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों में से 70 फीसदी लोग जंगली प्रजातियों पर सीधे तौर पर निर्भर हैं। यह उनकी आमदनी का मुख्य स्रोत है।

लंदन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययन में यह बताया गया है कि कैसे विभिन्न जीव-जंतु हमारी धरती के परिदृश्य को प्रभावित करते हैं। दीमक के विशाल टीले, दरियाई घोड़े, जो जल निकासी प्रणाली बनाते हैं और बीवर, जो दलदली भूमि तैयार करते हैं, अंतरिक्ष से भी देखे जा सकते हैं। जानवर केवल प्रकृति का हिस्सा नहीं हैं बल्कि वे इसे बनाने और आकार देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लंदन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययन में यह बताया गया है कि कैसे विभिन्न जीव-जंतु हमारी धरती के परिदृश्य को प्रभावित करते हैं। दीमक के विशाल टीले, दरियाई घोड़े, जो जल निकासी प्रणाली बनाते हैं और बीवर, जो दलदली भूमि तैयार करते हैं, अंतरिक्ष से भी देखे जा सकते हैं। यह शोध नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में प्रकाशित हुआ है।

शोधकर्ता वैज्ञानिकों का कहना है कि यह अध्ययन अपनी तरह का पहला वैश्विक विश्लेषण है, जिसमें 603 प्रजातियों के समूहों की पहचान की गई है जो पृथ्वी की सतह की प्रक्रियाओं को प्रभावित करते हैं। इनमें छोटे कीड़े, जो मिट्टी की संरचना बदलते हैं, से लेकर नदी के तल को नया आकार देने वाली सैल्मन मछलियां तक शामिल हैं। अध्ययन में यह भी बताया गया है कि पहचानी गई 30 फीसदी से अधिक प्रजातियां दुर्लभ, स्थानीय या विलुप्त होने के कगार पर हैं। इसका मतलब है कि उनके द्वारा संचालित भू-आकृति संबंधी प्रक्रियाएं पूरी तरह समझे जाने से पहले ही समाप्त हो सकती हैं, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा।छोटे-छोटे जीवों की हमारे जीवन में अहमियत है। ब्राजील में दीमक विशाल टीलों का नेटवर्क बनाते हैं, जिनमें से कुछ तो हजारों वर्ग किलोमीटर तक फैले होते हैं। सैल्मन मछली के प्रजनन के दौरान तलछट का इतना अधिक स्थानांतरण होता है जो सालाना बाढ़ के बराबर हो सकता है। चीटियां छोटी जरूर होती हैं, लेकिन अपनी सतत गतिविधियों से मिट्टी की संरचना और जल निकासी प्रणाली में बड़ा बदलाव लाती हैं। शोधकर्ताओं ने कहा, जानवरों का योगदान केवल पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने तक सीमित नहीं है बल्कि वे पृथ्वी की सतह और इसके परिदृश्यों को आकार देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए, इन प्राकृतिक इंजीनियरों की सुरक्षा संपूर्ण पृथ्वी के संतुलन के लिए आवश्यक है।

हिंद महासागर ...

फ्रंटियर्स इन मरीन साइंस पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में विश्लेषण किया गया कि दक्षिण एशिया में वायु प्रदूषण समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को कैसे प्रभावित कर रहा है। विशेष रूप से इस पर ध्यान दिया गया है कि जीवाश्म ईंधन जलाने और कृषि गतिविधियों से निकलने वाली नाइट्रोजन उत्तरी हिंद महासागर को किस हद तक प्रभावित कर रही है। फ्रांस के सोरबोन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने यह अध्ययन किया और पाया कि इससे महासागर की जैविक उत्पादकता प्रभावित हो रही है। हालांकि, शोधकर्ताओं ने पाया कि महासागर में उर्वरक जैसी प्रक्रियाएं नाइट्रोजन जमाव के प्रभाव को संतुलित कर सकती हैं। विशेष रूप से मध्य अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के पश्चिमी हिस्सों में जहां महासागर का जलस्तर धीरे-धीरे बढ़ा है वहां नाइट्रोजन का जमाव 70 से 100 फीसदी तक बढ़ चुका है।महासागर में प्रारंभिक जैव उत्पादकता का तात्पर्य उन सूक्ष्म जीवों से है जो प्रकाश संश्लेषण या रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से ऊर्जा का उपयोग करके कार्बनिक पदार्थों का निर्माण करते हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्र के तापमान में वृद्धि हुई है, जिससे जल स्तर बढ़ा और पानी की घनत्व-आधारित परतें बन गईं। मानसून भी इस जटिलता को और बढ़ा देता है। यह महासागर की सतह और गहराई के बीच पोषक तत्वों के प्रवाह को प्रभावित करता है, जिससे प्रारंभिक और द्वितीयक उत्पादकों को आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं। अरब क्षेत्र से उड़कर आने वाली धूल में मौजूद लोहे के कण भी इस प्रक्रिया को तेज करते हैं।शोधकर्ताओं ने कंप्यूटर मॉडलिंग और उपग्रह चित्रों की मदद से नाइट्रोजन जमाव और महासागर के तापमान बढ़ने के प्रभाव का विश्लेषण किया। पता चला है कि प्रारंभिक फाइटोप्लैंकटन (समुद्री शैवाल) और जूप्लैंकटन (समुद्री के सूक्ष्म प्राणी, प्लवक और सूक्ष्म समुद्री जीव) की उत्पादकता के कुछ स्थानों पर तेजी से वृद्धि हुई, वहीं कुछ क्षेत्रों में पोषक तत्वों की कमी देखी गई। विशेष रूप से पश्चिमी अरब सागर में 100 मीटर से नीचे कार्बन के अधिक होने की पुष्टि हुई, जबकि दक्षिण-पूर्वी अरब सागर और मध्य बंगाल की खाड़ी में उत्पादकता सबसे कम रही। इन क्षेत्रों में समुद्र के गर्म होने के कारण पोषक तत्वों की आपूर्ति सीमित हो गई, जिससे नाइट्रेट की गहराई बढ़ गई।

आज वेशी योग और सप्तमी तिथि का संयोग

आज यानी 6 मार्च को गुरुवार के दिन कई शुभ योग बन रहे हैं। ऐसे में गुरुवार के दिन के स्वामी गुरु ग्रह और इसके देवता विष्णु की कृपा का लाभ कई राशियों को प्राप्त होगा। कल चंद्रमा का संचार दिन रात वृषभ राशि में गुरु के साथ गोचर करते हुए गजकेसरी योग बनाएंगे। जबकि कल सूर्य से द्वितीय भाव में बुध और शुक्र का गोचर होने से वेशी योग बनेगा। इन स्थितियों में आज का दिन भगवान विष्णु की कृपा का लाभ सिंह सहित मेष, मिथुन, सिंह,धनु और मीन राशि के जातक पा सकेंगे। साथ ही जानें कल गुरुवार को कौन से उपाय करने से लाभ मिलेगा।

मेष राशि –आज का दिन मेष के लिए सकारात्मक रहेगा। आपको आज कार्यक्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आपको अधिकारियों और सहकर्मियों से पूरा सहयोग और समर्थन प्राप्त होगा। जो लोग नौकरी मैं बदलाव के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको अपने प्रयास में कल कामयाबी मिलेगी। अगर आपकी नौकरी में प्रमोशन और की बात चल रही है तो आज का दिन आपके लिए लाभ का अवसर लेकर आएगा। आपको आज अपनी प्रबंधन क्षमता और पूर्व अनुभव का भी लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक जीवन में आपको पिता से विशेष रूप से लाभ मिलेगा।

मेष राशि के लिए गुरुवार के उपाय, दिन शुभ बनाए रखने के लिए आपको आज चने की दाल का दान करना चाहिए। किसी शुभ काम के लिए जा रहे है तो पिता अथवा गुरु से आशीर्वाद लेकर जाएं।

सिंह सहित पांच राशियों के जातक गुरुवार को पाएंगे अप्रत्याशित लाभ

मिथुन राशि –आज का दिन मिथुन राशि के लिए मामलों में बहुत ही अनुकूल और शुभ रहेगा। आपको आज प्लानिंग के अनुसार कमाई होने से खुशी होगी। आपका कोई महत्वपूर्ण काम कल पूरा होने से खुशी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको आज कुछ नए मौके और जिम्मेदारी मिल सकती है। बिजनेस करने वाले जातकों को आज आर्थिक मिलेगा। अपने सहयोगियों और सहकर्मियों से तालमेल बनाकर अपने टारगेट को पूरा कर पाने में सफल रहेंगे। आपको कोई माल काफी समय से फंसा है या पैसा अटका है तो इस मामले में आपको अनुकूल परिणाम प्राप्त होगा। जो लोग प्रबंधन और रचनात्मक कार्यों से जुड़े हुए हैं उनको क्षमता और अनुभव का भी आज फायदा हो सकता है।

मिथुन राशि के लिए गुरुवार के उपाय,आपको आज के दिन किसी को भी उधार पैसा देने से बचना चाहिए, साथ ही श्रीसूक्त का पाठ करना चाहिए। शुभ काम के लिए यात्रा पर जा रहे हैं तो केसर अथवा का तिलक लगा लें।

सिंह राशि–आज का दिन सिंह राशि के लोगो के लिए राजनीतिक क्षेत्र में सम्मान और प्रभाव वृद्धि कारक रहेगा। आप आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति के सानिध्य और सहयोग से लाभ पा सकेंगे और आपको कुछ जानने और सीखने का मौका मिलेगा। आर्थिक मामलों में आपको आज लाभ मिलेगा, आप आर्थिक लाभ के लिए निवेश योजनाओं में भी धन लगा सकते हैं। जो लोग साझेदारी में काम करते हैं उनको आज साझेदारों से सहयोग मिलेगा। कारोबार में कोई उलझन और परैशानी चली आ रही है उसका समाधान निकल सकता है। आप अपने कारोबार का विस्तार भी करने का विचार करेंगे। आपके सितारे कहते हैं कि आज आपके द्वारा शुरू किया गया काम भी सफल होगा। पारिवारिक जीवन के मामले में दिन आपका सुखद रहेगा। जीवनसाथी का सानिध्य और सुख मिलेगा।

सिंह राशि के गुरुवार के उपाय,दिन को शुभ और लाभदायक बनाए रखने के लिए ओम नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र से भगवान विष्णु की पूजा अर्चना करें और यथा संभव मंत्र का जप भी करें। इसी नाम को मन में बैठकर किसी शुभ काम के लिए भी जा सकते हैं।

धनु राशि – धनु राशि के लोगों के लिए आज का दिन मान प्रतिष्ठा में वृद्धि करने वाला रहेगा। आपको आज अपने पूर्व में किए हुए काम के लिए सम्मानित और प्रोत्साहित किया जा सकता है। आपके लिए आज आर्थिक लाभ का भी संयोग बनेगा कहीं से अप्रत्याशित रूप से आपको धन का लाभ मिल सकेगा। अगर आप अपने कारोबार व्यवसाय या घर के लिए लोन लेने का प्लान कर रहे हैं तो आपको इस काम में सफलता मिलेगी। आपकी कोई बड़ी चाहत भी कल पूरी हो सकती है जिसमें आपको मित्रों और निकट का भी सहयोग मिल सकता है। भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति से भी आपका मन आज आनंदित होगा। जीवनसाथी के प्रेम और सहयोग आपको भावुक बनाएगा।

आज धनु राशि के लिए गुरुवार के उपाय, आपको उपाय के तौर पर कल दूध से तुलसी को अर्घ्य देना चाहिए और विष्णु का पाठ करना चाहिए। किसी शुभ काम के लिए केसर का तिलक लगाकर जाना शुभ रहेगा। दिन को शुभ बनाए रखने के लिए आपको कल किसी बुजुर्ग व्यक्ति को श्रद्धा अनुसार दान देना चाहिए। बुजुर्गों का आशीर्वाद आपके लिए लाभदायक रहेगा।

मीन राशि – आज का दिन मीन राशि के लोगों के लिए करियर और प्रतिष्ठा में उन्नति दिलाने वाला रहेगा। बिजनेस और कारोबार में कोई उलझन और परेशानी चल रही है तो उसका समाधान भी आज हो सकता है। नौकरी में आज आपको की तरफ से कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है जिससे पहले तनाव लेकिन बाद मे खुशी मिलेगी। आपको कल सरकारी क्षेत्र के काम में भी सफलता मिलने का योग बना हुआ है। साथ ही आपकी कोई भौतिक चाहत भी कल पूरी हो सकती है। धर्म कर्म और आध्यात्मिक विषयों रुचि होने से पुण्य लाभ पाएंग।

रंगभरी एकादशी का व्रत 10 को

भगवान शिव को समर्पित इस त्योहार की तिथि और पूजा विधि

फाल्गुन माह की अमावस्या को होली का त्योहार मनाया जाता है। रंगों की इस त्योहार के पहले आने वाली एकादशी को रंगभरी एकादशी कहते हैं। हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का बहुत अधिक महत्व और हर माह की दोनों पक्षों की एकादशी तिथि दुनिया के पालककर्ता माने जाने वाले भगवान विष्णु की पूजा अर्चना के लिए समर्पित हैं। इस दिन विष्णु भक्त व्रत रखकर विधि विधान से भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। फल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी आमलकी या रंगभरी एकादशी कहते हैं। वैसे तो एकादशी व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है लेकिन वर्ष की एकामात्र रंगभरी एकादशी है, जो भगवान शिव को समर्पित है। इसे आमलकी एकादशी भी कहा जाता है और यह मार्च माह में पहला एकादशी व्रत होगा। रंगभरी एकादशी को भगवान शिव माता पार्वती की पूजा का विधान है। मान्यता है कि रंगभरी एकादशी को ही बाबा विश्वनाथ हिमालय पुत्री गौरा का गौना कराकर काशी आए थे और काशी के लोगों ने गुलाल उड़ाकर उनका स्वागत किया था। हालांकि इस एकादशी को भगवान विष्णु और आंवले के पेड़ कर भी पूजा की जाती है।

रंगभरी एकादशी की तिथि

इस वर्ष फाल्गुन माह में शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 9 मार्च को सुबह 7 बजकर 45 मिनट पर शुरू होगी और 10 मार्च को सुबह 7 बजकर 44 मिनट पर समाप्त होगी। इस साल रंगभरी एकादशी या आंवला एकादशी का व्रत 10 मार्च सोमवार को रखा जाएगा।

रंगभरी एकादशी मुहूर्त

ब्रह्म मुहूर्त - प्रात: 4 बजकर 59 मिनट से 5 बजकर 48 मिनट तक

अभिजीत मुहूर्त– दोपहर में 12 बजकर 8 मिनट से 12 बजकर 55 मिनट तक

योग– रंगभरी एकादशी की पूजा ब्रह्म मुहूर्त कर सकते हैं। समय शोभन योग रहेगा।

रंगभरी एकादशी के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 6 बजकर 36 मिनट से बन रहा है, इस योग में पूजा पाठ, शुभ कार्य करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है, कार्य सफल सिद्ध होते हैं।

रंगभरी एकादशी व्रत पारण समय

रंगभरी एकादशी के व्रत का पारण समय 11 मार्च मंगलवार को सुबह 6 बजकर 35 मिनट से 8 बजकर 13 मिनट के बीच है। 11 मार्च को द्वादशी तिथि सुबह 8 बजकर 13 मिनट पर समाप्त होगी।

रंगभरी एकादशी की पूजा विधि

रंगभरी एकादशी का व्रत करने वालों को प्रात: काल जल्दी अछकर स्नान आदि कर लेना चाहिए।

घर के मंदिर में घी से दिया जलाएं।

भगवान विष्णु, भगवान शिव और माता पार्वती को गंगाजल से अभिषेक कराएं।

भगवान विष्णु, भगवान शिव और मां पार्वती को फूल अर्पित करें।

देशी घी का दीपक जलाकर आरती और मंत्रों का जाप करें।

पूजा के बाद आरती करें और एकादशी का व्रत रखें।

पूजा के अंत में भगवान को भोग लगाएं और लोगों में प्रसाद का वितरण करें।

इस दिन आंवले के पेड़ की भी पूजा की जाती है।

मंदिर जाकर आंवले के पेड़ की पूजा करें।

रंगभरी एकादशी का महत्व

रंगभरी एकादशी के दिन व्रत रखकर भगवान विष्णुर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा अर्चना की जाती है।

रंगभरी एकादशी का व्रत रखेन से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

रंगभरी एकादशी के आंवले के पेड़ की भी पूजा शुभ माना जाता है।

आंवले के वृक्ष को सभी प्रकार के पापों को नष्ट करने वाला शुभ वृक्ष माना जाता है।

रंगभरी एकादशी के दिन आंवला खाना शुभ माना जाता है।

एकादशी पर इस बार काशी में नागा साधु उठाएंगे बाबा–गौरा डोली

काशी में रंगभरी एकादशी के दिन बाबा विश्वनाथ की गौना बारात के अनूठे उत्सव की तैयारियों ने जोर पकड़ा है। पहली बार बाबा की डोली महाकुंभ से काशी आए नागा साधु अपने कंधों पर उठाएंगे। उस दिन रजत सिंहासन पर सवार होकर बाबा विश्वनाथ माता पार्वती और प्रथमेश नागा साधुओं के कंधे पर काशी की गलियों में निकलेंगे तो शंखनाद और डमरूओं के निनाद के बीच काशीवासी बाबा संग गुलाल की होली खेलेंगे। इसी के साथ काशी में पांच दिनी रंगोत्सव शुरू हो जाएगा।

महाशिवरात्रि पर महादेव और महामाया के विवाह उपरांत रंगभरी एकादशी पर भगवान शंकर पार्वती का गौना होता है। रंगभरी एकादशी 10 मार्च को मनाई जाएगी। यह परंपरा काशी की धरती पर सदियों से निरंतर निभाई जा रही है। मान्यता है कि इस दिन बाबा स्वयं भक्तों के संग होली खेलते हैं। विवाह उत्सव से पहले बाबा को हल्दी–तेल की रस्म के लोकाचार काशीवासियों के साथ ही पहली बार शामिल हुए नागा साधु अब निरंजनी अखाड़े के संत दिगंबर खुशहाल भारती की अगुआई में गौना बारात का हिस्सा बनेंगे।

गौना के लिए काशी विश्वनाथ मंदिर के पूर्व महंत का टेढीनीम स्थित आवास चार दिनों के लिए माता गौरा के मायके में तब्दील गौने से पहले 7 मार्च को गीत गवना, 8 मार्च को गौरा का तेल–हल्दी होगा। 9 मार्च को बाबा का ससुराल आगमन होगा। ससुराल आने के मौके पर 11 ब्राह्मणों द्वारा स्वतिवाचन, वैदिक घनपाठ और मंत्रों से बाबा की आराधना कर उन्हें रजत सिंहासन पर विराजमान कराया जाएगा। 10 की शाम बाबा की पालकी उठने से पहले सगुन गीतों के बीच भभूत की होली खेली जाएगी।

मेवाड़ी परिधान में सजेंगे बाबा और गौरा

बाबा इस बार अपने गौने की बारात में राजसी पगड़ी और मेवाड़ी परिधान धारण करेंगे। यह परिधान नागा साधुओं की ओर से अर्पित किया गया माता पार्वती गुलाबी बनारसी साड़ी में दर्शन देंगी। बाबा की आंखों में लगाने के लिए काजल विश्वनाथ मंदिर के खप्पर से तो गौरा के लिए सिंदूर परंपरानुसार अन्नपूर्णा मंदिर के मुख्य विग्रह से लाया जाएगा। रंगभरी एकादशी के दिन मुख्य अनुष्ठान की शुरुआत ब्रह्म मुहूर्त में होगी। पंचगव्य से षोडशोपचार पूजन और रुद्राभिषेक के बाद बाबा और मां पार्वती का श्रृंगार आरंभ होगा। गौना के लिए कई क्विंटल खास गुलाल मंगाया गया है। महाश्मशान में होगी चिता भस्म से होलीरंगभरी एकादशी के अगले दिन यानी 11 मार्च को भोले के भक्त महाश्मशान मणिकर्णिका घाट पर चिताओं से निकली से होली खेलेंगे।

महाकुंभ के बाद काशी आए नागा साधुओं ने महाशिवरात्रि पर भोलेनाथ के विवाह के दिन राजसी यात्रा निकाल सनातन का वैभव दिखाया था। अब नागा साधु पंचक्रोशी परिक्रमा करेंगे। 75 किलोमीटर की पंचकोसी यात्रा 5 मार्च से शुरू होकर पांच दिनों में पूरी होगी। पंचकोसी यात्रा शामिल होने वाले पांच सौ से ज्यादा नागा साधु शिवाला स्थित महानिर्वाणी अखाड़े से 5 मार्च की सुबह निकलेंगे। मणिकर्णिका तीर्थ पर कूपजल से संकल्प लेकर यात्रा प्रारंभ होगी।

राहुकाल के दौरान करें ये काम, दूर होंगे राहु दोष, बनेंगे सब बिगड़े काम

ज्योतिष शास्त्र में राहुकाल को समय माना जाता है। यह हर दिन लगता है और इसकी अवधि करीब डेढ़ घंटे की होती है। कहा जाता है कि इस दौरान शुभ कार्य नहीं करने चाहिए। राहुकाल में हवन, यज्ञ, विवाह, गृह प्रवेश समेत अन्य शुभ कार्यों को करने से बचना चाहिए। यही नहीं राहुकाल में काम भी नहीं शुरू किया जाता है। घर–गाड़ी, जेवर आदि खरीदने की भी इस समय मनाही है। राहुकाल में क्या नहीं करना चाहिए, यह तो अक्सर बताया जाता है, लेकिन इस दौरान क्या करना चाहिए? इसकी जानकारी कम लोगों को होती है। ऐसे में जानिए राहुकाल के दौरान किन को करना चाहिए, जिनसे न सिर्फ आपको फायदा मिलेगा, बल्कि आपकी किस्मत के बंद दरवाजे भी खुल सकते हैं।

कहा जाता है कि राहुकाल के दौरान ध्यान और साधना करने से मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। चूंकि इस दौरान नकारात्मकता हावी रहती है इसलिए इससे बचने लिए प्रार्थना या प्रभु के नाम का जप करना चाहिए। ऐसा करने से मन सन्मार्ग की ओर लगता है।

राहु काल में राहु दोष शांत करने के उपाय

राहुकाल के दौरान राहु ग्रह का प्रभाव रहता है और इस ग्रह का स्वभाव विनाशकारी माना जाता है। ऐसे में राहुग्रह प्रभाव को कम करने के लिए राहु मंत्र का जप करना चाहिए। इस दौरान आप ॐ रां राहवे नम: का जप कर सकते हैं। इसके अलावा राहु ग्रह की पूजा करने से भी इसका प्रभाव कम होता है।

राहुकाल के दौरान भजन–कीर्तन से लाभ

माना जाता है कि राहुकाल दौरान दिमाग स्थिर नहीं रहता है और सही फैसले नहीं ले पाता है। ऐसे में इस दौरान भजन और कीर्तन करना चाहिए। इसके अलावा मंदिर भी जा सकते हैं। इससे जातक को सद्बुद्धि आती है और वह अपने हित से जुड़े फैसले ले सकता है।

राहुकाल के दौरान पितृ शांति के उपाय

वैसे तो राहुकाल के दौरान कई कार्यों को करने की मनाही होती है, लेकिन इस अवधि में मृत्यु से जुड़े कर्मकांड या श्राद्ध कर्म किए जा सकते हैं। इसके अलावा तर्पण, पूर्वजों की पूजा, ब्राह्मण भोज आदि भी कराया जा सकता है।

राहुकाल के दौरान यात्रा से पहले पान खाकर निकलें

राहुकाल के दौरान यात्रा करने की मनाही होती है, लेकिन अगर आपके लिए यात्रा को टालना संभव न हो और बाहर निकलना ही पड़े तो कुछ उपायों के साथ राहुकाल के दौरान यात्रा की जा सकती है। राहुकाल के दौरान यात्रा पर निकलने से कुछ मीठा या दही या पान खाकर निकलें। इसके अलावा घर से बाहर निकलने से पहले 10 कदम उलटे चलें। इसके बाद ही यात्रा पर निकलें। इससे अनिष्ट होने की आशंका दूर हो जाती है।

राहुकाल के दौरान पढ़ना–लिखना फायदेमंद

राहुकाल के दौरान कई कार्यों को करना अशुभ माना है, लेकिन पढ़ाई–लिखाई करना शुभ माना जाता है। आप इस दौरान अपने पाठ्यक्रम से जुड़े या रुचिकर विषयों की पढ़ाई कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आपको लिखना पसंद है तो आप अपने विषय से जुड़ी बातें या अपने मन की बातों को कागज पर उतार सकते हैं। इससे सिर्फ आपके विचारों में नयापन और पैनापन आएगा, बल्कि राहु के प्रभाव से भी आप बच पाएंगे।

राहुकाल के दौरान तंत्र–मंत्र साधना

राहुकाल का सकारात्मक पक्ष देखें तो यह ऐसा समय है, जो हमें अपने कार्यों को सावधानी से करने की चेतावनी देता है। साथ ही यह बताता है हमें नकारात्मक ऊर्जा से बचना चाहिए। इसलिए इसे विवेकपूर्ण तरीके से समझना चाहिए। यही वजह है कि इस दौरान कुछ लोग तांत्रिक साधनाएं भी करते हैं। इससे वे अपनी साधना को सिद्ध करने का प्रयास करते हैं।

पाकिस्तानी सिंगर नूरजहां की फैन थीं दिवंगत स्वर कोकिला लता मंगेशकर भी

इंदिरा गांधी को गाना सुनाने से कर दिया था इंकार

पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की पॉपुलर सिंगर नूरजहां ने सात दशक तक अपनी मधुर आवाज का जादू बिखेरा था। आज भले ही नूरजहां इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके गाए गाने आज भी लोगों को याद हैं। नूरजहां ने ना सिर्फ पाकिस्तान बल्कि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के लिए भी गाने गाए थे। नूरजहां ने पंजाबी, सिंधी, बंगाली, पश्तो, हिंदी और अरबी भाषा में 10 हजार से ज्यादा गाने गाए थे। नूरजहां की आवाज का जादू कुछ ऐसा फैला था कि दिवंगत स्वर कोकिला लता मंगेशकर भी उनकी फैन बन गई थीं। नूरजहां का जन्म 21 सितंबर 1926 को पाकिस्तान में हुआ था। वहीं, भारत-पाक के बंटवारे के बाद वह पाकिस्तान में रहीं।

क्रिकेटर से जुड़ा था नूरजहां का नाम

नूरजहां का असली नाम अल्ला राखी वसाई था। नूरजहां को संगीत विरासत में मिला था। ऐसे में नूरजहां को एक्टिंग और सिंगिंग का शौक बचपन से ही लग नूरजहां अपनी बहनों संग कोलकाता गईं और साल 1930 में फिल्म 'हिन्द के तारे' में बतौर चाइल्ड कलाकार काम किया। इन दिनों नूरजहां की मुलाकात पॉपुलर गायिका मुख्तार बेगम से हुई और यही वो शख्स थीं, जिन्होंने अल्लाह राखी वसाई से उनका नाम नूरजहां कर दिया था। नूरजहां उन में शामिल हैं, जो अपनी शर्तों पर जिंदगी जीते थे। नूरजहां ने दो शादियां रचाई। साल 1942 में उनकी पहली शादी शौकत रिजवी के साथ हुई और 1953 में वह पति से अलग हो गईं। नूरजहां ने दूसरी शादी साल 1959 में एजाज दुर्रानी से रचाई, जो कि 1971 चली थी। गौरतलब है कि शौकत रिजवी ने अपनी किताब 'नूरजहां की कहानी मेरी जुबानी' में बताया था कि नूरजहां के संबंध एक पाकिस्तानी खिलाड़ी नजर मोहम्मद से थे।

जब इंदिरा गांधी को गाना सुनाने से कर दिया था मना

कहा जाता है कि नूरजहां और नजर मोहम्मद के आज भी पॉपुलर हैं। नूरजहां के पति ने उन्हें नजर मोहम्मद संग बंद कमरे में पकड़ा था। इसके बाद क्रिकेटर ने छत से छलांग लगा दी थी और उनका एक हाथ टूट गया था। हाथ टूटने की वजह से नजर मोहम्मद का क्रिकेटर करियर खत्म हो गया। भारत में के काम की बात करें तो उन्हें फिल्म जुगनू, खानदान, नौकर, दुहाई, विलेज गर्ल और बड़ी मां में देखा गया। नूरजहां की बेटियों ने एक इंटरव्यू में बताया था, 'मां इंदिरा गांधी के यहां गई थीं, उन्होंने कहा कि आप मुझे एक गाना सुनाइए, तो मां ने मना कर लेकिन जब राजीव गांधी पाकिस्तान आए तो अम्मी को डिनर पर बुलाया गया, राजीव गांधी ने कहा कि आप हमें एक गाना सुना दीजिए तो मां ने कहा कि आप हमारे मेहमान हैं और आपके लिए गाएंगे'।

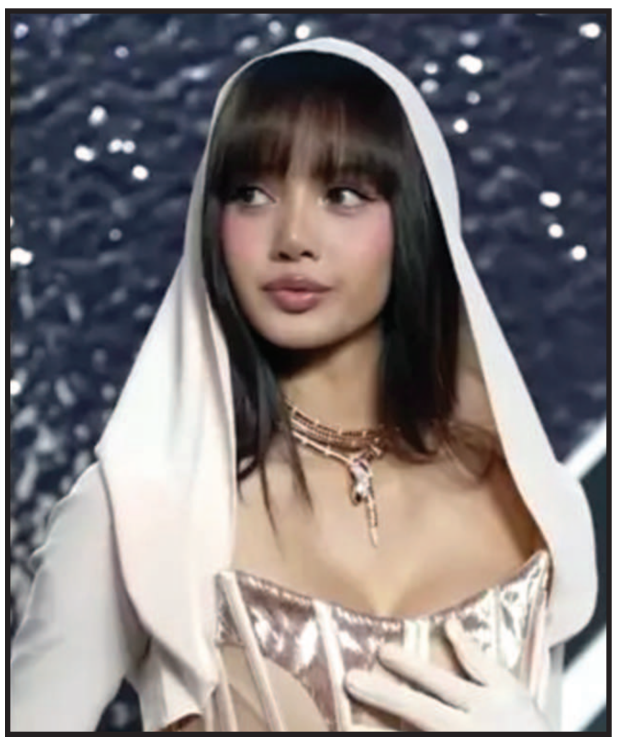

अनु मलिक की बेटी अदा मलिक ने खूबसूरती में तोड़े सारे रिकॉर्ड

पॉपुलर म्यूजिक कंपोजर अनु मलिक की छोटी अदा मलिक तेजी से चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, अदा मलिक को एक बी-टाउन पार्टी में बेहद ग्लेमरस अंदाज में देखा गया है। इस पार्टी से अदा की तस्वीरें और वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। अदा को अपने पेरेंट्स संग फिल्म डायरेक्टर आशुतोष के बेटे कोणार्क गोवारिकर के वेडिंग रिसेप्शन में स्पॉट किया गया है। मुंबई में हुआ यह एक स्टार स्टड वेडिंग रिसेप्शन था। यहां अनु मलिक पत्नी अंजू मलिक और दोनों बेटियां (अनमोल और अदा) के साथ पहुंचे थे। इस रिसेप्शन में सबसे ज्यादा लाइमलाइट अनु मलिक की छोटी बेटी ने लूट ली है। यहां अदा को 'ब्लैकपिंक' की लीसा के लुक में देखा गया है।

अदा बनीं ब्लैकपिंक की लीसा

ब्लैकपिंक एक के-पॉप सिंगिंग गर्ल ग्रुप है, जिसमें लीसा सबसे ज्यादा पॉपुलर हैं। वेडिंग रिसेप्शन में अदा को लीसा के लुक में देखा गया है। अदा ने ब्लैक गोल्डन कंट्रास्ट में कुर्ता और इस पर ब्लैक रंग की स्कर्ट पहनी हुई है। अदा ने लीसा की तरह स्लीक हेयर स्टाइल बनाया और आंखों को ड्रामाटिक विंग्ड आई लाइनर से सजाया। इस लुक में अदा बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो में अदा देख लोगों ने तुरंत अदा के लुक की तुलना लीसा से करना शुरू कर दिया। अब अदा के लीसा से इंस्पायर्ड लुक पर नेटिजन्स अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

अदा को देख चौंके नेटिजन्स

अदा के इस लुक पर एक यूजर ने लिखा है, 'अगर आप अदा को एक देखते हैं, तो सबसे पहले आपको सिर्फ लीसा ही नजर आएगी, ओह माय गॉड'। दूसरा यूजर लिखता है, 'लुक और मेकअप बिल्कुल लीसा की तरह है'। तीसरा यूजर लिखता है, 'ओह माय गॉड, यह तो ब्लैकपिंक की लीसा की तरह ही दिख रही है'। कई यूजर्स ने अदा को का यंग वर्जन भी कहा है। एक और लिखता है, 'मुझे लगा कि ब्लैकपिंक की लीसा को पार्टी में बुलाया गया है'। वहीं, कईयों का कहना है कि अदा ब्लैकपिंक की लिसा से ज्यादा क्यूट दिख रही हैं। अदा के बारे में बता दें कि वह एक फैशन डिजाइनर उन्होंने न्यूयॉर्क से फैशन डिजाइनिंग में पढ़ाई की है। अदा ने हाल ही में तनिषा मुखर्जी के लिए एक 'ओरिगामी ड्रेस' भी तैयार की थी।

90 में सलमान-शाहरुख से कम नहीं था विवेक मुशरान का स्टारडम

जानें अब कहां हैं सौदागर में मनीषा कोइराला के हीरो?

बॉलीवुड के लिए 90 का दशक बेहद खास था। इस दौर में कई एक्टर्स ने बॉलीवुड में डेब्यू किया और एक से बढ़ कर एक हिट फिल्में रिलीज हुईं। इन फिल्मों को हर आयु वर्ग के दर्शकों ने पसंद 90 में कई ऐसे एक्टर हुए, जिन्होंने अपनी पहली ही फिल्म से फैंस के दिलों पर राज किया, वे रातों रात स्टार बन गए। हालांकि एक दो हिट फिल्में देने के बाद वे सिनेमा से गायब भी हो गए। 90 के गुड लुकिंग और स्टार एक्टर विवेक मुशरान भी उन्हीं में से एक हैं।

विवेक मुसरान ने बतौर हीरो फिल्म 'सौदागर' से बॉलीवुड में डेब्यू किया थीं। इस फिल्म में मनीषा कोईराला उनकी हीरोइन थीं। फिल्म में दिलीप कुमार, राज कुमार और नाना पाटेकर जैसे सुपरस्टार के होते हुए विवेक ने अपनी मासूमियत और एक्टिंग से के दिलों में अपनी अलग जगह बनाई। इस फिल्म में वह 90 की टॉप एक्ट्रेस मनीषा कोइराला और उन पर फिल्माया गया गाना इलू- इलू काफी पसंद किया गया था। उस दौर में यह गाना लोगों की जुबान पर चढ़ गया था। सौदागर के अलावा विवेक फर्स्ट लव स्टोरी मनीषा के साथ नजर आए थे। इन फिल्मों के अलावा भी विवेक कुछ फिल्मों में नजर आए थे। हालांकि बतौर लीड हीरो वह सिनेमा में अपनी जगह बनाने में कामयाब नहीं हुई। कुछ हिट के बाद उनकी फिल्में फ्लॉप होने लगी। वह जितनी तेजी से स्टार बनें, उतनी ही से इडंस्ट्री से गायब भी हो गए। फिल्मों में असफल होने के बाद उन्होंने छोटे पर्दे पर काम किया और कुछ शोज में नजर आए।

बता दें कि फिल्म 'सौदागर' से विवेक महज 21 साल की उम्र में स्टार बन गए थे। इसके बाद वह वह 'सातवां आसमान', 'बेवफा वफा' और 'रामजाने' जैसी फिल्मों में दिखे। बाद की उनकी सभी फिल्में फ्लॉप

साबित हुईं। विवेक लंबे समय बाद 2000 में फिल्म 'अंजाने' में दिखे थे। बाद में वह 'तमाशा', 'पिंक', 'बेगम जान' और 'वीरे दी वेडिंग' में दिखे। इसके अलावा वह ओटीटी पर भी डेब्यू कर चुके हैं। 'नेवर किस योर बेस्ट फ्रेंड','द हर्टब्रेक होटल' और 'बैंड' जैसी कई वेब सीरीज में दिखे।

इसके अलावा 'मैं मायके चली जाऊंगी तुम देखते रहियो', 'बात हमारी पक्की है' 'सोन परी', 'निशा और उसके कजिन्स', 'परवरिश' जैसे शो में भी वह नजर आए। विवेक का लुक पहले से काफी बदल है। उम्र का असर उन पर दिखता है। वह इंस्टा पर भी एक्टिव हैं।

रिवीलिंग लहंगा पहन रकुल प्रीत सिंह दिखीं बला की खूबसूरत

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।बी-टाउन की खूबसूरत हसीना रकुल प्रीत सिंह अक्सर अपने लेटेस्ट लुक्स को लेकर चर्चाओं में रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने गोल्डन कलर का रिवीलिंग स्टाइलिश गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करते हैं।गले में नेकलेस, खुले बाल और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका ये ग्लैमरस अवतार देखकर फैंस उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

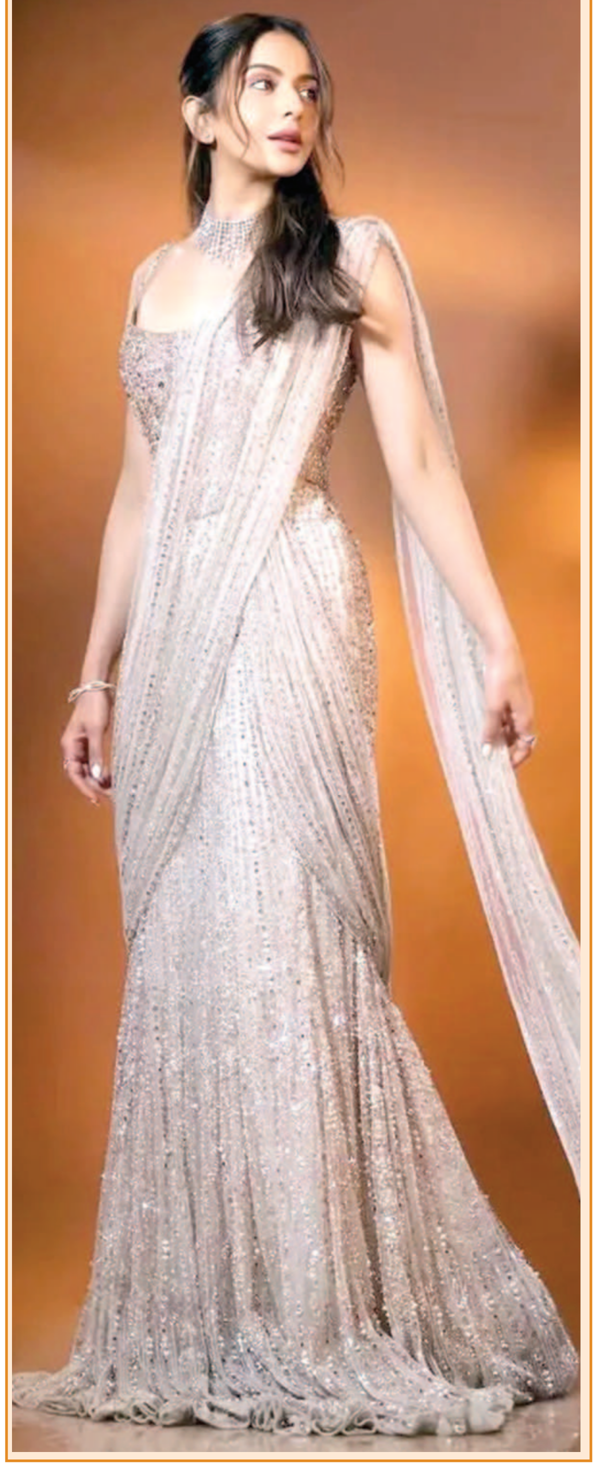

सलमान खान पर था सुष्मिता सेन को तगड़ा क्रश

पॉकेट मनी से पोस्टर्स खरीद कर सजाती थी कमरा
बाद में उसकी हीरोइन बन दी हिट फिल्म

मिस यूनिवर्स रह चुकी बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने विक्रम भट्ट की फिल्म दस्तक के साथ 1996 में डेब्यू किया था लेकिन बीवी नं 1 से उन्हें प्रसिद्धि मिली। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अपनी खूबसूरती और बेबाकी के लिए लाखों दिलों पर राज करने वाली सुष्मिता सेन के टीएनएज लव सलमान खान थे। भाईजान पर इस कदर फिदा थीं कि अपने कमरे को सलमान के पोस्टर्स से भर दिया था। सुष्मिता को सलमान की बहुचर्चित फिल्म 'मैंने प्यार किया' कुछ इस कदर पसंद आई कि उन्होंने कबूतर की भी तस्वीर अपने कमरे में लगा दी।

सुष्मिता सेन ने कुछ समय पहले एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में सलमान के लिए अपने क्रेजी टीनएज क्रश के बारे में खुल कर बताया था। इंटरव्यू में सुष्मिता ने बताया कि वह अपनी सारी पॉकेट मनी सलमान के पोस्टर्स खरीदने पर खर्च कर देती थीं। उन दिनों रिलीज के बाद हर 'मैंने प्यार किया' की चर्चा थी। इस फिल्म की रिलीज के बाद सलमान के लिए एक्ट्रेस का क्रेज इतना बढ़ गया कि उन्होंने कबूतर की भी फोटो अपने कमरे में लगा ली। सुष्मिता के माता-पिता होमवर्क पूरी नहीं करने पर पोस्टर्स हटाने की बात कहते थे जिस वजह से हमेशा अपना होमवर्क समय से पूरा कर लेती थीं।

फिल्म बीवी नं 1 के सेट पर सुष्मिता की मुलाकात सलमान से हुई और दोनों बहुत जल्द दोस्त बन गए। एक बार सलमान खान ने एक्ट्रेस की 15 साल की तस्वीर देखी और फेवरेट फिल्म का नाम पूछा। सुष्मिता ने मैंने प्यार किया और अपने कमरे में सलमान की पोस्टर्स लगाने और क्रश होने की बात बताई। सलमान ने सुष्मिता को बताया कि वह डायरेक्टर डेविड धवन से बात कर एक्ट्रेस के साथ फिल्म 'मैंने प्यार क्यों किया' बनाने जा रहे हैं। बता दें कि 'मैंने प्यार किया' सलमान खान के फिल्मी करियर की माइल स्टोन फिल्म थी। इस फिल्म ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया था।

एक अभिनेता के रूप में विनीत कुमार सिंह की रेंज बेहद शानदार

विनीत कुमार सिंह ने अपनी जगह बना ली है। और यह उनके हालिया रिलीज़ 'छावा' और 'सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव' में लगातार दिल जीत लेने वाली परफॉर्मेंस के बाद पूरे यकीन से कह सकते हैं। लक्ष्मण उटेकर और रीमा कागती के निर्देशन में बनी फिल्मों में अपने किरदार कवि कलश और फरोग के लिए अभिनेता को खूब प्रशंसा मिल रही है। जबकि अभिनेता अपनी हालिया रिलीज़ सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव की सफलता का जश्न मना रहे हैं, यहाँ विनीत की कुछ अन्य फ़िल्में हैं, जो आपको साबित करेंगी कि उन्होंने एक अभिनेता के रूप में कभी भी प्रयोग करना बंद नहीं किया।

मुक्काबाज़

मुक्काबाज़ एक ऐसी फ़िल्म है जो कई कारणों विनीत के दिल के हमेशा करीब रहेगी। यह वह फ़िल्म थी जिसने उन्हें बॉलीवुड में 17 साल बाद स्थापित किया, एक फ़िल्म जिसे उन्होंने अपनी बहन मुक्ति के साथ मिलकर लिखा था, और अनुराग कश्यप द्वारा फ़िल्म बनाने और विनीत को इसमें कास्ट करने के लिए सहमत होने से पूरे दो साल तक इंतज़ार किया। अभिनेता ने असल ज़िंदगी में बॉक्सर बनने के लिए एक साल से ज़्यादा समय तक प्रशिक्षण भी लिया। इस फ़िल्म ने 2017 टोरंटो इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल और 2017 च-चख फ़िल्म फ़ेस्टिवल में प्रशंसा हासिल की, जहाँ इसे स्टैंडिंग ओवेशन मिला। इस फिल्म ने कुमार सिंह को भी एक ऐसे अभिनेता के रूप में स्थापित किया, जिस पर नज़र रखना चाहिए।

गैंग्स ऑफ़ वासेपुर 1 और 2

विनीत ने अनुराग कश्यप की डार्क कॉमेडी में सरदार और नगमा के बेटे दानिश खान का किरदार निभाया था। दरअसल, दानिश के किरदार में एक ग्रे था, लेकिन दर्शकों ने उसे बेहद पसंद किया। विनीत ने एक इंटरव्यू में गैंग्स ऑफ वासेपुर में अपने किरदार को चुनौतीपूर्ण लेकिन पुरस्कृत अनुभव भी बताया था।

गोल्ड

गोल्ड में विनीत ने भारत के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण किरदार इम्तियाज अली शाह की भूमिका निभाई थी, जो 1936 बर्लिन ओलंपिक में जर्मनी पर भारतीय हॉकी टीम की जीत का अहम हिस्सा थे। तपन (अक्षय कुमार) और इम्तियाज ने मिलकर एक नई भारतीय हॉकी टीम बनाई और 1948 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में एक स्वतंत्र देश के रूप में इतिहास रचा। विनीत ने इम्तियाज और उनके संघर्षों को जिस से निभाया, उसकी खूब तारीफ हुई, खासकर मुश्किल समय में खिलाड़ियों की भावनाओं को सामने लाने के लिए।

अगली

अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित इस डार्क थ्रिलर में विनीत ने चैतन्य का किरदार निभाया, जो एक स्ट्रगलिंग एक्टर और कास्टिंग डायरेक्टर था। जिसमें इंसानों के 'अगली' और इंटेंसिव पक्ष को लाया गया था। और इसे कांस फ़िल्म फेस्टिवल में क्रिटिकल अक्लेम मिला। विनीत का परफॉर्मेंस खासतौर पर सराहा गया, क्योंकि उन्होंने एक जटिल और लेयर्ड किरदार को बहुत प्रभावी ढंग से निभाया।

गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल

विनीत ने कठोर स्वभाव वाले सेक्सिस्ट फ्लाइट कमांडर दिलीप सिंह की भूमिका जो गुंजन के वरिष्ठ अधिकारी और प्रशिक्षक थे, जिन्होंने अकादमी में उनके लिए जीवन कठिन बना दिया था। वह अक्सर उसे हतोत्साहित करते नजर आते हैं, और उन्होंने संकीर्ण मानसिकता वाले व्यक्ति की भूमिका बखूबी निभाई है, जिसे फिल्म में बार-बार उजागर करने का प्रयास किया गया है।

छावा

छावा में विनीत ने छत्रपति संभाजी महाराज के दरबारी कवि कलश की भूमिका में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ भूमिका निभाई। वह अपने राजा के साथ शुरू से लेकर आखिर तक, उनके मारे जाने से ठीक पहले तक खड़े रहे। अभिनेता वर्तमान में इस एतिहासिक फिल्म में अपने प्रदर्शन के लिए का आनंद ले रहे हैं।

सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव

रीमा कागती द्वारा निर्देशित इस फ़िल्म में विनीत ने फरोग़ नाम के एक लेखक का किरदार निभाया, जो अपनी लेखनी के लिए कभी उचित पहचान नहीं पाता। फ़िल्म लेखकों की उस हकीकत को दर्शाती है, जिसमें उन्हें अक्सर उनका हक़ नहीं इस फ़िल्म में विनीत का संवाद राइटर बाप होता है सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है और उन्होंने इस किरदार को अपने शानदार परफॉर्मेंस से यादगार बना दिया है।

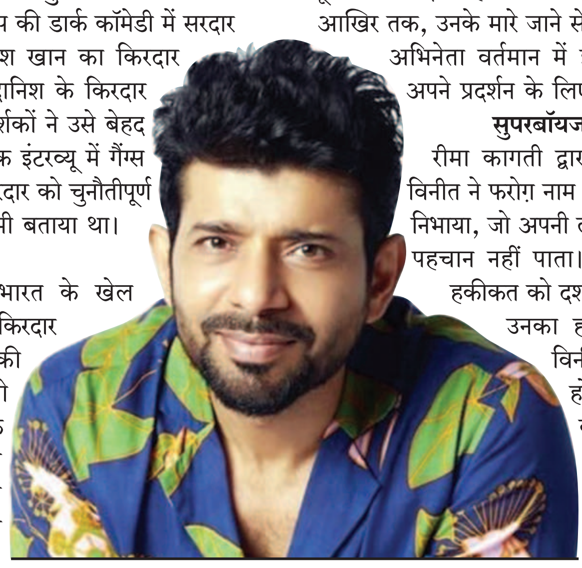

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिनभर तनाव बना रहेगा , जिससे आप की कार्यक्षमता पर भी असर दिखेगा । आपके लिए विपरीत परिस्थिति निर्मित हो सकती है। चोट लगने की आशंका है। आप आज ऊर्जा से भरपूर हैं, जो आपके काम में भी स्पष्ट दिखाई देगी । अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद अपने साथी के लिए कुछ समय निकालें। आज आप किसी पर संदेह कर सकते है। कुसंगति से दूर रहें। धन लाभ होने की संभावना है। खानपान का ध्यान रखें। प्रसन्नता रहेगी। नौकरीपेशा लोगों का किसी सहयोगी से विवाद हो सकता है। यात्रा का योग बन रहा हैं स्वास्थ्य परेशान कर सकता हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन जबरदस्त रहेगा। आज आप को अनजान व्यक्तियों से मेलझोल बढाना पड सकता हैं। आप को कुसंग से दूर रहना चाहिए । सामाजिक रूप से आपका सम्मान होगा। खर्च मे कमी हो सकती है। आज आप विपरीत परिस्थिति सामना करेंगे । आज आप जीवनसाथी को घूमने लेकर जाए । किसी मुद्दे पर उनकी सलाह लेकर काम करें। आवश्यक न हो तो यात्रा को टालें। प्रसन्न रहें। शासकीय कार्य पूरे होंगे। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। धार्मिक कार्यक्रम का हिस्सा बनें मन प्रफुल्लित रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आज बडे बुजुर्गो का आशीर्वाद लेकर ही दिन की शुरुआत करें वाणी पर संयम रखें आपका किसी के साथ विवाद हो सकता है। कार्य क्षेत्र में बाधा आ सकती है। युवाओं को सफलता मिलेगी। नया काम प्रारंभ करने से पहले बड़ों से सलाह जरूर ले। आज आपको धन लाभ होने की संभावना है।जीवनसाथी की जरूरतों का ध्यान रखें। निवेश कर सकते हैं। कामकाजी लोगों को खुशखबरी मिलेगी। पैतृक मामले में प्रगति होगी। समय पर जिम्मेदारी पूरी करने का प्रयास करें। नंदी को दाल का भूसा खिलाए गौ सेवा करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज खर्चा ज्यादा होगा मित्रों से विचार विमर्श करें । आज आपको किस्मत का सहयोग प्राप्त होगा। कुसंगति से दूर रहें। धार्मिक कार्यों में शामिल होंगे। व्यवसाय में लाभ होगा। खानपान को लेकर लापरवाही न करें। प्रसन्न रहेंगे। सेहत ठीक रहेगी। निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा । युवाओं को नौकरी मिल सकती है। नए प्रोजेक्ट पर कार्य शुरू कर सकते हैं। किसी से विवाद होने की आशंका है। लम्बीत कार्य को पहले पूरा करें अनावश्यक तकलीफें दूर रहेंगी ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अगर आप अपने क्रोध पर नियंत्रण रखने मे कामयाब होते हैं तो दिन खुशनुमा बीतेगा अन्यथा दिन मिलाजुला रहेगा। बाहर जाते समय सावधान रहें। कोई अप्रिय घटना हो सकती है। आज अच्छे कार्यो पर आपका धन खर्च होगा। आज सेहत को लेकर आप चिंता में रहेंगे। युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। अनजान लोग आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। कर्ज लेनदेन करते समय विशेष सावधानी रखें। आज यात्रा करनी पड रही हैं तो गुड का सेवन करके प्रस्थान करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कुछ भागमदौड ज्यादा ही होगी थकावट का अनुभव होगा । कामकाजी लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। कारोबार के क्षेत्र में निराशाजनक परिणाम प्राप्त होंगे। आपको किस्मत का साथ मिलेगा। जीवनसाथी के साथ मधुरता रहेगी। कुछ नुकसान उठाना पड सकता है। पूजा पाठ करने से मानसिक शांति की प्राप्ति होगी। दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। छात्रों का दृढ़ संकल्प और मेहनत रंग लाएगी। अगर आप अविवाहित हैं और विवाह सम्बन्ध के लिए परेशान है तो दुर्गा की उपासना करें कार्यसिद्धि होगी मनोवांछित परिणाम मिलेगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप को कर्म का फल मिलेगा भाग्य आप का साथ देगा दिन शानदार रहेगा । धन लाभ होने की संभावना है। नए काम में मन लगेगा। किसी की मदद कर सकते हैं।प्रभु की आराधना से शांति मिलेगी। आपको पदोन्नति मिल सकती है। आपको खुशखबरी मिल सकती है। अनजान लोगों से सतर्क रहें। अपने मित्रों के साथ घूमने जा सकते हैं। स्वास्थ्य सम्बन्धित परेशानी हो सकती हैं सतर्क रहें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शिक्षा से जुडे हुए लोगों को लाभ मिलेगा एवं पदोन्नति भी सम्भव हैं प्रसन्न रहेंगे। किसी भी विवाद का हिस्सा न बनें। अपने जीवनसाथी को उपहार जरूर दें । आज घर की जिम्मेदारी के चलते व्यस्त रहेंगें। युवाओं को कैरियर के लिए काफी मेहनत करनी होगी। शासकीय कार्य लंबित रहेंगे। कर्ज की रकम वापस मिल सकती है। क्षमता के अनुसार सफलता प्राप्त होगी। आज आप मे जोश और उर्जा का संचार रहेगा । आप परिवार के साथ घूमने जा सकते हैं परिवार मे खुशी का माहौल रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सूर्य को लाल चंदन से अर्घ्य देकर दिन की शुरुआत करें आपका दिन ऊर्जावान रहेगा । काफी शांत महसूस करेंगे। आध्यात्मिकता की ओर झुकाव होगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। नए लोगों से मुलाकात होगी। योजनाएं बनेंगी। आज अच्छी सेहत का आनंद उठाएंगे। आपको परिवार के सदस्य की छोटी–मोटी तकलीफ होने पर देखभाल करनी पड़ सकती है। मित्रों से मुलाकात होगी। किसी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने दूसरे शहर जा सकते हैं। अनजान लोगों से सावधान रहें आप को घात पहुंचा सकते हैं आप को सूज–भूज का परिचय देना पडेगा ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज शारीरिक तौर आप को परेशानी हो सकती हैं ज्यादा महनत के काम से परहेज करें । जीवनसाथी की किसी बात से तनाव में रहेंगे। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। जरूरी फैसले जल्दबाजी में न करें। किसी कार्य में काफी खर्च हो सकता है। आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं, जिसकी आपको जरुरत नही है। बोलचाल के दौरान सावधान रहें। कोई आपकी सरल स्वभाव का लाभ उठा सकता है। रिश्तेदारों के यहां कार्यक्रम मे जाना पड सकता हैं खर्चा भी ज्यादा हो सकता हैं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज व्यस्तता के कारण आप परिवार को समय नही दे पांएगे । व्यवसाय मे धन सम्बन्धित कमी का सामना करना पडेगा। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। कार्य क्षेत्र में अच्छी सफलता मिल सकती है। अपनी सेहत के प्रति लापरवाही न बरतें। शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। नया काम शुरू करने में जलदबाजी न दिखाएं। तनाव दूर होगा। उधार की रकम वापस मिल सकती है। लोग आप को भ्रमित कर सकते हैं बडे सीनियर्स से वाद विवाद जैसी स्थिति बनेगी आपको हितैषी का साथ मिलेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप द्विज है तो यज्ञ करके ही काम की शुरुआत करें सबसे पहले अपने परिवार की जरूरतों का ध्यान रखें। आपको सेहत संबंधी दिक्कतें हो सकती है। कार्य क्षेत्र में किसी तरह का नुकसान उठाना पड सकता है। बुजुर्गो के अनुभवों का लाभ मिलेगा। किसी बड़ी समस्या से घिर सकते हैं। कीमती सामानों की सुरक्षा करें। लोन की रकम जमा कर पाएंगे। जमीन और कन्स्ट्रक्शन कारोबार में निवेश करना आप को लाभ देगा । आपकी योजना फलीभूत होगी। किसी से भी बातचीत करते समय शब्दों का चयन बडी समझदारी से करें आप की प्रतिष्ठा बढेगी सामाजिक तौर पर लाभ दिखेगा।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 06 मार्च 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी प्रातः 10:53 तक
नक्षत्र : रोहिणी रात्रि 12:06 तक
योग : विष्कुंभ रात्रि 08:28 तक
करण : वणिज प्रातः 10:53 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:30 , सूर्यास्त 06:23 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:32 , सूर्यास्त 06:29 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:25 , सूर्यास्त 06:21 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:22 , सूर्यास्त 06:15 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा प्रातः 10:51 से रात्रि 10:02 तक

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बजट सौगातों के लिए जयपुर देहात की जनता ने जताया भजनलाल का आभार

जयपुर,05 मार्च (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ग्रामीण विकास प्रदेश की प्रगति और समृद्धि की आधारशिला है। इस बजट में ग्रामीण क्षेत्र के बुनियादी ढांचे, कृषि, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अनेक प्रावधान किए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में डबल इंजन की 8 करोड़ प्रदेशवासियों के विश्वास को कायम रखते हुए काम कर रही है, जिससे उत्कृष्ट और विकसित राजस्थान के सपने को पूरा किया जा सके।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर बजट सौगातों के लिए जयपुर देहात (दक्षिण) की ओर से आए प्रतिनिधिमण्डल की आभार सभा को संबोधित कर थे। उन्होंने कहा कि जनता से किए गए वादों को हमने संकल्प पत्र में शामिल किया था तथा 1 साल में संकल्प पत्र के 55 प्रतिशत वादे पूरे किए जा चुके हैं। किसानों, महिलाओं, गरीबों और युवाओं के हितों के लिए हमारी सरकार लगातार निर्णय ले रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष का बजट किसानों को आगे रखते हुए बनाया गया है। किसान सम्मान निधि को बढ़ाकर 9 हजार रुपये करना, गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत गोपालकों को ब्याजमुक्त ऋण, 50 हजार नए कृषि बिजली कनेक्शन और 5 लाख कनेक्शन जैसे बजटीय प्रावधानों से किसान खुश है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के लिए भी सवा लाख पदों पर सरकारी भर्तियां और डेढ़ लाख युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गत सरकार के समय हुए पेपरलीक प्रकरणों से राज्य का युवा परेशान हमने आते ही इन प्रकरणों में लिप्त अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की। हमारे सवा साल के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारे अपराध मुक्त राजस्थान की दिशा में उठाए गए कदमों से राज्य में गैंगवार और अपराध भी कम हुआ है।

शर्मा ने कहा कि हमने प्रदेश में पानी और बिजली को प्राथमिकता पर रखा। राज्य सरकार प्रदेश में पानी की पर्याप्त उपलब्धता को सुनिश्चित करने की दिशा में पूर्वी राजस्थान के लिए राम जलसेतु लिंक परियोजना, शेखावाटी क्षेत्र के लिए यमुना जल समझौता, दक्षिणी के लिए देवास परियोजना का मार्ग प्रशस्त करने के साथ ही इंदिरा गांधी नहर परियोजना एवं माही परियोजना को भी सुदृढ़ कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बिजली तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए राज्य सरकार ठोस कार्य योजना पर काम कर रही है। हमारी सरकार वर्ष तक किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के साथ ही राज्य को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम कर रही है।

शहरी विकास से जुड़े एक बड़े टेंडर घोटाले का पर्दाफाश

862 करोड़ का ठेका, बिड कैपेसिटी मात्र 30 करोड़ ठेकेदार और अधिकारियों की मिलीभगत उजागर

जयपुर,05 मार्च (एजेंसियां)।
राजस्थान में शहरी विकास से जुड़े एक बड़े टेंडर घोटाले का पर्दाफाश हुआ है, जहां महज 30 करोड़ की बिड कैपेसिटी वाली फर्म एमव्हीआर टेक्नोलॉजी को 862.05 करोड़ रुपये के ठेके दिए गए। यह ठेके बिना बजट स्वीकृति, प्रशासनिक मंजूरी और तकनीकी अनुमोदन के जारी किए गए, वित्तीय अनियमितता का गंभीर मामला है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, टेंडर प्रक्रिया में नियमों को दरकिनार कर पहले 25 शहरों में 261.81 करोड़ रुपये का ठेका दिया गया, फिर बिना टेंडर जारी किए 114.87 करोड़ का ठेका और अंत में 55 अन्य शहरों के लिए 485.42 करोड़ रुपये का चतठ टेक्नोलॉजी को सौंप दिया गया। शहरी विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए रुक्मणी रियाड कमेटी को जांच के निर्देश दिए हैं। प्रारंभिक जांच में चीफ इंजीनियर प्रदीप गर्ग, वित्तीय सलाहकार महेंद्र मोहन अन्य अधिकारियों की संलिप्तता सामने आई है, जिन्होंने नियमानुसार स्वीकृत हुए बिना ही भुगतान जारी कर दिए।

टेंडर की शर्तों में हेराफेरी कर अयोग्य फर्म को ठेका दिया गया। प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति के बिना 862 करोड़ रुपये की निविदा स्वीकृत। करोड़ रुपये की अधूरी डिजाइन-ड्राइंग के आधार पर भुगतान कर दिया गया। एक ही फर्म से डीपीआर बनवाकर डीएलबी और आरयूआईडीपी ने दो बार भुगतान किया। ठेकेदार को समय विस्तार देने के बहाने जांच को प्रभावित करने का प्रयास। राजस्थान सरकार द्वारा (राजस्थान ट्रांसपेरेंसी इन पब्लिक प्रोक्योरमेंट) गाइडलाइन के अनुसार, किसी भी ठेकेदार को उसकी बिड कैपेसिटी से अधिक का ठेका नहीं दिया जा सकता। इसके बावजूद अधिकारियों ने नियमों को ताक पर रखते हुए एमव्हीआर टेक्नोलॉजी को अनुचित तरीके से ठेके दिए।

भरतपुर में पानी संकट : डॉ. सुभाष गर्ग की विधानसभा में प्रभावी मांग

भरतपुर,05 मार्च (एजेंसियां)।
राजस्थान विधानसभा में भरतपुर जिले की जल संकट की गंभीर स्थिति पर डॉ. सुभाष गर्ग ने जोरदार तरीके से अपनी बात रखी। उन्होंने पेयजल और सिंचाई से जुड़ी योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए प्रवाह तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया।

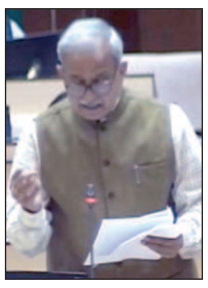

डॉ. गर्ग ने भरतपुर, और डीग जिलों के लिए बनी पेयजल योजनाओं के समय पर पूरा नहीं होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने इस देरी को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की। संयुक्त राष्ट्र की 2012 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि वाले समय में विश्व की आधी आबादी जल संकट झेलने को मजबूर होगी। भारत में स्थिति और भी विकट है, जहां 70% पानी पीने योग्य नहीं है। दूषित जल के कारण कई गंभीर बीमारियां फैल रही हैं, जिनमें भरतपुर में कैंसर मरीजों की बढ़ती संख्या एक प्रमुख उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जल संकट दलगत राजनीति से ऊपर उठकर हल किया जाना चाहिए। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती जनसंख्या, जल अपव्यय और प्रदूषण इस संकट को और गहरा बना रहे हैं।

करोड़ों की सरकारी जमीन कौडियों में बांटी

उदयपुर नगर निगम के पूर्व आयुक्त आईएएस बारहठ को कार्मिक विभाग ने दिया नोटिस

जयपुर,05 मार्च (एजेंसियां)।
उदयपुर की बहुचर्चित पानेरियों की मादड़ी जमीन घोटाले में सरकार ने सख्त रुख अपनाते हुए उदयपुर में तत्कालीन नगर आयुक्त आईएएस हिम्मत सिंह बारहठ को एक बार फिर नोटिस जारी कर 15 दिनों में स्पष्टीकरण मांगा है। आरोप है कि उन्होंने नियमों को ताक पर रखते हुए करोड़ों की सरकारी जमीन को औने-पौने दामों में कुछ व्यक्तियों और कंपनियों को आवंटित कर दिया। इस मुद्दे को शहर विधायक जैन ने विधानसभा में मजबूती से उठाया था, जिसके बाद सरकार को जांच के लिए मजबूर होना पड़ा।

जानकारी के मुताबिक, नगर विकास प्रन्यास (यूडीए) की यह जमीन खसरा नंबर 1163 में स्थित है, जिसे मास्टर प्लान 2031 में 100 चौड़ी सड़क के लिए आरक्षित किया गया था। इतना ही नहीं, इस भूमि को लेकर उच्च न्यायालय में मामला लंबित था और कोर्ट ने किसी भी प्रकार के आवंटन पर रोक लगा रखी थी। इसके बावजूद आईएएस हिम्मत सिंह बारहठ ने 2021-22 और 2022-23 में शौकिन पितलिया, संध्या पितलिया मैसर्स ऑरबिट रियल मार्ट प्राइवेट लिमिटेड को यह जमीन आवंटित कर दी।

विधायक जैन द्वारा विधानसभा में पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक, 887.76 वर्गफीट के दो भूखंड मात्र 29,296 रुपये में और 4115 वर्गफीट का भूखंड मात्र 1,35,994 रुपये में किया गया। जबकि इस जमीन की मौजूदा बाजार कीमत करोड़ों रुपये में आंकी जा रही है।

नायब सैनी ने सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ की महत्वपूर्ण बैठक

चंडीगढ़,05 मार्च (एजेंसियां)।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज यहां प्रदेश के सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की और शिक्षा क्षेत्र में किए जाने वाले सुधारों पर विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री कहा कि वर्ष 2025-26 के राज्य बजट में शिक्षा क्षेत्र पर विशेष फोकस किया जाएगा, जिससे प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा सके। इसके लिए सभी कुलपतियों से सुझाव भी आमंत्रित किए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने पत्र में संकल्प लिया है कि हम भारत के किसी भी सरकारी कॉलेज से मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति के हरियाणा के विद्यार्थियों को पूर्ण छात्रवृत्ति प्रदान करेंगे, इसके लिए भी जल्द से जल्द रूपरेखा तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सभी प्रावधानों को पूर्ण रूप से लागू किया जाए, ताकि सरकार हरियाणा को वैश्विक शिक्षा का केंद्र बना सकें, जहां एआई और आधुनिक स्किल्स का प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके।

नायब सिंह सैनी ने महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय के कुलपति से चर्चा करते हुए कहा कि आने वाला समय बागवानी फसलों का है और परंपरागत खेती की बजाय फसल विविधीकरण को अपनाने के लिए किसानों को जागरूक करने की आवश्यकता है। इस दिशा में बागवानी विश्वविद्यालय अहम भूमिका निभा है। गन्नौर में बन रही इंडिया इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चर मार्केट के पहले चरण का जल्द उद्घाटन किया जाएगा, जिससे बागवानी किसानों को बहुत बड़ा लाभ मिलेगा। फल एवं सब्जियों का निर्यात होने से उनकी आय में वृद्धि होगी। इसलिए बागवानी विश्वविद्यालय हरियाणा के अलग-अलग क्षेत्र के अनुसार वहां पैदा होने फल एवं सब्जियों के शोध की दिशा में कार्य करे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के युवाओं को खेलों में पारंगत बनाने के लिए हर जिले में स्पोर्ट्स स्कूल खोलने की दिशा में योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में भी खेलों के लिए उपयुक्त सुविधाएं सुनिश्चित की उन्होंने कहा कि ओलंपिक-2036 के लिए हरियाणा के युवाओं को अभी से प्रशिक्षित किया जाए, ताकि वे प्रदेश व देश का नाम विश्व पटल पर रोशन कर सकें।

बजट सत्र से पहले विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने की राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट

चंडीगढ़,05 मार्च (एजेंसियां)।
हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने बजट सत्र शुरू होने से पहले बुधवार को प्रदेश के महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से शिष्टाचार भेंट इस दौरान उनकी बजट सत्र की तैयारियों को लेकर राज्यपाल से चर्चा हुई। वर्ष के प्रथम सत्र के पहले दिन महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण होता है, इसको लेकर भी बात हुई। संविधान व संसदीय प्रणाली में राज्यपाल के अभिभाषण का विशेष महत्व है। इस क्षण को गरिमामय पूर्ण ढंग भी देखा जाता है।

विधान सभा अध्यक्ष ने बताया कि बजट सत्र से एक दिन पूर्व विधान सभा सचिवालय में शाम 3 बजे सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। इस बैठक के लिए सभी दलों को सूचना भेजी गई है। बैठक में सत्र की कार्यवाही, उत्पादकता बढ़ाने पर भी विचार तथा अन्य विषयों पर भी चर्चा होगी। इसके लिए सत्र के दौरान सदन की गरिमा व अनुशासन बना रहे तथा जनहित के विषयों पर सार्थक चर्चा हो पाये, यह बिन्दु भी चर्चा के विषय होंगे। उन्होंने कहा कि सभी दलों से आग्रह किया जाएगा कि वे तथ्यों पर आधारित के साथ सत्र में भाग लेंगे तो तथा प्रदेश के विकास को लेकर गंभीरता से सदन में विचार हो सकेगा।

इसके बाद शाम 4 बजे कार्य सलाहकार समिति की बैठक होगी, जिसके लिए सभी सदस्यों को सूचना भेज दी गई है। इस बैठक में पूरे बजट सत्र के दौरान वाले सभी विधायी कामकाज पर चर्चा होगी। सत्र की समयावधि भी इसी दौरान तय होगी। दोनों बैठकों में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व विपक्ष से नेता भी मौजूद रहेंगे।

अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

चंडीगढ़,05 मार्च (एजेंसियां)।
हरियाणा के पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने राज्य अपराध शाखा के अधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने राज्य अपराध शाखा में लंबित बड़े मामलों को अब तक की गई कार्रवाई को लेकर अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की। बैठक में पुलिस महानिदेशक ने अधिकारियों को लंबित मामलों की जांच समयबद्ध तरीके से पूरी करने के निर्देश दिए।

यह बैठक पंचकूला के सेक्टर-6 स्थित पुलिस मुख्यालय में आयोजित की गई थी। इस बैठक में राज्य अपराध की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ममता सिंह सहित डीआईजी, एससीबी हामिद अख्तर, पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा, अमित दहिया, पूजा डाबला, धारणा यादव, संदीप मलिक सहित डीएसपी व इंस्पेक्टरों ने भाग लिया।

बैठक में आर्थिक अपराध व भ्रष्टाचार संबंधित बड़े मामलों को लेकर विचार से चर्चा की गई। इस दौरान अधिकारियों मामलों में अब तक की गई जांच अथवा पुलिस कार्यवाही के बारे में विस्तार से बताया।

कपूर ने कहा कि किसी भी मामले की जांच से पूर्व अधिकारी उसकी जड़ तक जाए और उसका खाका तैयार कर लें कि उन्हें कब, क्या और कैसे मामले की जांच करनी है दोषी व्यक्ति के खिलाफ उचित कार्यवाही हो सके। उन्होंने लंबित मामले सुलझाने को लेकर अधिकारियों का मार्गदर्शन भी किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मामले की जांच निष्पक्ष होनी चाहिए ताकि निर्दोष व्यक्ति को किसी प्रकार की परेशानी ना हो।

अवैध खनन तथा ओवरलोडिंग करने वाले 22 ट्रक चालकों का किया चालान

चंडीगढ़,05 मार्च (एजेंसियां)।
हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो आज अवैध खनन तथा ओवरलोडिंग करने वाले वाहन चालकों पर कड़ी कार्यवाही करते हुए यमुनानगर जिला में 22 ट्रक चालकों के चालान किए गए। ब्यूरो की टीम द्वारा ये चालान रादौर -लाडवा राष्ट्र राजमार्ग के बीच किए गए। प्रवर्तन ब्यूरो द्वारा की गई इस कार्रवाई से अवैध खनन करने को स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया गया है कि प्रदेश में अवैध खनन तथा ओ-वरलोडिंग करने वाले वाहन चालकों को बख्शा नहीं जाएगा और उन पर नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो की टीम द्वारा यह वर्ष 2025 में की गई अब तक की सबसे कार्यवाही है जिसमें एक साथ 22 ट्रको के अवैध खनन करने तथा ओ-वरलोडिंग करने को लेकर चले गए हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध खनन को रोकने के लिए हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो द्वारा विशेष अभियान चलाते हुए कार्यवाही की जा रही है। जनवरी 2025 ब्यूरो द्वारा अवैध खनन तथा ओवरलोडिंग करने वालों के खिलाफ 238 मुकदमे दर्ज करते हुए 136 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई थी। इस दौरान अवैध खनन वाले भू-माफियो पर 127.86 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया जिसमे 63.54 लाख रुपये का जुर्माना जनवरी-2025 में वसूल किया गया।

हरियाणा राज्य ब्यूरो के प्रमुख ने बताया कि अवैध खनन करने वालो के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा। ऐसे लोगों पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने आमजन से भी अपील करते हुए कहा कि वे अवैध खनन संबंधी जानकारी प्रवर्तन ब्यूरो को देना सुनिश्चित सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गुप्त रखा जाएगा।

औरंगाबाद के देव में पातालगंगा मठ की 33.77 एकड़ भूमि पर बनेगा मेडिकल कॉलेज, 400 करोड़ की स्वीकृति

औरंगाबाद (एजेंसियां)। औरंगाबाद में चिर प्रतीक्षित मेडिकल कॉलेज खुलने का सपना साकार होने जा रहा है। प्रगति यात्रा पर पिछले माह 11 फरवरी को औरंगाबाद आए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा देव में मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा अब धरातल पर उतरने जा रही है।

राज्य सरकार ने मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के निर्माण के लिए 400 करोड़ 29 लाख की राशि की स्वीकृत दी है। साथ मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए पातालगंगा मठ की 33.77 एकड़ भूमि चिन्हित की है। यह जानकारी औरंगाबाद के उप विकास आयुक्त अभ्येंद्र मोहन सिंह ने बुधवार को मेडिकल कॉलेज के लिए चयनित भूमि पर इलाके के लोगों की मौजूदगी में ऑन स्पॉट प्रेसवार्ता में दी।

इस दौरान उन्होंने मेडिकल कॉलेज, रिंग रोड एवं स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। बताया कि औरंगाबाद में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के निर्माण के लिए बिहार सरकार ने 400 करोड़ 29 लाख की राशि की स्वीकृत दे दी है। इसके लिए कुल 33.77 एकड़ भूमि भी चिन्हित की गई है। यह मेडिकल कॉलेज औरंगाबाद जिला मुख्यालय से 16 किमी की दूरी पर एसएच-101 मुख्य सड़क एवं प्रस्तावित देव रिंग रोड पर अवस्थित होगा।

मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की क्षमता 430 बेड होगी। मेडिकल कॉलेज के निर्माण के बाद जिले के मरीजों को उच्च चिकित्सा जांच हेतु जिले से बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। वहीं देव रिंग रोड कई महत्वपूर्ण पथों से जुड़ा है। रिंग रोड के निर्माण से एनएच-19, एनएच-139, अम्बा, बालूगंज, मदनपुर और औरंगाबाद से देव आना-जाना सुगम हो जाएगा एवं सुलभ संपर्क बढ़ जाएगा।

रिंग रोड के निर्माण से हर वर्ष विश्व प्रसिद्ध सौर तीर्थस्थल देव में कार्तिक एवं चैत माह में लगने वाले चार दिवसीय छठ मेला के दौरान आनेवाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा होगी। विधि व्यवस्था संधारण में सहायता होगी। रिंग रोड के अधिग्रहित की जानेवाली भूमि पर बनने वाली सड़क की चौड़ाई 30 मीटर होगी। साथ ही प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज के पास में ही स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स एवं स्टेडियम का निर्माण होगा। इसके लिए राज्य सरकार ने 29 करोड़ 45 लाख की स्वीकृति दी है। स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स में 4 बैडमिंटन, वॉलीबॉल, बास्केट बॉल कोर्ट होंगे। अलगा जिम और योगा के लिए एक हॉल होगा। इन सभी योजनाओं पर कार्य शीघ्र शुरू होगा। कार्य शुरू कराने के लिए निविदा की प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाएगी। निविदा की प्रक्रिया पूरी होने के बाद धरातल पर कार्य आरंभ होगा। प्रेसवार्ता में औरंगाबाद के अपर समाहर्ता ललित भूषण रंजन, सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह, आरसीडी के कार्यपालक अभियंता, जिला खेल पदाधिकारी कुमार पप्पू राज, जिला योजना पदाधिकारी अविनाश कुमार, कई वरीय उप समाहर्ता एवं देव प्रखंड के सभी पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

नवादा में करंट लगने से बड़ा हादसा, चार बस यात्रियों की मौत

नवादा (एजेंसियां)। नवादा जिले में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में चार बस यात्रियों की मौत हो गई। घटना नारदीगंज प्रखंड क्षेत्र के राजीव नगर में हुई, जहां बस हाई वोल्टेज तार के संपर्क में आ गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, बस नालंदा के राजगीर से खिजरसराय की ओर जा रही थी। रास्ते में एक पेड़ गिरा हुआ था, जिससे सड़क पूरी तरह से जाम हो गई थी। बस में सवार कुछ यात्री उस पेड़ को हटाने के लिए नीचे उतरे, लेकिन इसी दौरान ऊपर से गुजर रहा हाई वोल्टेज बिजली का तार टूटकर गिर पड़ा। तार के संपर्क में आते ही चार यात्री करंट की चपेट में आ गए।

इस हादसे में तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथे घायल यात्री ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, सभी मृतक एक ही बस में सवार थे। अभी तक किसी भी मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। इस दर्दनाक हादसे को लेकर पूरे इलाके में मातम छा गया। फिलहाल पुलिस मृतकों की पहचान और हादसे के सही कारणों की जांच में जुटी हुई है।

सड़क दुघर्टना में छात्रा की मौत के बाद जमकर बवाल, गाड़ियों से तोड़फोड़

मुजफ्फरपुर

हाजीपुर-मुजफ्फरपुर मुख्य मार्ग के धोघट्टी में कोचिंग जा रही एक छात्रा को बस ने रौंद दिया, जिससे छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने हाजीपुर-मुजफ्फरपुर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया, जिससे एक स्थान से दूसरे स्थान जाने में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं।

मृतक छात्रा की पहचान काजीपुर थाना क्षेत्र के निवासी नरेश शर्मा की 13 वर्षीय पुत्री अंजू कुमारी के रूप में हुई है। बताया गया है कि अंजू आठवीं कक्षा में पढ़ाई कर रही थी और वह कोचिंग जाने के लिए घर से निकली थी। जैसे ही वह काजीपुर थाना क्षेत्र के धोघट्टी स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंची, तेज रफ्तार

और अनियंत्रित बस ने उसे कुचल दिया। इसके बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने सड़क पर आगजनी की और जमकर नारेबाजी की, जिससे यातायात पूरी तरह से ठप हो गया।

घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन गुस्साए लोगों के बीच चार घंटे से अधिक समय तक हाजीपुर-मुजफ्फरपुर मुख्य मार्ग जाम रहा। कई गाड़ियों में तोड़ फोड़ की घटना भी सामने आई, और कुछ ड्राइवरों के साथ मारपीट की गई। पुलिस द्वारा समझाने के बावजूद लोग सड़क को नहीं खोलने को तैयार थे।

स्थानीय पुलिस ने बताया कि छात्रा की सड़क दुर्घटना में मौत हुई है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। वहीं, स्थिति को शांत करने के लिए मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्या ने सीएम नीतीश कुमार पर किया बड़ा हमला, आरोपों की झड़ी लगाई

पटना (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार दोपहर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को बच्चा कह दिया था। सीएम के इस बयान के बाद अब बिहार में सियासत गरमा गई है। राष्ट्रीय जनता दल के नेता सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोल रहे हैं। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर सीएम नीतीश कुमार की तीखी आलोचना की। राजद नेत्री ने लिखा कि चाचा जी (सीएम नीतीश कुमार) सच में आपकी उम्र के मुकाबले तेजस्वी बच्चा है। लेकिन, तेजस्वी की जानकारी की फेरहिस्त (लिस्ट) बहुत लम्बी है। अपनी तमाम जानकारियों की चर्चा अगर उसने कर दी तो आप (सीएम नीतीश कुमार) बगले झांकने लगेंगे।

रोहिणी ने आगे लिखा कि चाचा जी, नि:संदेह तेजस्वी आपके सामने बच्चा है, पर बहुत कुछ जानता है।

यह भी भली-भांति जानता है कि हत्या के मामले में अभियुक्त कौन था व थीसिस चोरी के मामले में न्यायालय द्वारा किसे दोषी ठहराया गया था। तेजस्वी यह भी जानता है कि किसने अपने डीएनए में खोट बताने वालों के साथ कुर्सी लोभ में समझौता कर लिया? किसने न्योता दे कर किसकी थाली खींच ली थी? किसने 'मर जाऊंगा मगर उनके साथ नहीं जाऊंगा कह कर भी कई दफा उनके (पीएम नरेंद्र मोदी) ही पैर छूए, जिनके साथ नहीं जाने की बात कही थी।

राजद नेत्री ने आगे लिखा कि चाचा जी, तेजस्वी आपके बच्चे के समान ही है।

लेकिन, यह भी जानता है कि किसके शासनकाल में, किसके संरक्षण में देश का सबसे बड़ा ट्रेजरी घोटाला 'सृजन घोटाला' हुआ। कौन 'मुज़फ्फरपुर महापाप' के मुख्य-आरोपी के यहां दावत पर गया। रोहिणी के इस बयान से पहले तेजस्वी यादव ने भी कहा था कि 2005 के बाद वाली सरकार में एक बरसात में कई पुल गिर गए।

बालिका गृह और सृजन घोटला को 2005 के बाद ही हुआ। इतना ही नहीं 1400 लीटर शराब चूहा पी जाता है। तेजस्वी ने और भी कई आरोप लगाए थे। इसके बाद सीएम नीतीश कुमार ने उनकी बातों का जवाब दिया।

रोहिणी आचार्या ने सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए कहा कि तेजस्वी जब भी चाचा जी को उनके शासनकाल के वीभत्स चेहरे को देखने-दिखाने के लिए आईना दिखाता है, तो तिलमिलाहट में चाचा जी चीखने-चिल्लाने लगते हैं, उसे (तेजस्वी को) बच्चा बताने लगते हैं, चाचा जी का ब्लड प्रेशर हाई हो जाता है, चाचा जी के पास तर्कों-तथ्यों का टोंटा पड़ जाता है। चाचा जी को चीखते-चिल्लाते देख बड़ी चिंता होती है, उम्र के इस पड़ाव पर आंखें तरेर चीखना-चिल्लाना सेहत के लिए नुकसानदेह होता है। मगर यह समझने को खुद को समझदार कहने - बताने वाले चाचा जी तैयार ही नहीं हैं।

राजद नेत्री ने सीएम को सलाह देते हुए कहा कि चाचा जी के लिए विनम्र सलाह है कि आप चीखने-चिल्लाने से परहेज करें। सदन में आएं तो यथोचित होम वर्क कर आईए। नेता प्रतिपक्ष वब विपक्ष द्वारा बताए और दिखाए जा रहे सच को स्वीकारिए और घिसे-पीटे राग अलापना छोड़ तार्किक वब तथ्यपरक बातें करिए। अपने ही गठबंधन के साथियों द्वारा आपके लिए पैदा की गयीं दुश्वारियों की खीज सदन में मत निकालिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत

तीन लाख लोगों को मिले 1200 करोड़ रुपये

पटना (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना स्थित एक, अणे मार्ग स्थित संकल्प से प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत तीन लाख लाभार्थियों को 1200 करोड़ रुपये की सहायता राशि का माऊस क्लिक कर एकमुश्त हस्तांतरण किया।

इस अवसर पर ग्रामीण विकास विभाग के सचिव ने एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से योजना की विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर उन्होंने कहा कि जिन परिवारों को इस योजना का लाभ मिला है, उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। साथ ही, उन्होंने ग्रामीण विकास विभाग को भी बधाई दी और सुनिश्चित किया कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो, ताकि लाभार्थियों को तुरंत लाभ मिले। उन्होंने विभाग से यह भी कहा कि लाभार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए विशेष ध्यान रखा जाए। इस कार्यक्रम के तहत 3 लाख लाभार्थियों को कुल 4621.50 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त होगी, जो राज्य के ग्रामीण परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अगले 100 दिनों में इन लाभार्थियों को द्वितीय और तृतीय किश्त के रूप में 80,000 रुपये की सहायता दी जाएगी। इन लाभार्थियों को मनरेगा के माध्यम से 90 दिनों के अकुशल मजदूरी के रूप में 22,050 रुपये और लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान से शौचालय निर्माण के लिए 12,000 रुपये की अतिरिक्त सहायता दी जाएगी। इस प्रकार, प्रति लाभार्थी कुल 1,54,050 रुपये की राशि प्राप्त होगी।

वहीं ग्रामीण विकास विभाग सचिव ने लोकेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत पहले चरण में सितंबर 2024 में 2,43,903 लक्ष्य प्राप्त हुआ था, जबकि जनवरी 2025 में 5,46,745 अतिरिक्त लक्ष्य प्राप्त हुए। इस प्रकार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य को कुल 7,90,648 लक्ष्य प्राप्त हुए हैं। इस योजना के तहत लाभार्थियों को 1.20 लाख रुपये की सहायता राशि तीन किश्तों में दी जाती है, जिसमें 60 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार द्वारा और 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार द्वारा वहन की जाती है। राज्य सरकार की ओर से लाभार्थियों को 48,000 रुपये की राशि दी जाती है।

बता दें कि इससे पूर्व सात अक्टूबर 2024 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 1.05 लाख लाभार्थियों को पहली किश्त की राशि का एकमुश्त भुगतान किया था, जिसमें 420 करोड़ रुपये का खर्च आया था। इस कार्यक्रम में तीन लाख लाभार्थियों को 40,000 रुपये की दर से पहली किश्त की राशि का एकमुश्त भुगतान किया गया। इसमें कुल 1200 करोड़ रुपये खर्च हुए।

अवैध निर्माण पर चला प्रशासन का पीला पंजा, जब्त की सरकारी जमीन

सीवान(एजेंसियां)। सीवान जिले के दरौंदा थाना क्षेत्र में प्रशासन ने अवैध रूप से बने मकान पर बुलडोजर चला दिया। वर्षों से सरकारी जमीन पर कब्जा कर बनाए गए मकान को ध्वस्त कर दिया गया, जिससे पूरे गांव में इस कार्रवाई की चर्चा रही।

जानकारी के मुताबिक, घटना दरौंदा थाना क्षेत्र के सतजोरा गांव की है। जहां गांव के अर्जुन यादव पिता फेकू यादव ने सरकारी जमीन पर अवैध रूप से मकान बना लिया था। यह जमीन गैर मजरुआ भूमि (सरकारी जमीन) के रूप में दर्ज थी, जिसका खाता नंबर 101 और सर्वे नंबर 1415 है।

पड़ोसी सुभाष चंद्र गिरी ने इस अतिक्रमण की शिकायत सीवान के डीएम से की। उसके बाद प्रशासन ने कई बार नोटिस जारी कर कब्जा हटाने का आदेश दिया। लेकिन बार-बार की चेतावनी के बावजूद अर्जुन यादव ने जमीन खाली नहीं की।

अवैध कब्जा हटाने के लिए सीवान अंचल अधिकारी पूनम दीक्षित पुलिस बल और बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंचीं। प्रशासन की कार्रवाई देखने के लिए गांव में भारी संख्या में लोग जुट गए। कुछ ही मिनटों में बुलडोजर ने पूरे मकान को जमींदोज कर दिया और सरकारी जमीन को प्रशासन ने अपने कब्जे में ले लिया। यह कार्रवाई पूरे गांव में चर्चा का विषय बन गई और लोगों में मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली। इस घटना के बाद गांव में लोग दो पक्षों में बंटे नजर आए। कुछ ग्रामीणों ने कहा कि जो अवैध कब्जा करे, उसे हटाना जरूरी है। वहीं, कुछ लोगों ने इसे कठोर कार्रवाई बताया। ग्रामीणों का मानना है कि ऐसी कार्रवाई अन्य अवैध कब्जों पर भी होनी चाहिए, ताकि सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण को रोका जा सके।

इस पूरे मामले पर सीवान अंचल अधिकारी पूनम दीक्षित ने कहा कि प्रशासन ने कई बार नोटिस जारी किया था और समय भी दिया गया था, लेकिन अतिक्रमण नहीं हटाया गया। समय समाप्त होने के बाद प्रशासन ने कार्रवाई की और अब यह जमीन सरकार के कब्जे में है। हालांकि अर्जुन यादव से इस मामले पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी।

बागमती नदी की बाढ़ से निपटने के लिए सरकारी महत्वाकांक्षी योजना पर काम तेज

बड़ी आबादी को मिलेगी निजात

पटना (एजेंसियां)। बिहार सरकार जल संसाधन विभाग द्वारा बागमती नदी के अधिशेष जल को बूढ़ी गंडक नदी में प्रवाहित करने की महत्वाकांक्षी योजना पर तेजी से काम किया जा रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य बागमती नदी की बाढ़ से प्रभावित हजारों लोगों को दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान करना है।

योजना के तहत शिवहर जिले के पिपराही प्रखंड स्थित बेलवा स्थल से बागमती नदी के अतिरिक्त जल को पुरानी बागमती धार (बेलवा-मीनापुर लिंक चैनल) के माध्यम से मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर प्रखंड में बूढ़ी गंडक नदी में प्रवाहित किया जाएगा। इससे शिवहर जिले के पिपराही प्रखंड और पूर्वी चंपारण जिले के पताही प्रखंड की बड़ी आबादी को बाढ़ से राहत मिलेगी।

इस योजना के पूरा होने पर बागमती नदी की बाढ़ से होने वाले जान-माल के नुकसान को रोका जा सकेगा। साथ ही इस परियोजना से क्षेत्र में सिंचाई के लिए जल उपलब्ध होगा, जिससे किसानों को भी फायदा पहुंचेगा और जनजीवन अधिक सुगम हो जाएगा।

जल संसाधन विभाग का लक्ष्य राज्य में नदी जल का बेहतर प्रबंधन करना और बाढ़ की समस्या से स्थायी समाधान निकालना है। इस परियोजना को इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। सरकार का कहना है कि राज्य को बाढ़ की विभीषिका से बचाने और जल संसाधनों के समुचित उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए इस तरह की योजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। जल्द ही इस परियोजना के पूरा होने से बिहार के बाढ़ प्रभावित जिलों में रहने वाले हजारों लोगों को राहत मिलेगी और वे हर साल आने वाली त्रासदी से बच सकेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com